जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, रविवार 7 अगस्त, 2022

www.rera.rajasthan.gov.in | Rera No. RAJ/P/2021/1523, RAJ/P/2021/1526

आलीशान 3 BHK कोठी सिर्फ 30 लाख में !

Kedia's THE KOTHI
भव्य·उत्कृष्ट·श्रेष्ठ

Phase 1st: 35 Lakh | Phase 2nd: 30 Lakh

900 Sq. Ft. बिल्ट-अप एरिया

Sirsi Road, Vaishali Extension, Jaipur

FIXED PRICE

www.rera.rajasthan.gov.in | Rera No. RAJ/P/2022/1900

करोड़ो की 5 BHK कोठी अब 90 लाख में !

A Project By Kedia
THE KUNBA
बड़े परिवारों के लिए

2000 Sq. Ft. बिल्ट-अप एरिया

SHOPS 15 लाख

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

Near MPS, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur

KEDIA Transforming Realty

Toll Free: 1800-120-23-23 | 7877-07-27-37

www.kedia.com | www.kediahomes.com | info@kediahomes.com

*T&C Apply

विचार बिन्दु

मूर्ति के समान मनुष्य का जीवन सभी ओर से सुन्दर होना चाहिए। –सुकरात

वन और मानव स्वास्थ्य

हरियाली, प्राकृतिक वातावरण, वनों और उपवनों में प्रकृति-अनुभव या दीर्घकालिक जुड़ाव का प्रसन्नता में योगदान पर पूर्व में यहाँ प्रमाण-आधारित ठोस विश्लेषण प्रस्तुत किया गया था। परन्तु क्या यह हरियाली में किया गया व्यायाम और योग तुलनात्मक रूप से बेहतर स्वास्थ्य भी प्रदान करता है? वर्ष 2021 में प्रकाशित शोध को समाहित हर आज की चर्चा पुनः इसी विषय पर है।

जैसा कि पूर्व में बताया गया था, संहिताओं में स्वास्थ्य-रक्षण और रोगोपचार दोनों के लिये ऐसे अनेक सन्दर्भ हैं (देखें, च.चि.3.260-266; च.चि.2/3, 26-30, च.चि.4.106-109; च.वि.6.17, सु.उ.47.55-57 आदि)। उक्त सभी सन्दर्भ केवल उदाहरणार्थ और प्राचीनता दर्शित करने के उद्देश्य से उद्धृत किये गये हैं। समकालीन शोध में पिछले कई दशकों से विभिन्न विषयों के विद्वानों ने अपनी विधा के अनुसार इस बात की ओर ध्यान खींचा है कि प्रकृति से जुड़ने और मानव स्वास्थ्य में सुधार के बीच सकारात्मक संबंध है। यह आम समझ की बात है कि प्रकृति और पर्यावरण के सानिध्य में समय बिताना हमारे लिये स्वाभाविक रूप से अच्छा हो सकता है। प्राचीन सभ्यताओं के अवशेषों, प्राचीनकाल से चली आ रही सांस्कृतिक परम्पराओं और चिकित्सा पद्धतियों में इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि मानव सभ्यता का अपने स्वास्थ्य, चिकित्सा और आध्यात्मिकता के लिये प्रकृति के साथ अन्योन्याश्रित जुड़ाव रहा है।

जहाँ तक हरियाली का शारीरिक और मनोरोगों को रोकने में योगदान है उस पर बहुत शोध है और उसका सम्पूर्ण विश्लेषण यहाँ देना संभव नहीं है। इस विषय में एक बेहद उपयोगी पुस्तक द एक्सपीरियंस ऑफ़ नेचर- अ साइकोलॉजिकल पर्सपेक्टिव वर्ष 1989 में प्रकाशित हुई थी। राचेल कपलान और स्टेफेन कपलान की यह पुस्तक इस विषय में विश्व की सर्वाधिक संदर्भित पुस्तक है जिसे लगभग 8000 प्रकाशनों में संदर्भित किया गया है। प्राकृतिक वातावरण, लोगों और उनके बीच के संबंधों काएक प्रमाण-आधारित लेखा-जोखा इस पुस्तक में है। लेखकों ने यह समझने की कोशिश की है कि लोग प्रकृति का अनुभव कैसे करते हैं और वे किस प्रकार के प्राकृतिक वातावरण पसंद करते हैं, वे जंगल के अनुभवों से क्या मनोवैज्ञानिक लाभ उठाते हैं, और हमारे आसपास के उद्यान लोगों के लिये क्यों महत्वपूर्ण हैं।

आयुर्वेद का लोक-पुरुष-साम्य सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि मानव और संसार एक समान हैं (च.शा.5.3: पुरुषोऽयं लोकसम्मितः) इस सिद्धांत के प्रकाश में देखने पर लोक या पृथ्वी के वातावरण का सीधा सीधा प्रभाव मानव के स्वास्थ्य पर पड़ता है क्योंकि लोक और पुरुष में समानता (च.शा.5.3: लोकपुरुषयोः सामान्यम्) होने से सामान्य-विशेष का सिद्धांत कार्य करता है। अर्थात सामान भावों को सामान भावों से मिलाने पर उस भाव की वृद्धि और असमान भावों को मिलाने पर ह्रास होता है। सत्य बुद्धि तभी प्रकट होती है या अकल तभी आती है जब स्वयं के अंदर प्रकृति को व प्रकृति के अंदर स्वयं को देखा जाये (च.शा.5.7): सर्वलोकमात्मन्यात्मानं च सर्वलोके सममनुपश्यतः सत्या बुद्धिः समुत्पद्यते। यहाँ पर लोक से तात्पर्य पूरी दुनिया के वातावरण से है जिसमें छः धातुयें पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश तथा आत्मा शामिल हैं (च.शा.5.7): षड्धातुसमुदायो हि सामान्यतः सर्वलोकः। इस सूची में आत्मा का शामिल होना आश्चर्यजनक नहीं मानना चाहिये क्योंकि पौधे, प्राणी और सम्पूर्ण जीवन भी लोक में शामिल है।

यहाँ यह बताना आवश्यक है कि ऐसा नहीं है कि प्रकृति के सभी आयाम स्वास्थ्यवर्धक और सुरक्षित ही हों। कई प्राकृतिक स्थल मानव में अकेले डर पैदा कर सकते हैं। जो हवा, पानी और मिट्टी स्वास्थ्य के लिये सर्वथा उपयुक्त होती है, वही प्रदूषित होने या प्राकृतिक आपदाओं के स्वरुप में आने पर स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हो सकती हैं। प्राकृतिक वातावरण के जो प्राणी बहुत सुन्दर लगते हैं उनमें से बहुत हिंसक भी हो सकते हैं। इन बातों को ध्यान में रखते हुये प्रकृति-अनुभव अपने अन्य रूपों में हमारे स्वास्थ्य की स्थिति को निर्धारित करते हैं। इस दृष्टिकोण से प्रकृति और पर्यावरण को निहारना, प्राकृतिक वातावरण में घूमना-फिरना स्वास्थ्यकर होता है।

प्रकृति-अनुभव किन कारणों से हमारे स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है? या अन्य शब्दों में कहें तो प्रकृति से जुड़ाव के स्वास्थ्यकर होने की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन क्या है? अनेक अध्ययनों के प्रमाण स्पष्ट करते हैं कि प्रकृति का मानव शरीर और मन पर स्वास्थ्यकर प्रभाव स्वास्थ्य के विविध आयामों को बेहतर करने में प्राकृतिक वातावरणों की भूमिका के कारण होता है। उदाहरण के लिये प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य में सुधार की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन को मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद में कमी, मन की प्रसन्नता में बढ़ोत्तरी, अच्छी निद्रा, मनोहारी अनुभूति, दर्द-नियंत्रण, बेहतर सामाजिक संपर्क, व्यायाम में बढ़ोत्तरी, हृदय रोगों में कमी, प्रतिरक्षा तंत्र में सुधार आदि के प्रकाश में देखा जा सकता है।

यह आम समझ की बात है कि प्रकृति और पर्यावरण के सानिध्य में समय बिताना हमारे लिये स्वाभाविक रूप से अच्छा हो सकता है। प्राचीन सभ्यताओं के अवशेषों, प्राचीनकाल से चली आ रही सांस्कृतिक परम्पराओं और चिकित्सा पद्धतियों में इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि मानव सभ्यता का अपने स्वास्थ्य, चिकित्सा और आध्यात्मिकता के लिये प्रकृति के साथ अन्योन्याश्रित जुड़ाव रहा है।

शहरों में हरियाली से स्वास्थ्य लाभ के बारे में वर्ष 1800 के बाद से कई छिटपुट अध्ययन मिलते हैं और शहरी विकास में इन्हें शामिल करने के प्रयास भी दुनिया भर में हुये है। इन सब अध्ययनों में एक सन्देश मिल रहा था कि हरियाली को अनुभूत करना या हरियाली का एक्सपोज़र स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है, परन्तु व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-एनालिसिस अब आना शुरू हुये हैं। हाल ही में हरियाली से मिलाने वाले लगभग 100 प्रकार के स्वास्थ्य-लाभ के निष्कर्षों वाले 143 अध्ययनों को शामिल कर एक मेटा-एनालिसिस की गयी। इससे कई रोचक परिणाम मिले। जैसे जैसे हरियाली के साथ जुड़ाव बढ़ा वैसे वैसे लार के कोर्टिसोल, हृदय गति, व डायस्टोलिक रक्तचाप में कमी पायी गयी। एचडीएल कोलेस्ट्रॉल व हृदय गति की परिवर्तनशीलता में बेहतरी हुई। समय-पूर्व प्रसव-जोखिम, मधुमेह, तथा समस्त-कारण मृत्यु दर (आल-कॉज मोर्टेलिटी) और हृदय रोग मृत्यु दर में भी कमी पाई गयी। स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, डिस्लिपीडेमिया, अस्थमा, और कोरोनरी हृदय रोग की घटनाओं में भी कमी होती गयी। अलग अलग अध्ययनों को देखने पर यह भी स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य परिणामों में 66.7 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक बेहतरी हुई है। इनमें न्यूरोलॉजिकल, कैंसर, व श्वसन रोगों से मृत्यु दर में कमी भी पाई गयी (देखें, सी. टोहिग-बेनेट, ए. जोन्स, एनवायर्नमेंटल रिसर्च, 166: 628-637, 2018)।

इस विषय में सबसे भारी अध्ययन जिसका वित्त-पोषण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किया गया था, वह वर्ष 2019 में दुनिया के एक अगुआ जर्नल में प्रकाशित हुई। हरियाली को स्वास्थ्य-निर्धारक, स्वास्थ्य में सुधार, और विभिन्न प्रसन्नता के लिये उपयोगी माना जाता रहा है। इस व्यवस्थित अध्ययन में विश्व भर के अनुदैर्ध्य अध्ययनों से प्राप्त प्रमाणों की इस बात के लिये समीक्षा की गयी कि हरियाली, पार्क्स, गार्डन्स आदि की उपलब्धता का सकल मृत्यु दर में प्रभाव क्या है। इस मेटा-एनालिसिस में प्रारम्भ में 9298 अध्ययन और 13 अन्य अध्ययनों की पहचान की गयी। इनमें से 9234 (99 प्रतिशत) अध्ययनों को शीर्षक और सारांश जांचने के बाद अपग करते हुये शेष 77 अध्ययनों में से 68 (88 प्रतिशत) को सम्मिलित किया गया। उक्त के साथ ही मात्रात्मक मूल्यांकन हेतु नौ (12 प्रतिशत) अध्ययनों को शामिल किया। इनमें सात देशों के 8.32 लाख व्यक्ति शामिल थे। कुल मिलाकर निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि आसपास की हरियाली और सकल-कारण मृत्यु दर के बीच एक व्युत्क्रम रिश्ते का प्रमाण पाया गया। कहने का तात्पर्य यह कि जैसे-जैसे हरियाली की उपस्थिति बढ़ती जाती है वैसे-वैसे सभी कारणों से मृत्यु दर में कमी आती जाती है। सन्देश यह है कि मानव समाज जहाँ रहता और काम करता है वहां हरियाली बढ़ाने और जैव-विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना मानव स्वास्थ्य के लिये बहुत उपयोगी है (देखें, डी. रोजस रुएडा आदि, द लैंसेट प्लेनेटरी हेल्थ, 3,11:ई469-ई477,2019)।

एक अन्य महत्वपूर्ण मेटा-एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर जांच की गयी कि गर्भावस्था में प्रतिकूल परिणामों पर आवासीय हरियाली का क्या प्रभाव रहता है। इसमें कुल 36 अध्ययन शामिल थे और कुल मिलाकर1.19 करोड़(11.9 मिलियन) प्रतिभागी थे। परिणाम स्पष्ट करते हैं कि हरियाली वाले स्थलों में जन्म के समय न्यूनतम वजन का जोखिम उच्च स्तर की हरियाली वाले समूह में काफी कम था। गर्भावधि उम्र कम रहने की संभावना भी उच्च हरियाली वाले क्षेत्रों में घटी पायी गयी। इसके अलावा अधिक हरियाली वाले क्षेत्रों में मातृ-जोखिम कम पाया गया और मानसिक विकारों में भी कमी पायी गयी। यह समीक्षा आवासीय हरियाली और गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों के बीच एक उलटे रिश्ता होने की पुष्टि करती है। अध्ययन के निष्कर्ष स्पष्ट कर देते हैं कि हरियाली गर्भवती महिलाओं के लिये जोखिम घटाती है (वाइ. झान आदि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 718: आर्ट. 137420, 2020)।

हमारा समाज आज शहरीकरण, संसाधन-विदोहन और जीवनशैली में बदलाव के कारण प्रकृति-उन्मुखता से प्रकृति-विमुखता की ओर जा रहा है। इंसान और प्राकृतिक पर्यावरण के आपसी संपर्क की संभावनायें बहुत कम होती जा रहें हैं। संहिताओं, शोध और अनुभव की त्रिवेणी से उत्पन्न ज्ञान इस बात के पुख्ता प्रमाण दर्शित करता है कि प्रकृति-अनुभव मानव स्वास्थ्य के लिये अनिवार्य है। यह रिश्ता क्यों है, इस पर हुई शोध स्पष्ट करती है कि प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य-लाभ के मूल में वायु गुणवत्ता, शारीरिक गतिविधि और व्यायाम, सामाजिक सामंजस्य और तनाव में कमी आदि कारक हैं।

इस तमाम चर्चा का मूल संदेश यह है कि पर्यावरण के साथ हमारे संबंध हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। प्रकृति-अनुभव अनेक रूपों में हो सकता है। हमारे आसपास हरियाली को बढ़ावा देना, वनों उपवनों में घूमना, प्राकृतिक स्थलों में सैर-सपाटा, प्रतिदिन समीपवर्ती बाग-बगीचों में जाकर कम से कम दो घंटे का समय बिताना, कार्य-स्थलों में हरियाली बढाने के लिये छोटे-छोटे गार्डन या बगीची विकसित करना, बैठने के स्थान में खिड़की से दिखने वाला हरा-भरा दृश्य, कार्यालय में पांच मिनट का ब्रेक लेकर हरियाली में टहल कर आना आदिसब छोटे-छोटे ऐसे कार्य हैं, जिनके माध्यम से हमारा प्रकृति के साथ जुड़ाव बना रहता है। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह याद रखने योग्य है कि चूंकि प्रतिदिन व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है अतः व्यायाम और योग हरे-भरे स्थल, बाग-बगीचों, नदी या झील के समीप किया जाये तो शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिये अधिक उपयोगी है। बच्चों को भी प्रकृति-अनुभव कराइये। हरियाली से जुड़ाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए परम आवश्यक है। जीवन के प्रारम्भिक काल में प्रकृति से जुड़ाव मानव और प्रकृति के मध्य आजीवन सार्थक रिश्ता बनाने हेतु आवश्यक है। प्रकृति के साथ जुडे रहिये। योग और व्यायाम कीजिये। आनंदित रहिये। स्वस्थ रहिये।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

75 साल बाद भी दर-दर की ठोकरें खा रहे नारायणपुर के गाड़िया लुहार

- नारायणपुर और आस-पास में गाडियां लुहारों के लगभग 50 परिवार तंबुओं में जीवन जी रहे हैं।
- सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा

नारायणपुर, (निसं)। हल्दी घाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप के साथ अपना घर बार छोड़ने वाले गाडिया लुहारों की हालत 500 साल बाद भी बदतर बनी हुई है। आज भी इन परिवारों के पास रहने को घर नहीं है और न ही कमाने खाने के लिए रोजगार का कोई साधन। देश को आजादी मिले भी 75 साल हो गए लेकिन आज तक किसी सरकार ने इन गाड़िया लुहारों की सुध नहीं ली है।

आजीविका के लिए तम्बू लगाकर संघर्ष कर रहें गाड़िया लुहार परिवार।

राज्य सरकार द्वारा गाड़िया लुहारों सहित अन्य घुमन्तु जातियों को एक स्थान पर स्थायी रूप से बसाने एवं इनको समाज की मुख्यधारा से जोडने के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की गई थी। जैसे समस्त घुमन्तु जातियों को बिना किसी सर्वे के बीपीएल की श्रेणी में मानना। स्थायी आवास के लिए निःशुल्क भूमि का आवंटन किया जाना तथा महाराणा प्रताप आवास योजना के अंतर्गत आवंटित भूमि पर पक्के मकान बनाने के लिए अनुदान राशि स्वीकृत करना लेकिन संबंधित विभागों की उदासीनता के चलते घुमन्तु जातियों के कल्याण के लिए अनेकों योजनाओं के होने के बावजूद घुमन्तु जाति के परिवारों को इन योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। गाड़िया लुहार इन्द्रा देवी ने बताया कि नारायणपुर और आस-पास में गाडियां लुहारों के लगभग 50 परिवार अस्थाई रूप से रहते हैं। जमीन के अभाव में ये लोग तंबुओं में कष्ट भरा जीवन जी रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी की बात है रोटी की चिंता यानी कमाने की। आधुनिकता के चलते इनके बनाये औजार अब मशीनों से मुकाबला कर पाने में नाकाम हैं। जिसके कारण लुहारों के सामने परिवार पालने भर की कमाई नहीं हो पाती है। ज्यादतर परिवार सरकार की योजनाओं से बेखबर हैं। इस कारण वह सरकारी योजनाओं का लाभ ही नहीं उठा पाते। यह कहानी केवल नारायणपुर के आस-पास की ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के घुमन्तु गाडिया लुहारों की है। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन की यह जिम्मेदारी नहीं कि वो इनको योजनाओं की जानकारी दे और इनके पुनर्वास में सहयोग करे।

तिरंगा लेकर निकले 2हजार स्कूली बच्चे

अलवर के एक निजी स्कूल के बच्चों ने तिरंगा रैली निकाली ।

अलवर, (निसं)। आजादी के 75वें वर्ष को अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। शनिवार को अलवर शहर में ओसवाल जैन सीनयर सैकेंडरी स्कूल के करीब 2 हजार बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर शहर की सड़कों पर निलके। बच्चे एक सुर में वंदेमातरम और देश के शहीदों के जयकारे लगाते गए। नेहरू गार्डन में चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा तक पहुंचे। वहां चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प बरसाए।

स्कूल के प्रिंसिपल विनोद शर्मा ने बताया कि इस रैली में करीब 2 हजार बच्चों ने भाग लिया। सरकार ने डाक विभाग के जरिए आमजन को तिरंगा उपलब्ध कराने का इंतजाम किया है। वहां से केवल 25 रुपए में तिरंगा ले जा सकते हैं। इस बार 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा फहराने का अभियान है। अभी इसे अमृत महोत्सव की तैयारी हर तरफ नजर आने लगी हैं। डाक विभाग से अब तक 6 हजार से अधिक तिरंगा लोग लेकर जा चुके हैं।

- चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर बरसाए फूल

28वां शान्ति वृक्ष मेहरानगढ़ में रोपा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के ऐतिहासिक मेहरानगढ दुर्ग में 28वां 'ट्री ऑफ पीस' (शान्ति वृक्ष) रोपण पूर्व शासक गज सिंह, हेमलता राज्ये, स्लोवक एम्बेसडर रोबर्ट मॅक्सिएन, जाना मॅक्सिएनोवा, अचलानन्द गिरी महाराज, डॉ मारेक सोबोला ने किया। इसी के साथ भारत 17वां देश इस सूची में शामिल हो गया है जहीं यह वृक्षारोपण किया गया।

पूर्व शासक गज सिंह, हेमलता राज्ये सहित कई विदेशी मेहमानों ने पौधा रोपण कार्यक्रम में भाग लिया

उल्लेखनीय है कि यह पहल स्लोवक गणतंत्र के एन जी ओ सरवरे एट मनेरे ने शुरू की ताकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शान्ति, सदभावना एवं प्रकृति संरक्षण का सन्देश पहुंचे। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत 2018 में हुई तथा अभी तक 16 देशों में 27 शान्ति वृक्ष रोपण किये जा चुके हैं। यह प्रोजेक्ट विदेश मंत्रालय, स्लोवक गणतंत्र सरकार के सहयोग से आयोजित किया। जैसे-जैसे यह पहल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रही है वैसे ही इसका उद्देश्य भी बढ़ता जा रहा है। आपसी शान्ति, सदभावना के साथ ही इस पहल का उद्देश्य ऐतिहासिक स्मृति तथा प्रकृति को संरक्षित करना है।

- भारत बना 17वां देश जहां यह वृक्षारोपण किया गया

वृक्षारोपण के साथ ही मेहरानगढ़ दुर्ग में बारिश शुरू हो गई। मारवाड़ में पौधारोपण करते हुए बारिश का शुरू होना एक शुभ संकेत माना जाता है। स्लोवक दूत रोबर्ट मॅक्सिएन एवं डॉ मारेक सोबोला ने पूर्व शासक गज सिंह को 'मेमोरियल मैडल ऑफ ट्री ऑफ पीस' से सम्मानित किया। यह उनके ऐतिहासिक तथा प्राकृतिक संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। इस मौके पर प्रसन्नपुरी गोस्वामी, रामजी व्यास, मेजर जनरल शेर सिंह, अरुण अग्रवाल, शैलेश माथुर, डॉ महेंद्र सिंह तंवर, घर्माशु बोहरा आदि उपस्थित थे।

डिग्गीपुरी लक्खी मेला परवान पर

मालपुरा/डिग्गी, (निसं)। डिग्गीपुरी लक्खी मेले में पिछले तीन दिनों से यात्रियों के आने का क्रम अनवरत जारी है, वहीं एकादशी ग्यारस तक लगातार यूं ही चलता रहेगा। रोज दर्जनों यात्राओं में लोग श्रीजी महाराज के पहुंचकर खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

तीन अगस्त को जयपुर ताडकेश्वर मंदिर से रवाना हुई पदयात्रा का ध्वज 7 अगस्त को सांय काल 5 बजे रोडवेज बस स्टैंण्ड से रवाना होगा जो सांयकाल आरती के समय 7 बजे डिग्गी मंदिर में चढाया जाएगा। वही जयपुर से आए हुए पदयात्रियों का सिलसिला चार तारीख से ही शुरू हो जाता है जो सात तारीख तक लगाजार चलता रहजा है। श्रद्धालु सुबह तीन बजे से ही अपने आराध्य देव के दर्शन पाने के लिए कतारों में लग जाते हैं। वहीं धार्मिक नगरी डिग्गीपुरी श्री जी महाराज के जयकारों से गुंजायमान रहा।

प्रशासन अपनी तैयारियां में श्रद्धालुओं की संख्या कोरोना काल खत्म होने के बाद पहली बार लग रहे मेले को लेकर दुगनी समझ रहा था। वहीं इस बार श्रद्धालुओं की संख्या लगभग आधी ही नजर आई। जिला कलेक्टर चिन्मय गोपाल के निदेशों पर एडीएम प्रभाती लाल जाट मेले की व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। वही मालपुरा उपखंड अधिकारी रामकुमार वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार बैरवा, पुलिस उपाधीक्षक सुशी मान, नायब तहसीलदार चंद्रेशकर टांक, डिग्गी थानाधिकारी सत्यनारायण चोधरी मेले की लगातार मॉनिटिरिंग भी कर जायजा लेते रहे। ग्राम पंचायत की सरंपच हलिमा बानो, सरपंच प्रतिनिधि हकिम भाई, ग्राम विकास अधिकारी सूरेश चौधरी सहित ग्राम पंचायत प्रशासन भी मेले की व्यवस्थाओं को लेकर कंट्रोल रूम में जुटा हुआ है। मेले का समापन सात अगस्त को होगा। वही श्योपुर, सवाई माधोपुर, देवली सहित अन्य पदयात्राएं एकादशी को श्री जी महाराज के दर्शन करेगी। शनिवार को बस्सी गोंविदपुरा, मीनावाला, खेजडिया का रास्ता झोटवाडा सहित अन्य कहीं जगह से आई पदयात्रा डिग्गी श्री जी महाराज के दर्शन किए। टोंक आगर प्रबंधक डॉ एनके मीणा ने बताया कि टोंक डिपो के द्वारा लगाई गई बसों से जहां 2019 में 22 लाख के करीब आय हुई थी। वहीं इस बार पांच लाख के करीब आय हो चुकी है। वहीं जयपुर वैशाली नगर डिपो के चीप मैनेजर अनिल पारीक ने बताया कि 2019 के मुकाबले इस बार रोडवेज की इतनी आय नहीं हुई है। परन्तु अभी तक दो दिन बाकि है।

डिग्गीपुरी लक्खी मेले में पिछले तीन दिनों से यात्रियों के आने का क्रम अनवरत जारी है।

राशिफल रविवार 7 अगस्त, 2022

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2079, अनुराधा नक्षत्र सांय 4:30 तक, ब्रह्म योग दिन 10:02 तक, तैतिल करण दिन 1:01 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मेष, बुध-सिंह, गुरू-मीन, शुक्र-कर्क, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज फ्रेंडशिप डे है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:37 से 9:15 तक, लाभ-अमृत 9:15 से 12:33 तक, शुभ 2:11 से 3:47 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:58, सूर्यास्त 7:07

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। घर-परिवार के कार्यों के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। भागदौड़ रहेगी। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धन प्राप्त हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मिथुन
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कुंभ
अपने महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। व्यक्तिगत खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्य योजनानुसार सम्पन्न हो सकते हैं। मनःस्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मीन
मनःस्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त हो सकते हैं। दिनचर्या व्यवस्थित होने लगेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 07 प्रभात जयपुर, रविवार 7 अगस्त, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

'Those who inspired me didn't always feature on posters'

Pullela Gopichand, 48, has been an outstanding player and coach – rare in the world of sport, who has coached Saina Nehwal and PV Sindhu.

Scenic Bollywood Movies | Yeh mera India! I love my India!!!!

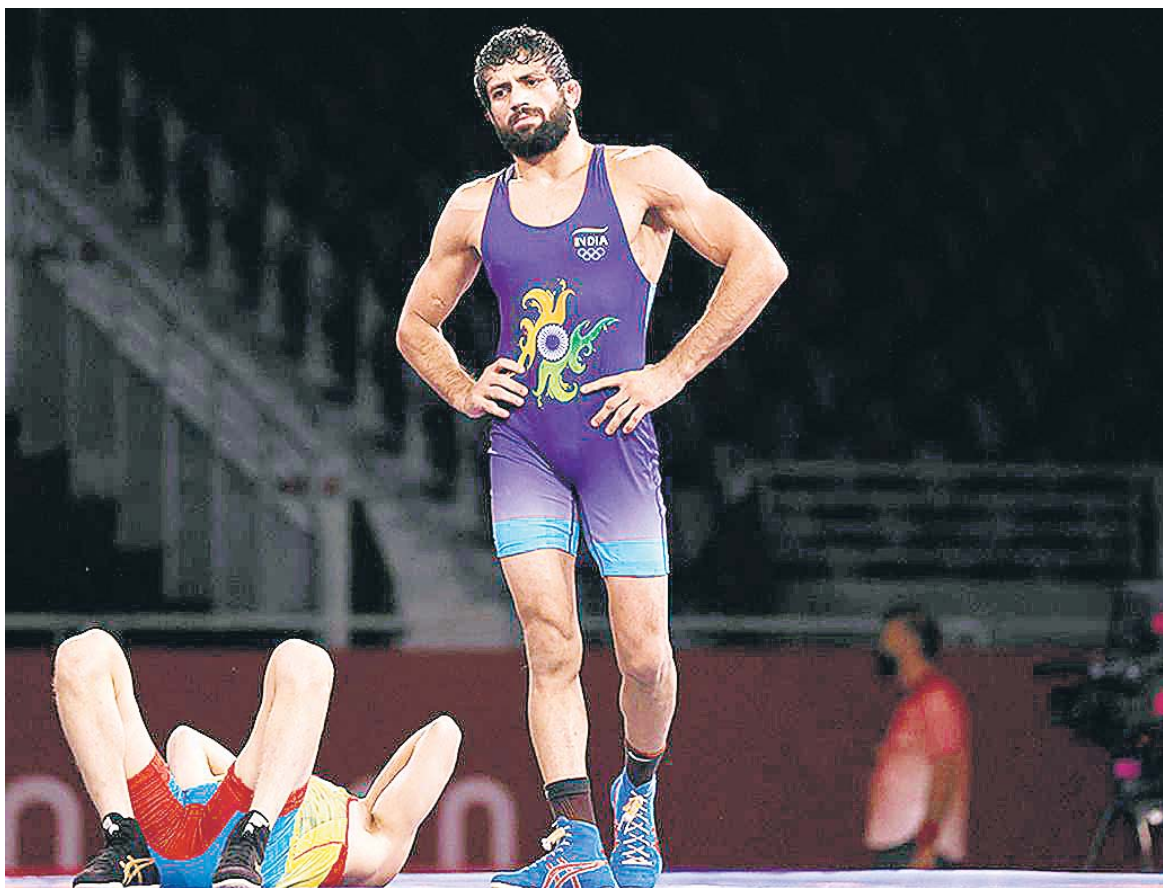

टोक्यो ओलंपिक के सिल्वर मैंडलिस्ट रवि दहिया ने कॉमनवैल्थ गेम्स में भी भारत का गौरव बढ़ाया है। रवि दहिया ने कुश्ती के पुरुष 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। रवि ने 57 किग्रा फाइनल में नाइजीरिया के वेल्सन एबीकेवेनिमो को तकनीकी श्रेष्ठता से हराकर स्वर्ण पदक जीता। कॉमनवैल्थ गेम्स में तीन बार के पदक विजेता वेल्सन मुकाबले की शुरुआत में रवि को पॉइंट स्कोर करने का कोई मौका नहीं दे रहे थे, लेकिन रवि ने अंततः उनके पैंरों को जकड़कर पॉइन्ट्स की झड़ी लगा दी और कॉमनवैल्थ गेम्स में अपना पहला स्वर्ण हासिल किया। इसके अलावा पहलवान पूजा गहलोत ने 50 किग्रा के कांस्य पदक के लिए खेले गये मैंच में स्कॉटलैण्ड की क्रिस्टेल लेमोफेक को मात दी।

जगदीप धनखड़ भारत के उपराष्ट्रपति निर्वाचित

धनखड़ को 528 वोट मिले, इतने वोट तो उपराष्ट्रपति के चुनाव में कृष्ण कांत, भैरोंसिंह शेखावत, हामिद अंसारी, वेंकैया नायडू को भी नहीं मिले थे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। भारत ने अपना नया उपराष्ट्रपति चुन लिया है। वह है राजस्थान के झुंझुनूं के मूल निवासी जगदीप धनखड़।

जगदीप धनखड़ को एन.डी.ए. प्रत्याशी के रूप में 528 वोट मिले, जबकि विपक्ष की मारग्रेट अल्वा के खाते में 182 वोट गए।

इस चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण बात पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का वोटिंग में भाग ना लेने का निर्णय था। यह आश्चर्यजनक था क्योंकि जब धनखड़ पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे तब वह ममता के सभी कार्यों राजनीतिक निर्णयों में हस्तक्षेप किया करते थे और मुख्यमंत्री ने उनसे पीछा छुड़ाने के भरसक प्रयास किये थे।

और अन्ततः जब उन्हें वहां से हटाकर उपराष्ट्रपति पद के लिए मोदी की पसंद के रूप में चयनित किया गया, तब भी ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) ने उनके खिलाफ वोट नहीं किया। वास्तव में उनकी पार्टी ने एक भी वोट नहीं डाला। इससे इन अटकलों को बल मिला है कि उन्होंने मोदी के साथ कोई सौदेबाजी कर ली है। ममता के 34 सांसदों ने वोट नहीं डाला।

धनखड़ राजस्थान विधानसभा में विधायक रहे और फिर केन्द्र की चन्द्रशेखर सरकार में मंत्री रहे। वह एक बार लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं।

राज्यसभा में उनका प्रवेश पहली बार होगा क्योंकि वह कभी इसके सदस्य नहीं रहे।

चुनाव के पीठासीन अधिकारी उत्पल सिंह द्वारा उनकी जीत की घोषणा कर उन्हें सर्टिफिकेट देने के बाद उम्मीद है कि प्रधानमंत्री उनसे भेंट कर उन्हें जीत की बधाई देंगे।

अब लोकसभा और राज्यसभा दोनों के संचालन प्रमुख राजस्थान से हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- उपराष्ट्रपति चुनाव का एक रहस्यमय पहलू रहा ममता बनर्जी की भूमिका। हालांकि, उन्होंने धनखड़ को प. बंगाल के राज्यपाल के पद से हटाने के लिए ऐड़ी से चोटी तक का जोर लगा लिया, राज्यपाल के रूप में धनखड़ की भूमिका से तंग होकर, पर अंत में धनखड़ का जाना तय हो गया तो उन्होंने धनखड़ के खिलाफ वोट नहीं किये।
- उनके इस निर्णय को प्र.मंत्री मोदी के नज़दीक जाने का संकेत माना गया।
- धनखड़ की राजनीतिक यात्रा काफी रोचक रही है। पहले वे जनता दल में थे, फिर कांग्रेस से जुड़े और अन्ततोगत्वा भाजपा से नाता जोड़ा व प. बंगाल के राज्यपाल नियुक्त हुए।

केन्द्रीय सरकार व तमिलनाडू लेई-देई में फंसे जी.एस.टी. के मसले पर

निर्मला सीतारमन ने भाजपा की केन्द्रीय सरकार की ओर से मोर्चा संभाला, तमिलनाडू के वित्त मंत्री पी.टी.आर. ने पलट वार किये

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। अर्थशास्त्र या कहें कि अर्थव्यवस्था की सार-सँभाल तथा इश्यू वेलफेयर अर्थशास्त्र तमिलनाडु को केन्द्र के साथ सीधे टकराव की स्थिति में ले आया है।

संसद में महँगाई पर हुई बहस के दौरान, डी.एम.के. सदस्य कनिमोई की ओर से की गई आम आदमी के उपयोग में आने वाली जरूरी चीजों पर जी.एस.टी. लगाये जाने की आलोचना तथा तमिलनाडु के वित्त मंत्री द्वारा दिये गये पेट्रोलियम उत्पादों पर सैन्ट्रल एक्साइज में कटौती के सुझाव के दंशों से पीड़ित केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तमिल भाषा में जवाब दिया, उन्होने इसे राज्य का पाखंड बताया क्योंकि वह जी.एस.टी. पर हुए निर्णयों में शामिल है पर बाहर आकर इसकी आलोचना कर रहा है। केन्द्र द्वारा की गई एक्साइज कटौती की याद दिलाते हुए, सीतारमण ने पूछा कि आम आदमी को राहत देने के लिये तमिलनाडु वी.ए.टी. (वैट) में कमी क्यों नहीं कर सका। उन्होंने चुनावी वादों को पूरा नहीं करने के लिये तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी की कटु आलोचना की। उसके बाद, तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ हमलों की भी शुरुआत कर दी।

भाजपा नेताओं का कहना है कि जहाँ केन्द्र ने पेट्रोल तथा डीज़ल की एक्साइज ड्यूटी में क्रमशः 14.50 रू. तथा 17 रू. की बड़ी कटौती कर दी है, वहीं राज्य सरकार ने वैट में मात्र 3 प्रतिशत कटौती की है तथा केन्द्र को जन-कल्याण पर भाषण दे रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- निर्मला सीतारमन ने पहला वार किया, यह कह कर कि, तमिलनाडू, जी.एस.टी. की बैठक में तो सभी प्रस्तावों पर सहमति जताता है, पर बैठक से बाहर आकर उन निर्णयों की कड़ी आलोचना करता है।
- तमिलनाडू के वित्त मंत्री पी.टी.आर. ने प्रत्युत्तर में कहा कि, जिस तरह का ''वोटिंग सिस्टम'' है जी.एस.टी. काउन्सिल में, उसमें 30 प्रतिशत वोटिंग राइट्स केन्द्रीय सरकार के पास रहते हैं, बाकी सभी राज्यों में बांटे जाते हैं, राज्य सरकार की आवाज में कुछ दम नहीं होता।
- पी.टी.आर. ने यह भी कहा कि, निर्मला सीतारमन, तमिलनाडू पर ताना मारती हैं कि, राज्य सरकार पैट्रोल व पैट्रोलियम उत्पादों पर टैक्स घटाने को तैयार नहीं, आम आदमी को रिलीफ देने के लिये। पर, वे (निर्मला सीतारमन) भूल जाती हैं कि, केन्द्रीय सरकार ने गत सात साल से पैट्रोल, डीज़ल पर टैक्स में कई बार बढ़ोतरी की है, जबकि तमिलनाडू सरकार ने एक बार भी टैक्स नहीं बढ़ाया।
- पी.टी.आर. ने यह भी कहा कि, जब से जी.एस.टी. व्यवस्था लागू हुई है, राज्य सरकारों के पास आमदनी का कोई और स्रोत नहीं रह गया है, अतः वे पैट्रोल पर टैक्स कम करके, अपने आर्थिक साधन कितना घटा दें।

रिलायंस बनाम सेबी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को अपने एक फैसले में सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड (एस.ई.बी.आई.) ऑफ इंडिया की खिंचाई की क्योंकि उसने न्यायमूर्ति (सेनि) बी. एन. श्रीकृष्ण की राय के कुछ अंशों की ''चैरी-पिंकिंग की थी, जबकि उस सूचना को प्रकट करने के लिये इनकार कर दिया गया था, जो रिलायंस इन्डस्ट्रीज लिमिटेड (आर.आई.एल.) को दोष मुक्त किये जाने से सम्बन्धित थी।

यह केस उस याचिका से सम्बन्धित है, जो सुप्रसिद्ध चार्टर्ड अकान्टेंट एस.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2002 में एस. गुरूमूर्ति की शिकायत पर दर्ज केस में रिलायंस के पक्ष में फैसला सुनाया और सेबी को कड़ी फटकार लगाई व कहा कि, रिलायंस को जस्टिस बी.एन. कृष्णा की राय के सभी दस्तावेज उपलब्ध करवाए।

पूर्व मु.मंत्री पलानीस्वामी ने डी. एम. के. की पूर्ण बागडोर संभाली

पर पलानीस्वामी व पनीरसेल्वम की, पार्टी पर एकाधिकार की लड़ाई ने भाजपा का रास्ता साफ किया, तमिलनाडू में प्रवेश करने का

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। तमिलनाडू की मुख्य विपक्षी पार्टी ए.आई.ए.डी.एम.के. अर्थात अन्नाद्रमुक जिस पर पूर्व मुख्यमंत्री एडापड्डी पलानिस्वामी ने कब्जा कर लिया है, की आपसी लड़ाई ने सत्तारूढ़ डी.एम.के. को एक तरह से खुली छूट दे दी है।

विपक्षी ए.आई.ए.डी.एम.के. के सबसे बड़े दो नेताओं एवं पूर्व मुख्यमंत्रियों पलानिस्वामी और ओ. पनीर सेल्वम (ओ.पी.एस.) के बीच एक-दूसरे को खत्म करने की लड़ाई का खात्मा पलानिस्वामी के पार्टी पर अपना पूर्ण नियंत्रण स्थापित करने और अपने शत्रु को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से हटाने के साथ हुआ।

पार्टी से निष्कासन होने के बाद ओ.पी.एस. पार्टी का पूर्ण नियंत्रण पलानिस्वामी को सौंपने वाली पार्टी की कार्यवाहियों को रद्द करवाने के लिए एक के बाद एक कोर्ट का दरवाजा खटखटाते रहे हैं। उनका अंतिम विधिक कदम गुरूवार को सुप्रीम कोर्ट की शरण लेना था, जिसमें उन्होंने मद्रास हाई कोर्ट के उस निर्णय को पलटने की मांग की जिसके तहत ए.आई.ए.डी.एम.के. मुख्यालय का स्वामित्व पलानिस्वामी को दे दिया गया था। वास्तव में मद्रास हाई कोर्ट ने अपने एक अलग आदेश में ए.आई.ए.डी.एम.के. की जनरल काउन्सिल की एक मीटिंग करने की भी अनुमति प्रदान की थी जिसमें ओ.पी.एस. को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अन्ततः निष्कासित कर दिया गया और ई.पी.एस. को ए.आई.ए.डी.एम.के. अंतरिम महासचिव चुन कर उन्हें पार्टी का पूर्ण नियंत्रण सौंप दिया गया था।

पार्टी के समन्वयक एवं अपने विरोधी ओ.पी.एस. को पार्टी से बाहर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भाजपा के इस प्रयास को मजबूती मिल रही है, नये प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई की सक्रियता से।
- अन्नामलाई, कर्नाटक कैडर के आई.पी.एस. अफसर हैं तथा तमिलनाडू में आम जनता को छूने वाले मामलों को पुरज़ोर ढंग से उठा रहे हैं।
- केन्द्र में भी भाजपा की ही सरकार है, इससे अन्नामलाई का काम कुछ आसान हो जाता है, छोटी-छोटी पार्टियों का डी.एम.डी.के. से गठबंधन कराने में।
- जैसा कि विदित ही है, गत लोकसभा चुनाव में तमिलनाडू की 39 सीटों में से एक को छोड़कर सभी सीटों पर डी.एम.के. ने जीत हासिल की थी। अब अगर भाजपा छोटी-छोटी पार्टियों से गठबंधन कर, एक सशक्त विकल्प प्रस्तुत करती है डी.एम.के. का, तो वाकई में अन्नामलाई की भारी सफलता मानी जायेगी।

पानी निकासी

सुजानगढ़ , 6 अगस्त (निसं)। गैनाणी से ताल की ओर पानी निकासी के लिए डाली गई पाईप लाईन के बार-बार लीकेज की समस्या को दूर करने के लिए नगरपरिषद द्वारा शीघ्र ही नई पाईप लाईन डाली जायेगी। नगरपरिषद आयुक्त कमलेश कुमार मीणा ने बताया कि गैनाणी से ताल में पानी छोड़ने के लिए 45 साल पहले, वर्ष1977 में पाईप लाईन डाली गई थी, जो बार बार लीक हो रही थी, और इससे कभी भी भारी समस्या आ सकती थी। प्रशासन आपदा के तहत 70 से 75 लाख रु. तक एस्टीमेट बनाकर टेंडर निकाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- 45 साल पहले पानी निकासी के लिए डाली गई पाइप लाईन के ऊपर बना लिए मकान, लीकेज से आया घरों में पानी, अब 75 लाख रूपये की लागत से नगर परिषद डालेगी नई पाईप लाईन।

प्र.मंत्री व गृह मंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं, वरूण गांधी की ''अठखेलियों'' पर ध्यान न दें?

हाई कमान का शायद मानना है कि, वरूण गांधी के खिलाफ कार्यवाही करने से बेवजह मेनका गांधी के भाजपा में प्रवेश व मंत्री के रूप में भूमिका चर्चा का विषय बनेगी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। अक्खड़ स्वभाव के भाजपा नेता वरूण गांधी, जो तीन बार लोकसभा सांसद रहे हैं, द्वारा अपनी पार्टी, सरकार तथा नेतृत्व के खिलाफ किए गए कटाक्षों तथा अनेक बार की गई कटु निन्दा के बावजूद सत्तारूढ़ भाजपा किसी प्रकार के उकसावे में नहीं आ रही हैं। उनका नवीनतम निशाना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं जिनके विपक्ष पर किए गए ''रेवड़ी'' कटाक्ष पर वरूण ने तीखी टिप्पणी की जो चर्चा का विषय बन गई है।

पीलीभीत सांसद वरूण गांधी ने अपनी सरकार पर तीखा व्यंग्य उस समय किया, जब भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने संसद में कहा कि जनता को मुफ्त राशन देने के लिये सरकार को बधाई दी जानी चाहिये। पिछले पाँच सालों में डूबत ऋण की बहुत बड़ी राशि, जिसे ''राइट ऑफ'' (माफ) कर दिया, की तुलना मुफ्त राशन देने से करते हुये, वरूण ने हिन्दी में ट्वीट किया, ''जो सदन गरीबों को 5 किलो राशन मुफ्त देने के लिये ''धन्यवाद'' की अपेक्षा करता है, वही सदन यह भी बताता है कि पिछले पाँच सालो में 10 लाख करोड़ रू ऋण को माफ कर दिया गया है।

वरूण आगे कहते हैं, ''मुफ्त रेवड़ी'' वाली सूची में सबसे ऊपर मेहुल चोकसी तथा ऋषि अग्रवाल के नाम है। सरकारी फंड पर पहला अधिकार किसका है?''

उनकी इस पोस्ट के साथ ही, वित्तराज्य मन्त्री भागवत के. कराड़ द्वारा संसद में पेशस किये गये आँकड़े भी दिये हुये हैं।

निशिकान्त दुबे ने अभी हाल ही में लोकसभा में कहा था कि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने के लिये मोदी सरकार को बधाई दी ही जानी चाहिये।

प्रधानमंत्री ने पिछले माह उस समय एक उपद्रव खड़ा कर दिया था, जब उन्होंने ''रेवड़ी कल्चर'' के खिलाफ जनता को चेतावनी दी थी।

उत्तर प्रदेश में एक एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करने के बाद, जन समुदाय को सम्बोधित करते हुये, मोदी ने कहा था, कि मुफ्त चीजें देने के वादों पर वोट माँगने की राजनैतिक दलों की प्रवृत्ति देश के लिये खतरनाक हो सकती हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, भाजपा हाई कमान के इस अभय दान का भरपूर ''लाभ'' उठा रहे हैं वरूण गांधी।
- उन्होंने नवीनतम खिल्ली, प्र.मंत्री मोदी के राजनीतिक दलों की ''रेवड़ी सभ्यता'' के खिलाफ दिये गये भाषण की उड़ाई।
- वरूण गांधी ने भाजपा सांसद निशीकांत दुबे द्वारा संसद में दिये भाषण को लक्ष्य बनाकर कहा, ''वे (निशीकांत दुबे) चाहते हैं, भारत की जनता प्र.मंत्री का आभार माने कि 80 करोड़ लोगों को 5 किलो राशन फ्री बंटवाया।
- वरूण ने कहा कि, इसी दौरान केन्द्रीय सरकार ने 10 लाख करोड़ रूपये के ऋण माफ किये, मित्र उद्योगपतियों के।

धमोरा गांव का लाडला

गुढ़ागौड़जी, 6 अगस्त (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती गांव धमोरा की जाखड़ों की ढाणी का दुष्यंत सिंह जाखड़ थाईलैंड के नाखोन-पथोम शहर में वॉलीबाल आयोजित होने वाले सात दिवसीय ए.वी.सी. कप में भारतीय पुरुष टीम का नेतृत्व करेगा। भारत की19 सदस्यीय टीम शुक्रवार को कोलकाता के नेताजी सुभाषचंद्र बोस एयरपोर्ट से थाइलैंड के लिए रवाना हुई।

भारतीय वॉलीबाल महासंघ के सचिव अनिल चौधरी ने ए.वी.सी. कप में भाग लेने वाली भारतीय टीम की घोषणा की थी। यह टीम थाइलैंड में दुष्यंतसिंह जाखड की कप्तानी में चैम्पियन बनने के लिए दमखम दिखाएगी। दुष्यंत का परिवार भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- धमोरा गांव के दुष्यंत सिंह जाखड़ थाईलैंड में हो रही ए.वी.सी. कप वॉलीबॉल में भारतीय टीम के कप्तान बनाए गए हैं।

एसएमएस अस्पताल से अपहृत मासूम दिव्यांश सकुशल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

आरोपी हेमेन्द्र के घर में 4 बेटियां थी, बेटे की चाहत में उसने 1 माह तक रैकी के बाद 4 महीने के दिव्यांश को चुराया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल के बांगड़ यूनिट से चोरी किए गए 4 महीने के मासूम बच्चे को जयपुर पुलिस ने सकुशल दस्तयाब कर लिया है। 3 दिन बाद पुलिस ने बच्चे को शिप्रा पथ इलाके के रीको इंडस्ट्रियल एरिया की पवन विहार कॉलोनी से दस्तयाब किया है। बच्चे को किडनैप करने वाले आरोपी राजू उर्फ हेमेंद्र निवासी नदबई (भरतपुर) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हेमेंद्र के घर में 4 बेटियां थी, और बेटा नहीं था। ऐसे में बेटे की चाहत में हेमेंद्र ने करीब 1 महीने तक रैकी करने के बाद 4 महीने के दिव्यांश को सवाई मानसिंह अस्पताल से चुरा लिया।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अजयपाल लाम्बा ने बताया कि आरोपी ने वारदात को अंजाम को अंजाम देने के लिए कई दिन तक दिव्यांश के परिजनों की मदद की और उन्हें विश्वास में लिया। चार दिन पहले बांगड़ अस्पताल में मौका देख कर वह बच्चे का किडनैप कर फरार हो गया। 3 दिन तक आरोपी ने इस बच्चे को अपने घर पर छुपाए रखा। अचानक से महेश नगर थाने के कांस्टेबल भीम सिंह को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जयपुर शहर के अस्पताल से गायब हुआ 4 महीने का मासूम दिव्यांश शिप्रापथ के रीको इंडस्ट्रियल एरिया के पवन विहार कॉलोनी में एक मकान में देखा गया है। सूचना पर कांस्टेबल भीम सिंह खुद अकेला कॉलोनी में पहुंचा और आरोपी के बारे में सूचना जुटाना शुरू कर दिया। सूचना पुख्ता हो जाने के बाद कांस्टेबल भीम सिंह ने महेश नगर थाने की मदद से आरोपी को बच्चे के साथ रंगे हाथों दबोच लिया। जब वह आरोपी के घर पर पहुंचा तो बच्चा सकुशल उसके परिजनों की गोद में खेल रहा था।

पुलिस ने मासूम के अपहर्ता हेमेन्द्र को गिरफ्तार कर बालक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

- **महेश नगर थाने के कांस्टेबल भीम सिंह ने मुखबिर की मदद से दिव्यांश का पता लगाया, सूचना पुख्ता होते ही आरोपी को दबोच लिया**
- **6 माह से बच्चे के अपहरण की योजना बना रहा था आरोपी, सिंधी कैंप बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर भी कोशिश की, लेकिन सफल न हो सका**
- **पुलिस इस पूरे प्रकरण में आरोपी हेमेंद्र के परिवार की भूमिका भी जांच रही है, ऐसे में बाकी लोगों की गिरफ्तारी भी हो सकती है।**

पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी राजू उर्फ हेमेंद्र पिछले 6 महीने से अपने लिए एक बच्चे की किडनैपिंग करने की योजना बना रहा था। उसे बच्चे की चाहत थी। ऐसे में सिंधी कैंप, रेलवे स्टेशन पर भी आरोपी ने बच्चा किडनैप करने की योजना भी बनाई थी। लेकिन इस योजना में आरोपी फेल हो गया। मौका देख कर आरोपी सवाई मानसिंह अस्पताल से ये बच्चा चोरी करने में कामयाब हो गया। हालांकि इस पूरे प्रकरण में हेमेंद्र के परिवार की भूमिका को लेकर भी पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। किडनैपिंग के इस प्रकरण में परिवार की भूमिका पाए जाने पर अन्य लोगों को भी पुलिस गिरफ्तार कर सकती है। पुलिस ने बच्चे को सकुशल दस्तयाब कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। उधर बच्चे के मिलने की सूचना मिलने पर परिवार दौसा से जयपुर पहुंचा। बच्चे के दादा कालू, दादी सहित अन्य परिवारजन कमिश्नरेट पहुंचे। पुलिस ने बच्चे को परिवार को सुपूर्द कर दिया। जिसके बाद परिवार खुश नजर आया। बच्चे को पाकर परिजनों की आंखें खुशी से भीग गई।

एडि. कमिश्नर (फर्स्ट) अजय पाल लाम्बा ने बताया कि आरोपी हेमेंद्र उर्फ राजू (29) मूलतः नदबई, भरतपुर का रहने वाला है। वह मानसरोवर इलाके में किराए से रहकर दिहाड़ी मजदूरी के लिए रोज मानसरोवर वीटी रोड चौराहे पर जाता था। पिछले चार दिन से वह चौराहे पर नहीं आ रहा था। बच्चा चोरी करने के बाद वह किसी से मिल भी नहीं रहा था।

हॉस्पिटल से बच्चा चोरी के बाद आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ। तलाश के लिए आमजन को बच्चा चोर का हुलिया जारी किया गया। हुलिए के आधार पर पुलिस को आरोपी राजू के बारे में पता चला। पुलिस ने शनिवार सुबह राजू के मोबाइल नंबर वीटी रोड चौराहे पर खड़े होने वाले उसके साथियों से लिया था। कॉन्टैक्ट करने पर राजू ने खुद को गांव में होने की जानकारी दी। पुलिस ने लोकेशन निकलवाई तो वह जयपुर की आई। राजू के घर पुलिस ने शनिवार शाम करीब 4 बजे दबिश दी। घर में दिव्यांश उसकी मां-पत्नी की गोद में खेलता मिला। राजू और बच्चे को पुलिस थाने ले आई। जांच में सामने आया है कि आरोपी के परिवार में बच्चे की जरूरत थी। इसके चलते उसने एसएमएस हॉस्पिटल से बच्चा दिव्यांश चुराया था।

ज्ञात रहे कि दरअसल, दौसा के कालूराम ने पोते आयुष को 24 जुलाई बांगड हॉस्पिटल को भर्ती करवाया था। उसकी रीढ़ की हड्डी में परेशानी है। इस दौरान मदद के बहाने आरोपी भी कालूराम के साथ हो गया। वो उन्हें खाना लाकर देता था, अस्पताल में दवाई लाना और अन्य काम में मदद करने लगा। बच्चे के दादा-दादी को कॉन्फिडेंस में लिया। बुधवार को खाना खाने के दौरान दादा ने 4 माह के दिव्यांश को आरोपी को दे दिया। इसी का फायदा उठा फरार हो गया।

28 साल तक शिक्षक ने नौकरी की, अब सरकार ने चयन ही अवैध माना

- **याचिका में कहा कि विभाग में कई बार अभ्यावेदन देने के बाद भी उसे नियमित नहीं किया गया**
- **सेवानिवृत्ति के बाद उसे पेंशन परिलाभ नही दिये गये तो उसने हाईकोर्ट में याचिका पेश की**
- **अदालत ने बीकानेर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला शिक्षाधिकारी को हाजिर होने के आदेश दिये**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक की सेवानिवृत्ति के बाद उसके चयन को अवैध मानने पर बीकानेर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला शिक्षाधिकारी को तीस अगस्त को हाजिर होने के आदेश दिए हैं। जस्टिस इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश रामस्वरूप शर्मा की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति 24 अप्रैल, 1990 को बीकानेर जिला परिषद में हुई थी। विभाग में कई बार अभ्यावेदन देने के बाद भी उसे नियमित नहीं किया गया। वहीं जून, 2018 को वह जयपुर के दूदू से सेवानिवृत्त हो गया। जब उसे पेंशन परिलाभ नहीं दिए गए तो उसने हाईकोर्ट में याचिका पेश की। इस पर सुनवाई करते हुए गत दिनों अदालत ने विभाग से जवाब मांगा था। इसके जवाब में विभाग ने कहा कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति पूर्ण रूप से अस्थाई तौर पर हुई थी। शिक्षक ने अप्रैल 199 को जिला स्थापना समिति को अध्यापक चयन के लिए आवेदन किया, लेकिन संवीक्षा रिपोर्ट पर प्रभारी अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं होने तक उसकी बीएसटीसी की डिग्री की जांच रिपोर्ट नहीं होने के कारण उसका चयन नहीं किया गया। वहीं बाद में उसका तबादला बीकानेर से जयपुर में हो गया। ऐसे में रिकॉर्ड के अभाव में आगे की कार्रवाई नहीं हो पाई। इसके अलावा जयपुर से इस संबंध में कोई प्रस्ताव नहीं आने के कारण जिला स्थापना समिति, बीकानेर द्वारा चयन की कार्रवाई नहीं की गई। जवाब में यह भी कहा गया कि याचिका दायर करने के बाद विभाग ने याचिकाकर्ता के डिप्लोमा की जांच के लिए कमेटी गठित की। कमेटी को संबंधित संस्था ने बताया कि प्रयागराज हाईकोर्ट के वर्ष 2004 के आदेश पर संस्था का रिकॉर्ड सीज होने के कारण याचिकाकर्ता की अंकतालिका का सत्यापन नहीं हो पाएगा। वहीं कमेटी को राष्ट्रीय पत्राचार संस्थान, कानपुर की रजिस्ट्रार गीता मिश्रा ने बताया कि संस्थान ने याचिकाकर्ता को उपाधि नहीं दी है।

ऐसे में जिला स्थापना समिति ने गत दो अगस्त को याचिकाकर्ता के प्राइमरी टीचर प्रमाण पत्र को वैध नहीं मानते हुए उनका स्थायीकरण नही करने का निर्णय लिया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला शिक्षाधिकारी को हाजिर होकर जवाब देने को कहा है।

राज्यपाल बैठक में सम्मिलित हुए

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र शनिवार को राष्ट्रपति भवन में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर ली गयी बैठक में सम्मिलित हुए।

पहले से काम कर रहे अधिकारी को राहत दी हाईकोर्ट ने

जयपुर, (का.सं.)। जल संसाधन विभाग में खंडीय लेखाकार के पद पर प्रयागराज से प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी ने पद ग्रहण कर लिया, लेकिन राज्य सरकार ने इस पद पर पहले से ही काम कर रहे अधिकारी का तबादला नहीं किया। मामला हाईकोर्ट में आने पर अदालत ने अब पहले से काम कर रहे अधिकारी को पद पर बने रहने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने निदेशक राजकोष और महालेखाकार सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश यशवंत सिंह की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता भावना चौधरी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता अधिशासी अभियंता जल संसाधन, सीकर में खंडीय लेखाकार के रिक्त पद का काम देख रहा है। कार्यालय महालेखाकार राजस्थान ने गत 2 फरवरी को एजी कार्यालय प्रयागराज के अधीन अलीगढ़ में पदस्थापित भरत सिंह को याचिकाकर्ता के पद पर प्रतिनियुक्ति दे दी। वहीं याचिकाकर्ता का दूसरी जगह तबादला भी नहीं किया। इस संबंध में जल संसाधन विभाग ने निदेशक लेखाकार को पत्र लिखकर याचिकाकर्ता के संबंध में मार्गदर्शन भी मांगा था। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता के पद पर अन्य अधिकारी की प्रतिनियुक्ति दर्शाती है कि महालेखाकार कार्यालय ने बिना दिमाग लगाए मशीनी अंदाज में आदेश पारित किया है, जो नियम विरूद्ध है।

कीर्ति नगर को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि., जयपुर
क्रः S.P. 01 **आम सभा की सूचना** दि.05.08.2022
समिति के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक आमसभा दिनांक 16.08.2022 को प्रातः 11.00 बजे समिति कार्यालय :- बी-14, द्वितीय तल, सेन्ट्रल मार्केट, बापूनगर, जयपुर पर आयोजित की जायेगी, जिसका एजेण्डा निम्नानुसार है :- 1. गत आमसभा की पुष्टि। 2. समिति की गत वर्षों की ऑडिट का अनुमोदन एवं ऑडिट अनुपालना पर विचार। 3. विभाग द्वारा जारी संशोधित उपनियमों को अंगीकार करने पर विचार। 4. अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से। अतः समिति के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त समय पर आम सभा में उपस्थित होवे।
मंत्री
कीर्ति नगर को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि., जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त
राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त अलवर
क्रमांक-981 दिनांक-2.8.2022
आवश्यक सूचना मूलतः आवास संख्या 6/36 एन.ई.बी. 82, योजना, अलवर जो कि श्री जे.सी. शर्मा को आवंटन पत्रांक 2200 दिनांक 18.09.1990 के द्वारा आवंटित किया गया था। जिसका कब्जा मण्डल से दिनांक 03.12.1990 को प्राप्त कर लिया गया था। श्री जे.सी. शर्मा की मृत्यु दिनांक 27.10.2016 को हो जाने के कारण मृत्यक के उत्तराधिकारी श्री अनिरूद्ध शर्मा पुत्र श्री जगदीश चन्द शर्मा ने पंजीकृत हकत्याग एवं शपथ पत्रों के आधार पर स्वयं के नाम मृत्यु उपरान्त आवास का नाम हस्तानान्तरण कराने हेतु आवेदन किया है। श्री अनिरूद्ध शर्मा द्वाराआवास का अपने नाम मृत्यु उपरान्त नाम हस्तानान्तरण कराने हेतु शुल्क एवं आवश्यक प्रपत्र प्रस्तुत कर दिये गये है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 6/36 एन.ई.बी.82 योजना अलवर के संबंध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें। अन्यथा श्री अनिरूद्ध शर्मा पुत्र श्री जगदीश चन्द शर्मा के पक्ष में आवास का नाम हस्तानान्तरण की कार्यवाही की जावेगी।
उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-अलवर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री कैलाश चंद नापित निवासी-330, कटेवा नगर, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर द्वारा अपने छोटे बेटे अरूण सेन को उसके बुरे व्यसनों तथा परिवारजन के साथ दुर्व्यहार के कारण अपने परिवार से रिश्ता खत्म कर अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया गया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कार्य के लिये मेरा अभिभाष्य एवं उसका परिवार उत्तरदायी नहीं रहेगा। सूचित रहें।
एल.पी.सिंघल, एडवोकेट, मो.नं. 9314521489

आम सूचना
मैं तेजमल माली पुत्र श्री हरिनारायण माली, निवासी बन्थली। यह घोषणा करता हूँ कि मेरे चचेरा भाई स्व. नन्दराम माली पुत्र श्री बजरंग लाल माली, निवासी बन्थली ने दिनांक 15.02.2022 को अपनी चल व अचल सम्पत्ति मेरे नाम वसीयत कर दी है। जिसमें जमीन जो कि वाके ग्राम बन्थली में ख.नं. 441, 442, 456, 461, 462, 463, 464, 465, 469, 584, 675, 676, 677, 735, 736, 96 कुल किता 16 कुल रकबा 3.0200 हैक्टेयर में से 1/12 हिस्सा, ख.नं. 1080, 1081, 2394/1081 कुल किता 3 कुल रकबा 0.9300 हैक्टेयर में से 1/12 हिस्सा, ख. नं. 681, 682, 734 कुल किता 3 कुल रकबा 0.6800 हैक्टेयर में से 5/72 हिस्सा, उक्त सम्पत्ति उनके स्वयं की अर्जित सम्पत्ति है। उक्त तीनों जमीनें व मकान जो कि वाके ग्राम बन्थली में स्थित हैं, कानूनन मैं अपने नाम नामातंरण करवा रहा हूँ। इस संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो सक्षम अधिकारी के समक्ष मय साक्ष्य के 7 दिवस के भीतर अपना उज्र कार्यालय तहसील दूनी, जिला टोंक को दर्ज करवा देवें अन्यथा बाद गुजरने मियाद कोई उज्र मान्य नहीं होगा।
जरिए, एडवोकेट, (के.वी. सिंह)

खोया पाया
कृष्णापुरी गृह निर्माण सहकारी समिति जयपुर द्वारा जारी मूल पेमेन्ट रसीद एवं साईट प्लान गुम गये। जो प्लाट नं. 37, कृष्णा कॉलोनी, सुशीलपुरा, जयपुर के थे। संपर्क-सरोज शर्मा-9828123992

शंकर भवन गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना कैलाशपुरी के भूखण्ड संख्या 39 के मूल सोसायटी पट्टा, रसीद, साइट प्लान गुम हो गए है मिलने पर सूचित करें- जगदीश सैनी मो.-9511528251

कांग्रेस ने बनाई तीन सदस्यीय कमेटी

जयपुर, (का.प्र.)। जालौर जिले में आश्रम के रास्ते को लेकर हुए विवाद के बाद एक संत की आत्महत्या के मामले में प्रदेश कांग्रेस की ओर से कमेटी बनाई गई है जो इस पूरे मामले की जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को पेश करेगी।

कमेटी में मंत्री रामलाल जाट, अर्जुनसिंह बामनिया और भूराराम सिरवी सचिव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी को शामिल किया गया है।

कांग्रेस का कहना है कि जालौर जिले के भीनमाल से भाजपा विधायक पूराराम चौधरी की ओर से जालौर जिले के जसवंतपुरा क्षेत्र के बाल हनुमान आश्रम के संत रविनाथ को परेशान किया गया। इस कारण संत रविनाथ को आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ा। यह पूरी घटना समाचार पत्रों में प्रकाशित हुई है, जिसकी तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को प्रस्तुत करने हेतु राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है जो जालौर जाकर वस्तुस्थिति एवं घटना के कारणों की रिपोर्ट से प्रदेश कांग्रेस कमेटी को शीघ्रातिशीघ्र अवगत करवायेगी।

गुजरात की तीन विधानसभाओं में कांग्रेसजनों से चर्चा की भाया ने

जयपुर, (का.प्र.)। आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए राजस्थान कांग्रेस के कई मंत्री और विधायकों सहित अन्य नेताओं को अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारियां दी गई हैं। इन्हीं जिम्मेदारियों के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से खान एवं गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया को गुजरात राज्य की तीन विधानसभाओं का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। जिम्मेदारी मिलने के बाद मंत्री भाया ने गुजरात पहुंचकर तीन विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसजनों की बैठक ली।

मंत्री भाया द्वारा गुजरात पहुंचकर उनके प्रभार वाली राजकोट शहर के तीन विधानसभा क्षेत्र राजकोट ईस्ट (68), राजकोट वेस्ट (69) एवं राजकोट साउथ (70) के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर राय-मशविरा किया गया। मंत्री प्रमोद जैन भाया के साथ बारां-अटरू विधायक पानाचंद मेघवाल भी गुजरात राज्य के राजकोट शहर की इन तीनों विधानसभाओं की कमाल संभाल रहे है।

मंत्री प्रमोद जैन भाया तथा विधायक पानाचंद मेघवाल गुजरात की राजकोट शहर विधानसभा की तीनों सीटों से आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस प्रत्याशियों को विजयी बनाने के लिए चुनावी रणनीति बनाने में पूरी तरह से जुटे हुए हैं।

सराफ ने किया वृक्षारोपण

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 133 वसुंधरा कॉलोनी में वृक्षारोपण किया। सराफ ने स्थानीय लोगों के साथ शीशम, आम, गुलमोहर एवं अशोक के पेड़ लगाये। सराफ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति एक पेड़ जरूर लगाएं और एक साल तक उसकी देखभाल करें फिर वही पेड़ जीवन भर आपको ऑक्सीजन देगा। स्थानीय पार्षद रमेश सैनी ने बताया कि सभी लोगों ने संकल्प लिया कि पेड़ लगाएंगे और उसकी देखभाल जरूर करेंगे।

नाम परिवर्तन
मैं अभय देव शर्मा पुत्र ओम प्रकाश शर्मा जन्म दिनांक 13.06.1964 पता-जेएनयू विश्वविद्यालय जगतपुरा के पास 1224, बी-6, वृन्दु गार्डन जयपुर में मेरा नाम बदल कर अभय शर्मा रख लिया है। (शपथ पत्र दिनांक 5.8.2022 स्थान जयपुर)

I have changed my name from Parmanand to Parmanand Somani S/o Shri Kishan Chand Somani Residing 4 gauraksha Nagar, Model Town, Jagatpura, Jaipur 302017 (Rajasthan)

लम्पी स्किन बीमारी को जल्द नियंत्रित करने के लिए केन्द्र हर संभव मदद करेगा : रूपाला

जयपुर, (का.सं.)। केन्द्रीय पशुपालन मंत्री पुरूषोतम रूपाला ने कहा कि मवेशियों में फैल रही लम्पी स्किन डिजीज की रोकथाम के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर गंभीर प्रयास कर रही है और जल्द ही इसे नियंत्रित करने में सफल होंगे। उन्होंने बीमारी से बचाव के लिए राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों को संतोषजनक बताते हुए केन्द्र से हर संभव मदद करने के लिए आश्वस्त किया। रूपाला शनिवार को यहां शासन सचिवालय में राज्य सरकार के मंत्रियों तथा विभागीय अधिकारियों के साथ प्रदेश में लम्पी स्किन डिजीज की स्थिति एवं रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा कर रहे थे।

- **राज्य सरकार संक्रमण रोकने के लिए पूरी गंभीरता से प्रयासरत हर स्तर पर की जा रही है प्रभावी मॉनिटरिंग : लालचंद कटारिया**

केन्द्रीय पशुपालन मंत्री ने कहा कि इस वायरस जनित बीमारी को फैलने से रोकने के लिए पूरी क्षमता के साथ प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो पशु इससे सक्रंमित हो गए हैं, उन्हें स्वस्थ पशुओं से अलग रखें और स्वस्थ पशुओं का वेक्सीनेशन कराएं। इसके लिए डेडिकेटेड आइसोलेशन सेंटर भी बनाए जाएं, ताकि संक्रमण रोकने में मदद मिले और चिकित्सा एवं देखभाल करना आसान हो। उन्होंने कहा कि इस बीमारी से बचने के लिए गोट पॉक्स वेक्सीन पूरी तरह कारगर है। अति प्रभावित क्षेत्र में 3 एम.एल. के डोज का उपयोग करें और कम प्रभावित एवं अप्रभावित क्षेत्र के पशुओं को 1 एम.एल. का डोज लगाएं।

केन्द्रीय मंत्री रूपाला ने वेक्सीन एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के साथ प्राथमिकता से फंड देने के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एस.डी.आर.एफ. का तुरंत प्रभाव से उपयोग करना शुरू करें और केन्द्र सरकार से जहां अनुमति की आवश्यकता हो तो शीघ्र प्रस्ताव बनाकर भिजवाएं। उन्होंने कहा कि राज्य की सभी मांगों का गंभीरता से आंकलन कर मदद की जाएगी। रूपाला ने राज्य सरकार की ओर से अलग गोपालन विभाग बनाने की पहल और गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए चलाई जा रही योजनाओं को प्रशंसनीय बताया।

पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने लम्पी स्किन डिजीज की रोकथाम के लिए राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराते हुए बताया कि इसके लिए पूरी गंभीरता के साथ प्रयास किए जा रहे हैं और हर स्तर से प्रभावी मॉनिटरिंग की जा रही है। स्वयं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की है और सभी को समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है और चिकित्सा दल मौके पर पहुंचकर गायों का उपचार कर रहे हैं। गौशालाओं में स्वच्छता एवं रखरखाव तथा मृत पशुओं को वैज्ञानिक विधि से निस्तारित करने के लिए अभियान के रूप में कार्य किया जा रहा है। किसान-पशुपालकों को जागरूक करने के लिए कृषि विभाग को भी जोड़ा गया है। जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाएं, भामाशाह और आमजन भी आगे आकर पूरा सहयोग कर रहे हैं।

केंद्रीय पशुपालन मंत्री पुरूषात्तम रूपाला ने शनिवार को शासन सचिवालय में राज्य सरकार के मंत्रियों तथा विभागीय अधिकारियों के साथ प्रदेश में लम्पी स्किन डिजीज की स्थिति एवं रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा की। इस दौरान राज्य के पशुपालन मंत्री लाल चंद कटारिया, गौपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया, सांसद रामचरण बोहरा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

रूपाला से मिले सांसद बोहरा

जयपुर। केन्द्रीय पशुपालन मंत्री पुरूषोतम रूपाला से जयपुर में सांसद रामचरण बोहरा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच व राजस्थान गोसेवा समिति के प्रतिनिधि मंडल द्वारा प्रदेश में गोवंश में फैल रही 'लम्पी स्कीन' बीमारी एवं गोवंश के संरक्षण के लिए केन्द्र से सहयोग करने की मांग की।

राजस्थान सरकार द्वारा संक्रमण रोकने के कोई प्रयास नहीं किए जा रहा व राज्य के मारवाड़ क्षेत्र में भयावह स्थिति बनी हुई है। गांवों में गोवंश मृत अवस्था में जगह-जगह पड़े हुए हैं। उक्त बीमारी की रोकथाम के लिए प्रदेश के संक्रमित क्षेत्र में कोरोन्टाइन सेंटर सरकार या निजी स्तर पर नहीं खोले गए, न ही वैक्सीनेशन हो रहा एवं उचित पशु चिकित्सा व्यवस्था के लिए संसाधन, डॉक्टर व वैटेनरी स्टॉफ भी पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं हैं। रूपाला ने प्रतिनिधि मंडल से कहा कि, राज्य सरकार द्वारा गोवंश में फैल रही लम्पी स्कीन बीमारी से संबंधित मांग किए जाने पर वैक्सीन, दवाईयां, सेन्टर खोलने व अन्य संसाधनों की सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए राज्य सरकार से बात की जाएगी। साथ ही प्रतिनिधि मण्डल ने मंत्री लालचंद कटारिया से भी इस बीमारी की रोकथाम के लिए प्रदेश के संक्रमित क्षेत्र में कोरोन्टाइन सेंटर सरकार या निजी स्तर पर खोलने, वैक्सीनेशन एवं उचित पशु चिकित्सा व्यवस्था के लिए संसाधन तथा डॉक्टर व वैटेनरी स्टॉफ उपलब्ध हो।

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि
श्रीमती मैना देवी सोनी
धर्मपत्नी श्री गिरधारी लाल सोनी निवासी कालाडेरा हाल निवासी ए-89, एसआरजी ग्रीन सिटी निमेडा रोड मुकुन्दपुरा भांकरोटा जयपुर का दिनांक 05.08.2022 को निधन हो गया है। जिसकी तीसरे की बैठक दिनांक 07.08.2022 को निज निवास पर 3.00 से 4.00 बजे तक रखी गई है।
शोकाकुल परिवार- गिरधारीलाल (पति), बाबूलाल, सुरेश कुमार, सत्यनारायण, राकेश कुमार (देवर), स्व. श्री विनोद कुमार मीनाकार (पुत्र), गौरव, सौरभ, करण (पौत्र) एवं समस्त थूगणर परिवार कालाडेरा वाले-8952089616, 8929531480

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

प्रारूप-5 (नियम 6(2) देखिए)
कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.
क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/2020-21 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-01.08.2022
श्रीमती तारा देवी धर्मपत्नी श्री बंशीधर जाति हरिजन निवासी वार्ड नं. 32 कचियागढ स्टेडियम के पास, कस्बा श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.32 अवस्थित अवस्थित भूखण्ड	चर्तु सीमाऐं पूरब में कचियागढ आश्रम परिसर, पश्चिम में आम रास्ता, उत्तर में प्लाट नं. 16, श्रीमती रामेश्वरी देवी पत्नी श्री प्रहलाद मल टेलर का एवं दक्षिण में प्लाट नं. 18 आवास श्रीमती कमला देवी पत्नी कन्हैयालाल टेलर का होकर स्थित है।	भूखण्ड आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप उत्तर-दक्षिण 30'-11" पूरब-पश्चिम 50'-4" होकर कुल रकबा 144.56 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि मे के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 01.08.2022 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
(पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
(राजस्व द्वितीय प्रकोष्ठ)
क्रमांक-एफ-6()उपा.राज.-द्वितीय (शा.प्र.)/ननिज/2022/1111 दिनांक- 28.06.2022
सार्वजनिक सूचना मूल भूखण्ड संख्या 139, गुरूनानकपुरा, आदर्श नगर, जयपुर का रिहेबिलिटेशन डिपार्टमेंट, जयपुर द्वारा श्री खजान चन्द के नाम से क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज भूमि का आवंटन किया गया था। श्री खजान चन्द द्वारा उक्त भूखण्ड को श्री प्रकाश चन्द (धूडिया) परनामी को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र द्वारा बेचान किया गया। श्री प्रकाश चन्द धूडिया द्वारा भूखण्ड संख्या 139, गुरूनानकपुरा, आदर्श नगर, जयपुर क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज की वसीयत बराबर-बराबर अपने दोनों पुत्रों 1. श्री अरविन्द कुमार धूडिया 2. श्री संजय जिप्पी धूडिया के पक्ष में रजिस्टर्ड वसीयतनामा निष्पादित की गई। श्री प्रकाश चन्द धूडिया की मृत्यु उपरान्त आवेदकों द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड विक्रय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रति, रजिस्टर्ड वसीयतनामा, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा 1. श्री अरविन्द कुमार धुडिया 2. श्री संजय जिप्पी धुडिया पुत्रान स्व. श्री प्रकाश चन्द धूडिया के पक्ष में क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण जारी किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने बाबत किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, राजस्व-द्वितीय) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय) नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक शिक्षा (विधि)
ब्लाक-7, भूतल, शिक्षा संकुल परिसर, जे.एल.एन. रोड, जयपुर
Email: jprdeolegal@gmail.com Phone No. 0141-2700285
क्रमांक-जिशिअ/प्राशि/विधि/जय/2022-23/6252 दिनांक-05.08.2022
सीमिति निविदा सूचना
श्रीमान निदेशक महोदय प्रारंभिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर के पत्रांक शिविस/प्रार/बजट/बी-1/9520/2022-23/67 दिनांक 18.07.2022 की अनुपालना में स्थानीय कार्यालय में दो कम्प्यूटर (ऑल इन वन) एवं दो प्रिन्टर (ऑल इन वन) जैम पोर्टल (GEM PORTAL) की दरों के आधार पर खरीद हेतु प्रतिष्ठित एवं अनुभवी सेवा प्रदाताओं से दरें आमंत्रित की जाती है। निविदा दरें बंद लिफाफे में दिनांक 22.08.2022 को दोपहर 1.00 बजे तक प्राप्त की जाकर इसी दिनांक को 3.00 बजे उपापन समिति के सदस्यों एवं उपस्थित निविदा दाताओं के सामने खोली जायेगी।

क्र.स.	सामग्री का नाम	मात्रा	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	निविदा खोलने की तिथि
1	Desktop Computer (All in one)	02	140000	2800	22.08.2022	22.08.2022
2	Printer (Lesser) (All in one)	02				

उक्त निविदा सूचना http://sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर देखी जा सकती है। निविदा फार्म (तकनीकि एवं वित्तीय) निविदा शर्तें एवं सामग्री सूची मय Technical Specification के उक्त पोर्टल से Download किये जा सकता है।
जिला शिक्षा अधिकारी, प्रारंभिक शिक्षा (विधि) जयपुर

कार्यालय विकास अधिकारी पंचायत समिति मौजमाबाद जिला जयपुर राज.
क्रमांक-पंसमौ/2022-23/521-524 दिनांक-03.08.2022
निविदा सूचना संख्या 05/2022-23
मनरेगा योजनान्तर्गत पंचायत समिति मौजमाबाद के अधीन ग्राम पंचायतों की सहज दृष्टया दिवारों पर वॉल पेंटिंग कार्य की व्यवस्था हेतु सेवाओं का उपापन के लिए निम्न विवरणानुसार निर्धारित प्रपत्र में मोहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित वार्षिक लागत	बोली धरोहर राशि	निविदा शुल्क	अनुबंध अवधि	निविदा विक्रय की तिथि	निविदा विक्रय की अंतिम तिथि	निविदा जमा की तिथि एवं समय	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	बैंक/डी.डी. पर संबोधन
1	वॉल पेंटिंग नारा लेखन कार्य पंचायत समिति मौजमाबाद के अधीन 21 ग्राम पंचायतों में दिवारों पर वॉल पेंटिंग नारा लेखन	5.00	10000	500रु.	1 वर्ष	3.8.22 समय 11 बजे से	10.8.22 समय 11 बजे से	10.8.22 समय 12 बजे तक	10.8.22 समय 2 बजे तक	विकास अधिकारी पंचायत समिति मौजमाबाद

बोली से संबंधित शर्तो एवं अन्य विवरण निविदा प्रपत्र पंचायत समिति कार्यालय में निविदा शुल्क नगद जमा करवाकर प्राप्त किया जा सकता है। कार्यालय समय में कार्यालय में एवं वेबसाइट gttp//:sppp.raj.gov.in पर देखा जा सकता है व केवल कार्यालय द्वारा जारी निविदा प्रपत्र ही मान्य होगा। UBN NO.-ZJP2223WSOB01307, NIB-ZJP2223A0513
विकास अधिकारी
पंचायत समिति मौजमाबाद जयपुर

पेट्रोल की बोतल लेकर राजस्थान विवि. में पानी की टंकी पर चढ़े तीन छात्रनेता

छात्रसंघ चुनाव की तारीख आगे बढ़ाने की मांग पर अड़े, देर रात तक नीचे नहीं उतरे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। छात्रसंघ चुनाव की तारीख आगे बढ़ाने की मांग को लेकर शनिवार को राजस्थान यूनिवर्सिटी में एबीवीपी से जुड़े 3 छात्र माही हॉस्टल के पास बनी पानी की टंकी पर चढ़ गए। पेट्रोल की बोतल हाथ में लेकर छात्र देर रात तक टंकी में ही बैठे रहे। उन्हें नीचे उतारने के लिए यूनिवर्सिटी प्रशासन के साथ पुलिस की टीम देर रात तक प्रयास में जुटी रही। सिविल डिफेंस की टीम भी नीचे सुरक्षा का इंतजाम करती दिखी।

दरअसल, छात्र नेता नरेंद्र यादव, मनु दाधीच और राहुल मीणा शानिवार दोपहर करीब सवा एक बजे पानी की टंकी पर चढ़े। तीनों छात्रों के हाथ में पेट्रोल की बोतले थी। उन्होंने अपने गले में रस्सी का फंदा लगाकर टंकी की रेलिंग से बांध लिया। पानी की टंकी के नीचे आपदा राहत टीम ने सुरक्षा के इंतजाम किए गए। अपने समर्थकों के साथ टंकी पर चढ़े छात्र नेता नरेंद्र यादव ने कहा कि जब तक सरकार 100 प्रतिशत एडमिशन की प्रक्रिया पूरी नहीं कर लेती, तब तक छात्रसंघ चुनाव नहीं होने चाहिए। क्योंकि ऐसा करने से लोकतंत्र के महापर्व में छात्र शामिल नहीं हो सकेंगे। अगर सरकार ने फिर भी ऐसा किया तो हम आत्मदाह कर लेंगे, पीछे नहीं हटेंगे। हमारे साथ जबरदस्ती की गई तो हम आत्महत्या कर लेंगे लेकिन पीछे नहीं हटेंगे। दरअसल, राजस्थान सरकार ने प्रदेश में 26 अगस्त को छात्र संघ चुनाव का ऐलान किया है। लेकिन प्रदेश में अब तक एडमिशन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। ऐसे में एबीवीपी और एनएसयूआई दोनों ही छात्र संगठनों द्वारा सरकार से चुनाव की तारीख आगे बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन पिछले दिनों उच्च शिक्षा मंत्री राजेंद्र यादव ने 26 अगस्त को ही चुनाव कराने का बयान दिया था। जिसके बाद छात्रों ने सरकार के खिलाफ विरोध शुरू कर दिया है। पिछले 3 दिनों से एबीवीपी जहां यूनिवर्सिटी कैंपस में धरना दे रही है। वहीं सरकार के खिलाफ आज एबीवीपी के समर्थक छात्र पानी की टंकी पर चढ़ गए।

छात्रसंघ चुनाव की तारीख आगे बढ़ाने की मांग को लेकर शनिवार दोपहर एबीवीपी से जुड़े 3 छात्र माही हॉस्टल के पास बनी पानी की टंकी पर चढ़ गए।

- छात्रों ने खुद के गले में फंदा लगाकर रैलिंग से बांधा, मांगे नहीं मानने पर सुसाइड की धमकी दी

युवक का दिनदहाड़े अपहरण कर फिरौती मांगने वाले बदमाश दबोचे

- आरोपियों ने युवक को जान से मारने की धमकी देकर परिजनों से 59 हजार रुपये अपने खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर करवाये
- शिवदासपुरा पुलिस ने नाकाबंदी कर आरोपियों को दबोचा, दोनों के बीच आपसी लेनदेन का है विवाद

जयपुर (कासं)। शिवदासपुरा इलाके में चार बदमाशों ने दिनदहाड़े युवक का अपहरण कर लिया। इसके बाद उसके परिजनों को फोन कर बेटे को जान से मारने की धमकी देकर 59 हजार रुपये ऑनलाइन भी ट्रांसफर करवा लिये। इसी बीच शिवदासपुरा पुलिस ने लोकेशन ट्रेस कर अपहरणकर्ताओं को शनिवार दोपहर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के चुंगल से युवक को सुरक्षित छुड़ा लिया है।

डीसीपी (साउथ) योगेश गोयल ने बताया कि किडनैपिंग के मामले में आरोपी मुरारी (21) पुत्र सीताराम जाट निवासी बाडा पदमपुरा शिवदासपुरा, लोकेश (25) पुत्र नारायण सिंह निवासी हनुमानवास लक्ष्मणगढ अलवर, अशोक गुर्जर (20) पुत्र उदयभान गुर्जर निवासी समसपुर बीराना महुआ दौसा और शिवराज गुर्जर (20) पुत्र हरकेश निवासी टोडाभीम करौली को गिरफ्तार किया है। गत 5 अगस्त को शिवदासपुरा निवासी राजेश कुमार मीना ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उसके भाई मस्तराम का बाइक पर आए चार बदमाश किडनैप कर ले गए है। वह अपनी बुआ के लड़के राजेन्द्र और मस्तराम के साथ गोनेर खाना खाने जा रहे थे। दो बाइक पर सवार चार लड़के उनका पीछा कर रहे थे। गोनेर रोड पर बाइक आगे लगाकर उन्हें रोक लिया। मारपीट कर मस्तराम को बाइक पर ही किडनैप कर ले गए।

पुलिस ने बताया कि किडनैपिंग की सूचना पर पुलिस ने नाकाबंदी कराई। कुछ देर बाद ही परिजनों को कॉल कर रुपयों की डिमांड की गई। रुपए नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। डर के मारे परिजनों ने 59 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर भी करे। पुलिस से बचने के लिए किडनैपर बार-बार अपनी लोकेशन बदते रहे। पुलिस ने लोकेशन के आधार पर दबिश देकर किडनैप मस्तराम को सुरक्षित मुक्त करवाया। पुलिस ने अपहणकर्ता चारों बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी लोकेश का परिचित मस्तराम से रुपए मांगता था, इसलिए लोकेश ने अपने साथियों के साथ मिलकर रैकी कर किडनैपिंग की वारदात को अंजाम दिया।

कचरा फैलाया या पोस्टर लगाया तो दर्ज होगा मुकदमा

जयपुर (कासं)। कचरा फैलाने और सार्वजनिक दीवारों पर बैनर-पोस्टर लगाकर शहर को गंदा करने वाले लोगों के खिलाफ ग्रेटर नगर निगम प्रशासन एफआईआर दर्ज कराएगा। 7 व 8 अक्टूबर को जयपुर में होने वाले 'इन्वेस्ट राजस्थान समिट' को देखते हुए कमिश्नर महेन्द्र सोनी ने यह निर्णय किया गया है। खुद आयुक्त महेंद्र सोनी ने अपील की है कि छात्र संघ चुनावों में अवैध होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टर नहीं लगाएं। उन्होंने अधिकारियों को पूरे मामले की निगरानी के निर्देश दिए हैं।

समिट के दौरान जयपुर शहर के सौन्दर्यकरण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर निगम अधिकारी चर्चा कर चुके हैं। समिट के दौरान माकूल सफाई व्यवस्था, सड़क का रखरखाव, पेन्ट कम्पाउण्ड वॉल का रिपेयर/पेंट, गेन्ट्री, साइनबोर्ड का रखरखाव, फुटपाथ का रखरखाव, नगर निगम द्वारा संधारित रोड लाइट का रखरखाव करने के निर्देश जारी किए है। गौरतलब है कि आयुक्त महेंद्र सोनी कई बार "इन्वेस्ट राजस्थान समिट" के रूट का दौरा कर अफसरों को सौन्दर्यकरण, रखरखाव के लिए कह चुके है।

डाक विभाग के 300 कर्मचारियों ने जयपुर में निकाली तिरंगा यात्रा

जयपुर, (का.सं.)। भारतीय डाक विभाग जयपुर नगर मण्डल की ओर से आज राजधानी जयपुर में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान को लेकर प्रभात फेरी एवं तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस तिरंगा यात्रा को चीफ पोस्टमास्टर जनरल, राजस्थान परिमण्डल शैलेन्द्र दसोरा एवं जयपुर नगर मण्डल की प्रवर अधीक्षक प्रियंका गुप्ता ने रवाना किया।

यह तिरंगा यात्रा जयपुर जी.पी.ओ. से शुरू होकर कमिश्नरेट, गवर्नमेंट प्रेस चौराहा, सी.पी.एम.जी. कार्यालय, चौमू हाउस सर्किल, बगड़िया भवन होते हुए स्टैच्यू सर्किल पहुंची। जहां पर यात्रा सभा के रूप में विसर्जित हुई। यह तिरंगा यात्रा सभी प्रमुख चौराहों पर रूकते हुए एवं हर घर तिरंगा, हर गांव तिरंगा, हर छत तिरंगा आदि अपील के साथ लगातार आगे बढ़ती रही।

इस प्रभात फेरी में जयपुर नगर मण्डल के विभिन्न डाकघरों के 300 से ज्यादा कर्मचारी एवं अधिकारी शामिल हुए। यात्रा का मुख्य ध्वज थामें एक महिला पोस्टमैन आगे-आगे चली जो इस तिरंगा यात्रा की प्रमुख आकर्षण केंद्र रही। वहीं सभी कर्मचारियों के हाथों में तिरंगा फहरा रहा था।

भारतीय डाक विभाग की प्रवर अधीक्षक प्रियंका गुप्ता ने बताया कि आम नागरिक ध्वज को जयपुर के किसी भी डाकघर से मात्र 25 रुपए में खरीद सकते हैं, साथ ही वह इसे घर बैठे भी प्राप्त कर सकते हैं , इसके लिए उन्हें विभागीय वेबसाइट में जाकर ई-पोस्टऑफिस पर जाकर अपना झण्डा बुक करना होगा, इसके बाद ऑनलाइन रूपए 25 रुपए का भुगतान करना होगा

डाक विभाग जयपुर नगर मण्डल द्वारा आयोजित इस यात्रा में सबसे आगे डाकिया को खड़ा किया गया था जो अपने संपूर्ण गणवेश में थे, इसके पीछे महिला कर्मचारी उनके पीछे अन्य कर्मचारी थे। यह सभी कर्मचारी सफेद टी-शर्ट एवं ब्लैक/ब्लू पैंट में तिरंगा लिए कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहे थे।

सांसदों के साथ लंपी संक्रमण रोकथाम पर चर्चा

नई दिल्ली/जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने शनिवार को कृषि भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी की अध्यक्षता में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ आयोजित प्रदेश के सांसदों एवं किसान जनप्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई।

इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की किसान हितैषी योजनाओं को अन्नदाताओं तक पहुंचाने एवं पश्चिमी राजस्थान के गोवंश में फैल रहे संक्रमण की रोकथाम को लेकर विस्तृत चर्चा की। इसके बाद केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी के यहाँ एनडीए उपराष्ट्रपति उम्मीदवार जगदीप धनखड के अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। डॉ. सतीश पूनिया ने नई दिल्ली मे भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद ओमप्रकाश माथुर से मिलकर कुशलक्षेम पूछी, और ईश्वर से उनके शीघ्र स्वस्थ होने और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

मंत्री खाचरियावास ने हिंगोनिया गौशाला पहुंचकर बीमार गायों की स्थिति देखी

जयपुर, (का.प्र.)। प्रदेश में लंपी वायरस के कारण बीमार हो रही गायों की बढ़ती संख्या को लेकर सरकार के अलर्ट के बाद खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने शनिवार को हिंगोनिया गौशाला का दौरा कर गौशाला में मौजूद 15 हजार गायों के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। खाचरियावास के साथ हिंगोनिया गौशाला में हेरिटेज नगर निगम मेयर मुनेश गुर्जर, पार्षद मनोज मुदगल एवं नगर निगम के अधिकारी और अक्षरधाम के लोग मौजूद रहे।

खाचरियावास ने कहा कि हिंगोनिया गौशाला में 41 गाये महामारी से पीड़ित होने के बाद में ठीक हो गई है। अब जो महामारी से पीड़ित गाय है, उन्हें अन्य गायों से अलग रखा गया है और उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर्स की टीम काम कर रही है और जिस ढंग से गाय ठीक हुई हैं, इस बीमारी को ठीक किया जा सकता है।

खाचरियावास ने प्रदेश के लोगों से अपील की है की लंपी बीमारी से पीड़ित गायों को स्वस्थ गायों से दूर रखा जाए तो इस बीमारी को फैलने से रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह बीमारी गायों से आदमी में नहीं फैलती है। इसलिए गौ सेवा करने के लिए लोग आगे आए। पशुओं के डॉक्टर गायों को दवाईयां देकर ठीक करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूरी सरकार गौ सेवा के लिए पूरी तरह से लगे हुए हैं, गायों के इलाज में कोई भी कमी नहीं आने दी जाएगी।

खाचरियावास ने कहा कि गौ माता हमारे धार्मिक रीति रिवाज का आधार है। भगवान कृष्ण की सबसे प्रिय गौ माता की पूजा की जाती है। ऐसे में जब गौमाता संकट में हैं तब सब लोगों को गौ माता की सेवा के लिए आगे आना होगा। खाचरियावास ने कहा कि हिंगोनिया गौशाला में डॉक्टर्स की टीम चौबीसों घंटे लगी हुई है। इस वक्त बीमार गायों की संख्या सिर्फ 14 है और उनमें भी काफी सुधार है।

खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने शनिवार को हिंगोनिया गौशाला का दौरा कर यहां मौजूद गौवंश के स्वास्थ्य की जानकारी ली।

पत्नी से अवैध संबंध बनाने वाले पड़ौसी की युवक ने हत्या की

जयपुर (कासं)। मुहाना गांव में 21 जुलाई को मृत मिले सब्जी व्यवसायी की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी बिपुल शील (31) मूलत: कूचबिहार, पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। वह हीरापथ मानसरोवर में किराए पर रहकर के हेयरकटिंग का काम करता है।

मामले के अनुसार 21 जुलाई को मुहाना गांव में पुलिस को एक व्यक्ति का क्षत-विक्षत हालत में शव मिला था। कई दिनों तक उसकी पहचान नहीं हो सकी। 5 अगस्त को उसकी पहचान हीरापथ निवासी श्याम सुंदर सिंधी के रूप में हुई। मृतक के भाई विनोद कुमार ने हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। रिपोर्ट में बताया कि उनका बड़ा भाई 16 जुलाई से लापता था, जिसकी गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में यह भी बताया कि उनके भाई के बाल काटने के लिए बिपुल आता था, वो भी कई दिनों से गायब है। मामले की तफ्तीश करते हुए पुलिस ने आरोपी बिपुल को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक सब्जी व्यवसायी श्याम सुंदर की बिपुल हेयरकटिंग करता था। जिससे दोनों में अच्छी जान-पहचान हो गई थी। श्याम सुंदर का पत्नी से करीब आठ साल पहले तलाक हो चुका था। तब से एकांत जीवन जी रहा था। बिपुल की करीब नौ महीने पहले शादी हुई थी और वह श्याम सुंदर के घर के नजदीक ही किराए पर रहता था। श्याम सुंदर के बिपुल की पत्नी के साथ संबंध बन गए। जिसका पता चलने पर बिपुल ने श्याम सुंदर की हत्या की साजिश रची। करीब तीन पहले पहले ऐश कराने के बहाने बिपुल श्याम सुंदर को सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल ले गया। वहां पर श्याम को उसपर संदेह हुआ तो फ्लाइट से जयपुर लौट आया। श्याम को शराब पीने की लत थी, इसी के चलते वह फिर से बिपुल के झांसे में आ गया और 16 जुलाई को उसके साथ मुहाना चला गया। वहां पर आरोपी ने उसे जमकर शराब पिलाई और फिर उसी के पायजामे के नाड़े से गला घोंटकर हत्या कर दी।

एलिवेटेड कॉरिडोर में विरासत का भी ध्यान रखा

जयपुर (कासं)। जोधपुर के एलिवेटेड कॉरिडोर प्रोजेक्ट को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में चर्चा हुई। स्थानीय सांसद और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर के ट्रैफिक के संदर्भ सामने रखे। शनिवार को नई दिल्ली में हुई बैठक के बाद शेखावत ने बताया कि एलिवेटेड कॉरिडोर प्रोजेक्ट के निर्माण में स्थानीय विरासतों का भी ध्यान रखा गया है, जिनसे संस्कृति और जनभावना जुड़ी हुई है। स्वयं केंद्रीय मंत्री गडकरी प्रक्रिया को निर्देशित कर रहे हैं। बैठक में केंद्रीय मंत्रियों के बीच जोधपुर रिंग रोड व भारत माला परियोजना के तहत बन रहे जोधपुर-अमृतसर-जामनगर व जैसलमेर तनोट-रामगढ़-भादासर-जैलसमेर राष्ट्रीय राजमार्ग को समय पर पूर्ण करने पर चर्चा हुई।

जोधपुर के वर्षों पुराने एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट को राज्य सरकार ने खारिज कर दिया था, लेकिन केंद्रीय मंत्री शेखावत के प्रयास से केंद्र सरकार ने करीब 1700 करोड़ रुपए मंजूर किए।

सरकार संवेदनहीन, तभी तो सरपंच धरने पर बैठे : राठौड़

जयपुर (कासं)। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि राज्य सरकार की हठधर्मिता एवं संवेदनहीनता का परिणाम है कि जयपुर में प्रदेशभर से आए धरने पर बैठे हजारों सरपंच ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री द्वारा 7 जिलों में मनरेगा के कार्यों में भ्रष्टाचार को लेकर सरपंचों की कार्यशैली पर सवाल उठाने से नाराज होकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

राठौड़ ने कहा कि पंचायती राज मंत्री का यह कथन कि मनरेगा में हुए भ्रष्टाचार की जांच से सरपंच क्यों डरते हैं, जांच के बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा, वह यह राय अपने आलाकमान को क्यों नहीं देते कि नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी व राहुल गांधी से पूछताछ के बाद ईडी की जांच से दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा।

राठौड़ ने कहा कि पंचायती राज मंत्री को मेरी सलाह है कि वह 7 जिलों में मनरेगा के कामों में हुए घोटालों की जांच के साथ ही सपोटरा व मंडरायल में मनरेगा कार्यों में मैटेरियल सप्लाई करने वाले फर्म की जांच करवाये ताकि भ्रष्टाचार की सच्चाई सबके सामने उजागर हो। राठौड़ ने कहा कि एक ओर गांवों के मुखिया धरने पर बैठे हैं।

वहीं दूसरी ओर गांव में विकास कार्यों को धरातल पर उतारने वाले कर्मचारी भी हड़ताल पर हैं जिससे गांवो के समस्त विकास कार्य अवरुद्ध हो गए हैं। राठौड़ ने कहा कि पंचायत मंत्री द्वारा मनरेगा में भ्रष्टाचार एवं अनियमितता को लेकर जो आरोप लगाये गये हैं अगर सही है तो उसे प्रमाणित करें वरना गांव की सरकार के मुखिया से क्षमा याचना करें। राठौड़ ने कहा कि देश की 70 प्रतिशत फीसदी आबादी गांवों में रहती है। सशक्त लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी ग्राम पंचायत होती है। यक्ष प्रश्न यह है कि सरपंच ही धरने पर होंगे तो फिर गांधीजी के ग्राम स्वराज का सपना कैसे पूर्ण होगा?

सार-समाचार

डॉ. रामगोपाल यादव का सम्मान किया

जयपुर। डॉ. राम गोपाल यादव प्रोफेसर, सी.टी सर्जरी विभाग, एस.एम.एस मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल को हाल ही में किए गए सफल हृदय द्वारा प्रत्यारोपण के लिए एफआईएफ- 2021 पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह के संयोजक मदन यादव, मुख्य अतिथि डॉ. चन्द्रभान (बीसूका उपाध्यक्ष), डॉ. करण सिंह यादव (पूर्व सांसद) अर्चना शर्मा मौजूद रहे।

चित्रकार चंद्रप्रकाश गुप्ता का सम्मान

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर के जाने-माने चित्रकार चंद्रप्रकाश गुप्ता को सत् पक्ष पत्रकार मंच के प्रथम स्थापना दिवस के उपलक्ष में राज्य कृषि प्रबंध संस्थान सभागार में आयोजित भव्य समारोह में प्रशस्ति पत्र व अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहन प्रकाश, वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चन्द छाबड़ा, महानगर टाइम्स के संपादक गोपाल शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

व्यर्थ याचिका दायर करने पर हर्जाना

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने व्यर्थ की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता पर 25 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। अदालत ने कहा है कि याचिकाकर्ता हर्जाना राशि संबंधित महिला को अदा करे और उसका साक्ष्य एक माह में अदालत में पेश करे। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश हीरालाल की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि एक अजनबी की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका के चलते महिला को असुविधा हुई है। ऐसे में याचिकाकर्ता उसे हर्जाना राशि दे। याचिका में कहा गया कि दोनों पांव से दिव्यांग याचिकाकर्ता संबंधित युवती के साथ चार साल से लिव इन रिलेशनशिप में रहता था। गत 5 जुलाई को युवती के पिता उसे अपने साथ जबरन ले गए। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने कोटपूतली थाने में शिकायत भी दी। ऐसे में युवती को बरामद कराया जाए। दूसरी ओर युवती के पिता की ओर से अधिवक्ता विकास कुमार जाखड़ ने कहा कि उसकी बेटी की सामाजिक प्रतिष्ठा खराब करने के लिए यह याचिका दायर की गई है। वहीं अदालती आदेश की पालना में युवती को अदालत में पेश किया गया। अदालत के पूछने पर महिला ने बताया कि वह कभी भी याचिकाकर्ता के साथ नहीं रही। इसके अलावा वह शादीशुदा है और अपने पति के साथ सुखपूर्वक रह रही है। वहीं उसे किसी ने जबरन भी नहीं रख रखा है।

पिछले चौबीस घंटों में छह सौ नए करोना संक्रमित मिले राजस्थान में

राज्य में शनिवार को सबसे ज्यादा 214 मरीज जयपुर में मिले हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में भारी वृद्धि होने लगी है। शनिवार को राज्य में शुक्रवार के मुकाबले 169 मामले बढ़ने के साथ ही 600 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर तीन हजार के पार हो गए हैं।

प्रदेश में जांचें बढ़ने के साथ ही करोना के मामले बढ़ने लगे हैं। शनिवार को 12 हजार 523 जांचों हुई। इस दौरान 25 जिलों में छह सौ नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शुक्रवार को 431 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में नए संक्रमितों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। पिछले चौबीस घंटों में यहां सर्वाधिक 214 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही जयपुर में संक्रमण की दर 9.41 फीसदी हो गई है। वहीं जोधपुर में आज 55, अलवर में 53, उदयपुर में 45, अजमेर में 38, दौसा में 27, चित्तौड़गढ़ में 25, कोटा में 18, नागौर व सीकर में 17, सिरोही व डूंगरपुर में 14-14, राजसमंद में 11, भीलवाड़ा में 9, जैसलमेर में 8, बीकानेर, धौलपुर, व झालावाड़ में 7-7, बाड़मेर में 4, बांसवाड़ा व सवाई माधोपुर में 3-3, भरतपुर, चूरू, हनुमानगढ़ व पाली में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

- जोधपुर में 55 तथा अलवर में 53 नए संक्रमित पाए गए हैं।

प्रदेश में पिछले कई दिनों से रिकवरी कम हो रही है। राज्य में शनिवार को भी केवल 191 मरीज ही ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर 3016 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 1057 मामले जयपुर जिले में हैं। इसके अलावा उदयपुर में 257 और जोधपुर में 222 मरीजों का इलाज चल रहा है। राज्य में शनिवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि इस बीमारी से अब तक 9589 लोगों की जान जा चुकी है।

राजधानी जयपुर में करोना संक्रमण का दायरा बढ़ता ही जा रहा है। इसके चलते शनिवार को 50 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 40 नए मरीज सांगानेर इलाके में पाए गए हैं। इसके अलावा मानसरोवर में 21, जमवारामगढ़ में 11, कोटपूतली में 10, जगतपुरा व मालवीय नगर में 8-8, वैशाली नगर में 7, दुर्गापुरा, गोपालपुरा व जौहरी बाजार में 5-5, आदर्श नगर, गोविंदगढ़, झोटवाड़ा, शास्त्री नगर व सोड़ाला में 4-4, बनीपार्क, रामगंज व सिरसी में 3-3, आमेर, आमेर रोड, बस्सी, ब्रह्मपुरी, धोलपुरा, जवाहर नगर, जौहरी बाजार व खातीपुरा में 2-2 तथा अजमेर रोड, अजमेरी गेट, बजाज नगर, बापूनगर, सी-स्कीम, चाकसू, सिविल लाइन, चौमू, गलता गेट, घाटगेट, हरमाड़ा, लालकोठी, राजपार्क, रन नगर, रेनवाल, सिरसी रोड, सुभाष चौक, तिलक नगर, टोंक फाटक और विद्याधर नगर में 1-1 नया मरीज मिला है। वहीं 23 संक्रमितों का पता सही नहीं मिला है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में सिर्फ 59 मरीज ठीक हुए हैं।

रेलवे शिकायतों को न्यूनतम करने के निर्देश

जयपुर। रेलवे बोर्ड के सदस्य ट्रेक्शन एवं रोलिंग स्टॉक डी. सी. शर्मा 2 दिवसीय दौरे कार्यक्रम पर उत्तर पश्चिम रेलवे पहुंचे। उन्होंने चल स्टॉक, इलेक्ट्रिफिकेशन व स्टोर मदों की समीक्षा की। दौरे में डायरेक्टर कोचिंग सुमन कुमार भी साथ थे।

मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार डी. सी. शर्मा प्रथम दिन जयपुर स्टेशन पर कोचिंग डिपो व रैक का निरीक्षण किया। इसके पश्चात् प्रधान कार्यालय में समीक्षा बैठक ली। समीक्षा बैठक में उत्तर पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबन्धक, गौतम अरोड़ा सहित यांत्रिक, इलेक्ट्रीक एवं भण्डार विभाग के विभागाध्यक्षों ने भाग लिया। शर्मा ने चल स्टॉक के उचित रख-रखाव, आगामी वन्दे भारत रैकों के लिए रख-रखाव सुविधा, हाई राईज ओ.एच.ई. से संबंधित परेशानियों, मेमू शैड के साथ ही मूलभूत तथा अत्यावश्यक सामानों की पूर्ति के लिए निर्देशित किया।

ARBiT
it happens here...

Professional Speakers Day

The soft squeal of the microphone can belly many different feelings when you are there to listen to someone speak on any number of topics. This is the day to embrace those that stand up on a stage and speak about any topic or information, educating and embracing the very nature they espouse. So help them celebrate Professional Speaker's Day by stepping up and learning something today by attending a seminar to see the pros at work.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
7 August 2022
A-B

#ENTERTAINMENT

Scenic Bollywood Movies

From picturesque locations across India to stellar landscapes abroad these films are the perfect geographical eye candy.

'3 Idiots'

We Indians are 'Jabra fan' of our very own Bollywood Hindi films. Whether it's a romantic drama, a comedy, a thriller or a periodical movie, we love them all. We love their characters, we laugh with them, we cry with them, then why not travel with them.

The exotic and beautiful locations in India can compete with any of the foreign locations. Many of the Bollywood movies have been shot at historic Indian cities and colourful small hamlets unveiling the beautiful Indian panorama on their 70 mm scale.

Bombay being the home to Bollywood is the obvious place to explore. Here are some Bollywood movies shot in different beautiful locations in India which even has given a new meaning to the tourism of 'Incredible India'.

1. 'Highway': plan a road trip from Delhi to Kashmir

Spiti Valley

A 'magnum opus' of Imtiaz Ali and Alia Bhatt is a retreat to eyes for people who love travelling. Shot at different locations of Aru valley, Kashmir; Spiti, Himachal Pradesh; Nurmahal, Punjab and Ajmer, Rajasthan, one can truly get mesmerized seeing different hues of our beautiful country.

2. '3 Idiots': can't resist to travel Ladakh

Shimla

An unforgettable story of 'three friends' aka '3 Idiots' is one of the reasons why Pangong Lake in Ladakh is so famous today. The number of tourists visiting this lake has almost grown more than double after release of this movie. This lake is definitely not a thing to miss but beware of the fragile ecosystem of this beautiful cold dessert and don't litter around. And who can forget the beautiful 'Mall road' and church of Shimla shown in this movie.

3. 'Jab We Met': I love mountains!!!

Manali

The adventures of 'Geet' take you on a tour to north India. Starting from Mumbai to fields of Punjab, further to Shimla, Manali and Rohtang Pass. She makes you fall in love with mountains. We just can't forget the beautiful mountains and culture of Himachal shown in song 'Ye ishq haye'.

4. 'Taal': A beautiful Himalayan Hamlet

Himachal Pradesh

Shot in picturesque locations of Chamba, the song 'Taal se taal mila' gives a travel goal to visit this small village in Himalayas and feel the essence of nature. The lush green landscape, surrounding mountains and drizzling monsoon what else can you ask for.

5. 'Ye Jawani Hai Deewani': Trekking with friends

Udaipur

This movie gives the ultimate life goal – enjoy the life to the fullest. Trek with friends to some ultimate destination like Himachal, plan a perfect wedding destination in place like Udaipur. This movie has made famous many of the travel destinations like 'Hidimba temple' in Manali and 'Bagore ki-Haweli' in Udaipur.

6. 'Jodha Akbar': the ultimate royal beauty

Rajasthan

This period drama has been shot in 'Amer Fort'. Situated in Gulabi Shaher 'Jaipur', this fort boasts a magnificent royal beauty. While your visit to Jaipur, you can also plan a visit to Hawamahal, Jantar Mantar and many more historical monuments.

7. 'Ranjhana': Banarasiya

Banaras

Which movie can explain the ghats and Mandir of Banaras better than this. The perfect Banarasi Pandit 'Kundan' adds to the glory of this movie urging to visit Banaras immediately.

8. 'Rang De Basanti': Colours of North

Naharagarh Fort

Showing true colours of Delhi, Punjab and Rajasthan, this movie portrays 'India Gate' and 'Swarna Mandir' like no other. Remember 'the jumping scene' and chasing the 'aeroplane scene', both have been shot in 'Nahargarh fort' near Jaipur and 'Doraha fort' near Ludhiana respectively, giving a new identity to these locations.

9. 'Golmaal Again': ultimate Ooty

Ooty

The fourth installment of Golmaal franchise has been shot in Ooty. The beautiful tea gardens in the songs of this movie are a reason enough to pack your bags and travel to Ooty. Many other movies including 'Sajan', 'Raaz' and 'Chaiya chaiya' song has been shot in Ooty revealing its multi hued beauty.

10. 'DilChahta Hai': Go Goa

Goa

This movie started a new trend - plan a trip to Goa with friends. The Aguada Fort aka 'Dil Chahta Hai' fort became a symbol of friendship. Goa has always been the party capital of India to which this movie added another charm.

'Jab We Met'

Pullela Gopichand.

'Those who inspired me didn't always feature on posters'

Pullela Gopichand, 48, has been an outstanding player and coach – rare in the world of sport. A former All England champion, he has been the chief national coach in badminton from way back in 2006. He has already coached two medallists in the Olympics, Saina Nehwal and PV Sindhu. Known to be somewhat of a control freak, Gopichand keeps harping on fitness and aggression. Total commitment too, naturally

Lokendra Pratap Sahi
Senior Journalist

#INTERVIEW

Pullela Gopichand, a big achiever who keeps a low profile, has been India's chief badminton coach from 2006. Surely, that has to be an international record!

As the Commonwealth Games are on, the Hyderabad-based Gopichand declined to answer two questions, but was generous with his time otherwise.

Excerpts...

Q: You're one of the few to have achieved mega success both as a player and, later, as a coach. Have you been conscious about sitting in a privileged club?

A: My journey in sport has indeed been somewhat unique. I'd never thought I'd go this far, whether as an athlete or even as a coach. In some ways, my taking up badminton as a career was accidental. To be honest, coaching also wasn't planned or by design. It happened... Maybe, the need of the players pushed me... Having come this far, I'll be failing in my duty if I didn't mention the contribution of officials who came to the airports/railway stations to either see off or to receive players. They did so for all, young and old, setting such a fine example in caring.

Q: Back in 2001, when you emulated Prakash Padukone by winning the All England Open Badminton Championships, the facilities weren't what they are. Besides the skill you possessed, what prepared you for the crowning moment of your career?

A: My own learning, through trial and error, helped. I was determined to achieve a higher level as a player. Later, that (trial and error) helped me during my innings as a coach.

Q: What, really, is the significance of the All England? How does it rate vis-à-vis the Olympics?

A: The All England has a history (is over 100 years old) and is for badminton what Wimbledon is to tennis. The World Championships came up and, then, badminton made it to the Olympics. Today, I'd place the Olympics higher than the All England and a medal there would be an aspiration for all players.

Q: Twenty-one years ago, what did it mean to you personally, and generally, to win the All England?

A: If I hadn't won the All England, I wouldn't have had a platform to work on a career as a coach... Wouldn't have had a platform for my Academy... My voice wouldn't have been heard... I wasn't mobbed on the streets, but life definitely did change. Overseas, I think, the respect for me and Indian badminton grew after that All England.

Q: The same day, Harbhajan Singh turned the Eden Test against Australia on its head. So, the newspapers had to do a balancing act between his hattrick and your win...

A: Indeed, lovers of sport club my All England success and Harbhajan's feat together. It was a terrific performance at the Eden and, when you talk of my All England win in the same breath, a great day for Indian sport... I've never thought cricket is competition, for that sport is way beyond in India, bigger than the rest. I'm plain happy where badminton is at this point in time. Back in 2001, I was happy with what I got (coverage in the Media).

Q: Early influences. Role model, perhaps?

A: Padukone has been an inspiration and role model for all of us. Had he not won the All England in 1980, then I don't think we, Indians, would have thought that could be achieved... I've also drawn inspiration from people around me. Whether my competitors or a George Thomas... Contemporaries like Rajiv Bagga. Some younger than me too.

Q: Also inspired by sportspersons away from badminton?

A: Certainly... Somebody like weightlifter Karnam Malleswari, who won bronze in the Sydney Olympics, a year before I brought home the All England trophy. Those who inspired me didn't always feature on posters.

Q: The transition from player to coach... What was the motivation?

A: A lot has happened in my life. I've learnt a lot from people, learnt from the process of trial and error. But in playing, learning and implementing... Playing, learning and failing... I actually lost a lot of time... When I won the All England, I realised what it took to be a world-class player. Whether it was about fitness, endurance, speed, aggression, mental strength, tactical aspect... I knew what it took to win at the highest level. Unfortunately, I didn't have the body to use that knowledge as I'd already had three knee surgeries prior to the All England win and another after winning. For one year after that All England, I had multiple foot injuries. So, while I wanted to keep winning, I didn't have the body. That realisation then pushed me towards coaching. Also, there were kids willing to listen and aim big. That was the motivation.

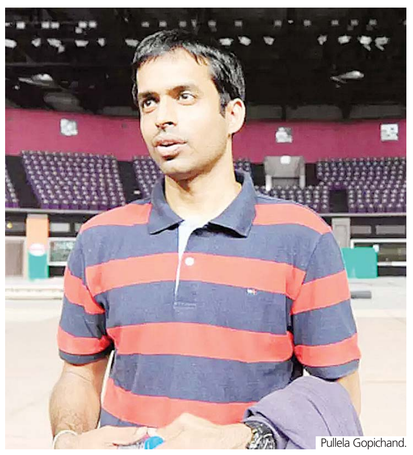

Pullela Gopichand.

Pullela Gopichand with PV Sindhu (left) and Saina Nehwal.

Q: Tough trying to achieve the same level as a coach?

A: It's one thing to be revered as a player after reaching a certain level, but when you start as a coach, then you've got to begin all over again. The aim, of course, is to help kids be good enough for the international level. I've been fortunate as many have helped me along the way.

Q: Any coach you've looked up to?

A: All who coached me have had a deep influence... Hamid Hussain, SM Arif, Gangula Prasad, the two Chinese coaches... Padukone... Today, when I come across a situation, I look back at my career and reflect on the coach who helped me in that phase. I'm lucky that I find the right references. So, when I began my career as a coach, I didn't have to look around for inspiration... Oh, yes, TPS Puri Sir has been a huge influence as well. The way he managed things away from the playing arena was most educative.

Q: Will you elaborate on discipline?

A: You need to love what you do, need to be passionate, need to be disciplined. You should be hungry for perfection at every level of the process... That has to be the extent of your involvement... It could relate to training to the maximum at every session, resting properly... You've got to get it right. When you're passionate, it just becomes an obsessive methodology to look for detail and perfection at each step of the process.

Q: The coach's involvement too must be to the maximum, isn't it?

A: I'm fully involved and I'd like my players to be in the same mode.

Q: We've dealt with discipline... In modern-day sport, especially, fitness has become paramount. Your take?

A: When we talk of the top players in the world, they've reached the position they occupy because of their physical ability. Badminton is primarily a physical sport. Speed, strength, endurance are key elements. While there could be many who're skillful, only those up there physically will make it to the top internationally.

Q: As a coach, are you rigid about the do's and don'ts?

A: Being flexible is critical. I use different methods to inspire, different methods to motivate. That's necessary as every player is different and could relate to things very differently. One size doesn't fit all.

Q: You've coached two Olympic medallists, Saina Nehwal and PV Sindhu. How different was your approach towards them?

A: Saina and Sindhu, indeed, are very different individuals. Saina has always kept pushing the bar and was first off the blocks to achieve success at the world level consistently. She has, therefore, been a great ambassador and flag bearer. Saina broke the glass ceiling in terms of getting Indian badminton up where it is... Sindhu had somebody to emulate. She's highly motivated, like Saina, and both are physically strong. To continue with similarities, both have a very good training methodology or discipline and are fierce fighters on court. Their work ethic is good. I wouldn't, however, compare Saina and Sindhu. Suffice to say both have had phenomenal wins in the biggest tournaments.

Q: As players, the difference between Saina and Sindhu?

A: Besides the fact that one is taller than the other, in subtle ways, both Saina and Sindhu are different. Their strengths are different.That's how it invariably is with top-level athletes.

Q: What should Saina do to regain consistency?

A: Saina has competed at the highest level for years and knows what it takes to win. To compete at the top, it's important that she regains fitness to, at least, a decent level. Even if Saina is 70 per cent fit, she can beat any top player in the world. She certainly has tough competition, be it Tai Tzu-ying, Chen Yufei, Akane Yamaguchi and Nozoma Okuhara. Saina has to be free of injuries.

Q: You've coached top male players as well. Easier managing them or the women players?

A: To generalise in any manner wouldn't be appropriate. Men and women... It's not a black-and-white situation as each individual is different.

Q: How good is Lakshya Sen?

A: Lakshya is phenomenal. When you look at his results, you'll see some big names having been beaten and laudable performances in the biggest tournaments – whether it be the World Championships, the All England or the Thomas Cup. Lakshya is only 20 and does have a brighter future ahead. He's great news for Indian badminton.

Q: There's always room to improve. How can Lakshya get better?

A: Lakshya is on the right track. Of course, he'll face challenges, with opponents reading him better. He won't get easy points and easy wins as opponents will analyse his game and focus suitably. Lakshya, however, is smart and will be able to figure out the challenges as and when they come.

Q: Well, the Thomas Cup is with India for the first time... That we'd be the champions never seriously figured in our thoughts...

A: The win, monumental as it is, has shown that Indian badminton is a lot more than just individuals. We needed to win this team trophy, to be counted as a strong nation in badminton. India won't be a team to reckon with by individuals winning tournaments. Years ago, when I was playing, to qualify for the Thomas Cup was in itself a big thing. To see this transformation is just wow! I recall in 1994, when I was a young player, we went unrepresented in the Commonwealth Games as we "didn't have a chance" to feature in the top six. The Government didn't give clearance... Since then, Indian badminton has come a long way. The journey from being refused clearance to being the Thomas Cup holders has been phenomenal. It's a tribute to the dedicated effort put in by various people at different times.

Saina Nehwal.

Q: You set up your Academy in Hyderabad in 2008, four years after you started to coach. It has consistently received rave reviews... Churning out champions must be giving immense satisfaction...

A: The Academy's journey, so to say, began with the belief that if I could be a player, so could many others. Yes, there's satisfaction, but I also feel I have a responsibility. That pushes me harder. Lack of infrastructure was a hurdle when I was an emerging player, not so now.

Q: Is India a powerhouse in-the-making in badminton?

A: We do have the potential. We need more depth and greater consistency from the players. I'd like to see podium finishes from our top names a lot more consistently in the biggest tournaments. That's when we'll become a powerhouse.

Pullela Gopichand during his playing days.

Q: Which other sport do you have a keen interest in?

A: I love football... Don't have a favourite, for every sportsperson puts in a lot of effort. Everyone has dreams to chase. However, the Federers and Nadals have been inspirational. Then, Lin Dan and Lee Chong Wei, passionate achievers both, have been inspirational as well.

Q: If it wasn't badminton, could you have attempted a career in football?

A: Don't know, for I was drawn to badminton at a very young age. But I could have worked towards a career in some other sport.

Q: You've mentioned inspirational sportspersons. Given that you've inspired so many, what have you learnt from badminton?

A: I'm sure many will say that whatever they are in life is because of the profession they chose. Whatever I've learnt is from badminton and the people who've been a part of my journey. Each day has been a fresh, enjoyable experience. Challenges have been there, but I've been blessed. I'm happy to be playing a part in improving players, seeing their success from close and celebrating their wins. Today, at 48, I'm in a nice place.

Q: Your message for the next generation...

A: To be good at in any profession, you need to spend insane hours. You also need to love what you've chosen, or else putting in so many hours and years will not be easy. My family has given me strength right through and I've been very fortunate that, whenever challenges came up, people around me helped in overcoming them. Be it as a player or as a coach, I've taken it one step at a time, given every step all the effort.

Q: Finally... Your wife, PVV Laxmi, is also an Olympian and was a national champion multiple times. Was this 'match' made on the courts?

A: (Laughs) We've known each other from childhood, but the decision to marry, in 2002, was made later in life. You could say it has been a 'match' made on the badminton court... Like the rest of my family, she has been a source of enormous strength.

writetoarbit@rashtradoot.com

PV Sindhu.

THE WALL

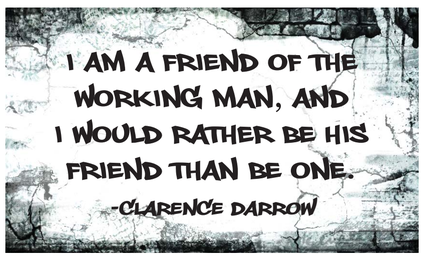

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

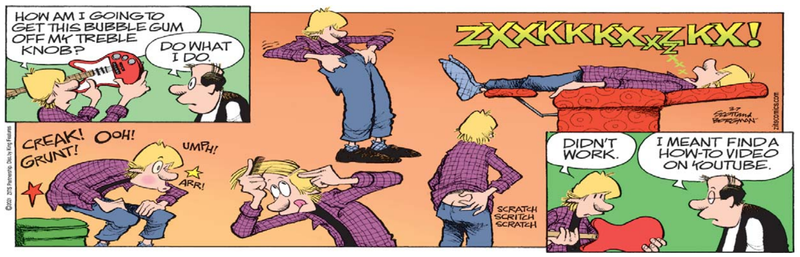

जेईई-मेन, उम्र और आवेदन क्रमांक ऑल इंडिया टॉप रैंक्स तय करेंगे

इस वर्ष एआईआर-1 पर एक ही विद्यार्थी रहेगा, गत वर्ष एआईआर-1 पर 18 विद्यार्थी थे

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन के दोनों सेशन के आधार पर ऑल इंडिया रैंक व सेशन-2 का एनटीए स्कोर 6 अगस्त को जारी हो सकता है। इसके साथ ही जेईई-एडवांस्ड की पात्रता भी जारी कर दी जाएगी। इस वर्ष रिजल्ट में ऑल इंडिया रैंक पर एक ही विद्यार्थी रहेगा, क्योंकि गत वर्ष के परिणामों से सीख लेते हुए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा दो विद्यार्थियों के एनटीए स्कोर में टाई लगने पर ऐसे मापदण्ड तय किए गए हैं कि एक से अधिक विद्यार्थियों की ऑल इंडिया रैंक-1 आना संभव नहीं है।

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष जेईई-मेन-2021 में आल इंडिया रैंक-1 पर 18 विद्यार्थी थे। जेईई-मेन जून 24 से 30 जून तथा जुलाई सेशन 25 से 30 जुलाई के मध्य आयोजित की गई थी, जिसमें 9 लाख से अधिक यूनिक कैंडिडेट शामिल हुए। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि जेईई-मेन जून अटेम्प्ट में कुछ विद्यार्थी ऐसे भी हैं जिनके 300 में से 300 अंक के परफेक्ट स्कोर आ रहे हैं। ऐसे ही जुलाई सेशन में भी कुछ विद्यार्थी ऐसे हो सकते हैं, जिनका 300 में से 300 अंक हों। इन विद्यार्थियों के ऑल इंडिया रैंक निकालने के लिए सबसे अंतिम मापदण्ड के रूप में आयु एवं जेईई-मैन आवेदन क्रमांक का आरोही क्रम ही निर्धारण होगा। ऐसे में जिन विद्यार्थियों के 300 अंक आने के साथ-साथ 100 पर्सेन्टाइल भी है, उन विद्यार्थियों की शीर्ष ऑल इंडिया रैंक आयु एवं जेईई-मेन आवेदन क्रमांक के आधार पर जारी की जाएगी। ऐसे में यह संभावना बिल्कुल न्यूनतम हो जाती है कि दो विद्यार्थियों की आयु के साथ आवेदन क्रमांक भी समान हो।

एनटीए स्कोर में टाइ लगने के बाद एआईआर निर्धारण के मापदण्ड:- अमित आहूजा ने बताया कि इस वर्ष पहली बार विद्यार्थियों के हायर एनटीए स्कोर में टाइ लगने पर रैंक के निर्धारण के लिए 9 मापदण्ड निर्धारित किए गए हैं, जिसमें यदि दो विद्यार्थियों के टोटल एनटीए स्कोर समान आते हैं तो ऑल इंडिया रैंक निर्धारण में सर्वप्रथम मैथेमेटिक्स का एनटीए स्कोर देखा जाएगा। यह समान होने पर फिजिक्स, इसके बाद कैमेस्ट्री का एनटीए स्कोर, फिर सही और गलत उत्तरों की संख्या का अनुपात देखा जाएगा। इस स्थिति में टाई लगने पर विषयवार मैथेमेटिक्स के सही व गलत उत्तरों की संख्या का अनुपात, यहां भी टाई लगने पर फिजिक्स के सही और गलत उत्तरों की संख्या का अनुपात, उसमें टाई लगने पर कैमेस्ट्री के सही एवं गलत उत्तरों की संख्या का अनुपात देखा जाएगा। उपरोक्त सभी मापदण्डों में भी टाई लगने की स्थिति में जिस विद्यार्थी की आयु ज्यादा होगी, उसे ऑल इंडिया रैंक में प्राथमिकता दी जाएगी। आयु के मापदण्ड के स्तर पर ही भी यदि टाई की स्थिति बनती है आवेदन क्रमांक के आरोही क्रम को प्राथमिकता दी जाएगी।

जेईई-एडवांस्ड की आवेदन प्रक्रिया 7 अगस्त से:- आहूजा ने बताया कि इस वर्ष आईआईटी बॉम्बे द्वारा 28 अगस्त को जेईई-एडवांस्ड परीक्षा आयोजित की जा रही है। जेईई-मेन के आधार पर चुने हुए शीर्ष ढ ाई लाख विद्यार्थी एडवांस्ड परीक्षा के लिए पात्र घोषित किए जाएंगे। ये विद्यार्थी जेईई-एडवांस्ड वेबसाइट पर एडवांस्ड के लिए 7 से 11 अगस्त के मध्य आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के दौरान विद्यार्थियों को अपनी आवश्यक जानकारी एवं परीक्षा केन्द्र भरकर दसवीं व 12वीं की अंकतालिका सर्टिफिकेट एवं कैटेगिरी सर्टिफिकेट अपलोड करने हैं। विद्यार्थियों को आवेदन के दौरान 8 परीक्षा केन्द्र चुनने का अवसर दिया गया। आवेदन के दौरान विद्यार्थियों को ओबीसी एवं ईडब्लयूएस का प्रमाण पत्र 1 अप्रेल 2022 के बाद का देना होगा। ऐसे विद्यार्थी जिनके पास ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र दिए गए समय का उपलब्ध नहीं है तो वे डिक्लेरेशन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। डिक्लेरेशन का प्रारूम जेईई-एडवांस्ड के इनफोर्मेशन बुलेटिन से डाउनलोड किया जा सकता है। एडवांस्ड परीक्षा का परिणाम 11 सितम्बर को जारी किया जाएगा।

द्वेषतापूर्ण काम कर रही है राज्य सरकार: शर्मा

गोमाता की दुर्दशा के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार

हनुमानगढ़, (निसं)। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता और चौमूं विधायक रामलाल शर्मा का कहना है कि राज्य सरकार द्वेषतापूर्ण काम कर रही है। अधिकारियों की ओर से तुष्टिकरण की नीति अपनाई जा रही है। हकदार हैं उन्हें सम्मान और जो गुनहगार है उन्हें सजा नहीं मिल रही। यह बात चौमूं विधायक ने हनुमानगढ़ आगमन पर जिला मुख्यालय स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित हुई संगठनात्मक बैठक के बाद मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए कही।

शर्मा ने कहा कि हनुमानगढ़ जिले में नहरों की समस्या प्रमुख समस्या है, लेकिन इस तरफ सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही। भाजपा के समय जो प्रोजेक्ट आए थे, जिनका शिलान्यास हो चुका था आज वे अधूरे पड़े हैं। उनकी तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा।

रामलाल शर्मा ने कहा कि सरकार बार-बार कह रही है कि हम वेलफेयर की योजनाएं लेकर आए हैं, लेकिन सरकार की वेलफेयर की योजनाएं धरातल पर नजर नहीं आ रही। निर्माण श्रमिक व बेरोजगार युवाओं को भत्ता देने की योजना दम तोड़ चुकी है। पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के समय जो पैसा स्वीकृत हुआ था उस पैसे को निरस्त करने का काम भी इस सरकार ने किया है। आज प्रदेश में भयावह स्थिति बनी हुई है। महामारी की चपेट में आकर गोमाता दम तोड़ रही है। उस गोमाता की सुरक्षा के लिए भी सरकार कोई कठोर कदम नहीं उठा रही। इस दुर्दशा के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है। भाजपा के राज्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने बताया कि भाजपा के संगठनात्मक 44 जिले हैं।

उन जिलों में बैठकें लेने के लिए पूरे प्रदेश में भाजपा के 21 कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। यह संगठनात्मक बैठकों की चर्चा-परिचर्चा है। पार्टी के कार्यक्रम धरातल पर कैसे चल रहे हैं और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनी या नहीं आदि पर चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन संरचना के कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। प्राथमिकता के साथ ही उन कार्यों को पूर्ण करने का काम किया जा रहा है। हनुमानगढ़ जिले में बूथ संरचना का काम करीब 90 प्रतिशत हो चुका है। 10 प्रतिशत शेष काम की समीक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रवाद की अलख जग रही है।

15 अगस्त को घर-घर झंडा लगाने की मुहिम की भी बैठक में समीक्षा की गई। कार्यकर्ताओं में भी उत्साह है। उन्हें विश्वास है कि हनुमानगढ़ जिले का एक भी मकान ऐसा नहीं रहेगा, जहां तिरंगा न फहराया जाए। उन्होंने बताया कि भाजपा की ओर से आगामी दिनों में हनुमानगढ़ की प्रमुख समस्याओं को लेकर जनआंदोलन किया जाएगा। यह बैठक में तय किया गया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष बलवीर बिश्नोई व जिला महामंत्री जुगल किशोर गौड़ सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

उदयपुर जिले में 45 पॉजिटिव मिले

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में शनिवार को भी जारी रहा जहां 45 कोरोना संक्रमित चिन्हित किये गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एल. बामनिया ने बताया कि आज प्राप्त 779 जांच रिपोर्टस में से 45 पॉजीटिव मिले। आज भी शहरी इलाके में ही स्थिति विस्फोटक दिखी जहाँ 35 संक्रमित मिले जबकि ग्रामीण क्षेत्र में 10 संक्रमित मिले। जिले में एक्टिव रोगियों की संख्या 176 हो गई है। इन में से दो रोगी अस्पताल में भर्ती है जबकि 174 एक्टिव रोगी होम आइसोलेशन में है।

पुत्री ने पिता पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर थाना क्षेत्र में कलयुगी पिता पर अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। पीड़िता ने अपने रिश्तेदार के सहयोग से पुलिस में आपबीती की रिपोर्ट दी। रिपोर्ट के अनुसार पीड़िता के साथ आखरी बार 1 अगस्त को पिता ने दुष्कर्म किया। पीड़िता 19 वर्ष की बताई जा रही है।

पीड़िता के साथ करीब दो तीन सालों पहले भी पिता और उसके दोस्त ने शराब के नशे में दुष्कर्म किया था। इस कारण पीड़िता गर्भवती हो गई थी, जिसका सारा आरोप उसके माता पिता समेत अन्य रिस्तेदारों ने पीड़िता पर मढ दिया था और पीड़िता का बच्चा भी गिरा दिया था। पीड़िता 4 अगस्त को पुष्कर थाने में पेश होकर अपने साथ हुए दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुष्कर पुलिस ने पीड़िता के पिता ओर उसकी माता बहन, पिता के दोस्त के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप में पोक्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच पुलिस उपाधीक्षक इस्माल खान को सौंप दी है।

पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पुष्कर थाना अधिकारी ने बताया कि समीपवर्ती गांव की एक 19 वर्षीय युवती ने अपने पिता व दोस्त पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है इसकी जांच ग्रामीण पुलिस उप अधीक्षक इस्माइल खान कर रहे हैं।

अवैध खनन: चार ट्रक और आठ ट्रैक्टर ट्रॉली जप्त

चालक ट्रक और ट्रैक्टर ट्रॉली को छोड़कर फरार हो गए

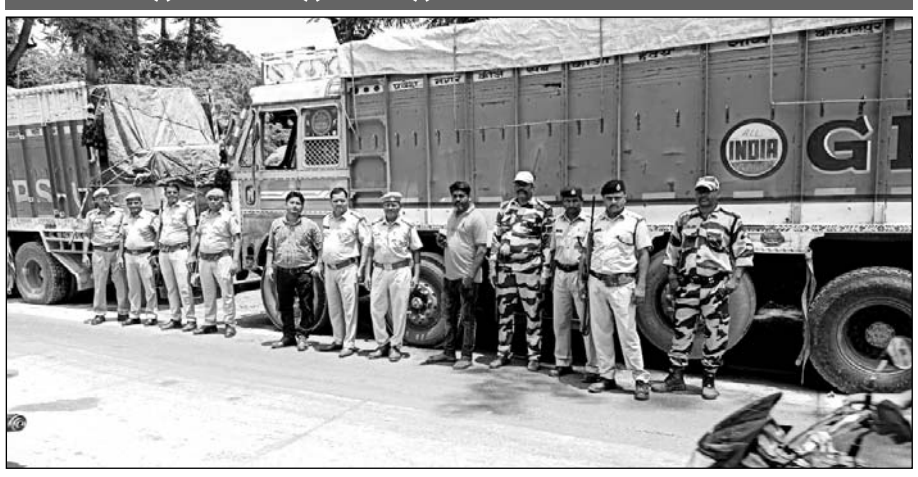

अवैध खनन के पत्थरों से भरे वाहनों को जब्त करने की पुलिस ने कार्रवाई की।

हिण्डौन सिटी, (कासं.)। सदर थाना पुलिस ने अवैध खनन व ओवरलोडिंग के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करते हुए चार ट्रक और आठ ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध खनन के पत्थरों से ओवरलोड भरे हुए जप्त कर लिए हैं। इधर पुलिस की कार्यवाही से खनन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

उल्लेखनीय है कि अरावली पर्वतमाला की श्रंखला में एवं वन क्षेत्र में खनन माफियाओं की ओर से अवैध खनन किया जा रहा है और अवैध खनन कर चोरी से पत्थरों की सप्लाई करने में जुटे ओवरलोड ट्रक व ट्रैक्टर-ट्रोलियां व रोजाना सडक पर सरपट दौडते नजर आते है। जिसके चलते सदर थाना अधिकारी बालकृष्ण ने पुलिस

■ **सदर थाना पुलिस ने अवैध खनन व ओवरलोडिंग के खिलाफ अभियान चलाया**

अधीक्षक नारायण टोगस के निर्देशन में अभियान चलाकर कार्यवाही करते हुए पुलिस उप अधीक्षक किशोरी लाल के निकटतम सुपरविजन में एक टीम गठित की। जिसने अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई को अंजाम दिया हं उन्होंने बताया कि बीती रात खनिज विभाग के अधिकारी अमित शर्मा एवं वन विभाग के अधिकारी केदार लाल योगी को अवैध खनन से भरे हुए ट्रैक्टर ट्रॉली जाते दिखाई दिए। जिसकी सूचना सदर थाना पुलिस को दी गई।

सूचना पर थानाधिकारी ने मय जाप्ता नाकाबंदी कर कार्रवाई करते हुए ओवरलोड पत्थरों से भरे हुए चार ट्रक एवं आठ ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त कर ली है। जबकि इस दौरान चालक ट्रक और ट्रैक्टर ट्रॉली को छोड़कर फरार हो गए। वन विभाग तथा खनिज विभाग के कर्मचारियों द्वारा कानूनी कार्रवाई की जा रही है । इस दौरान चार ट्रकों पर छह लाख से अधिक की पेनल्टी खनिज विभाग द्वारा वसूल की जा रही है। वहीं पुलिस भागे हुए ट्रैक्टर चालक एवं ट्रैक्टरों की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया है कि अवैध खनन के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

प्रसूता ने तीन बच्चों को जन्म दिया

डूंगरपुर, (निसं)। जीवन ज्योति हॉस्पिटल शनिवार दोपहर एक प्रसूता हेमलता रोत निवासी ग्राम पंचेला तहसील झौथरी जिला द्वारा 3 मेल बेबी को सकुशल जन्म दिया गया। तीनों नवजात शिशुओं के साथ-साथ प्रसूता भी एकदम स्वस्थ है। जीवन ज्योति हॉस्पिटल के डायरेक्टर जिनेंद्र गुप्ता ने बताया कि हॉस्पिटल मे पहली बार एक साथ यहां उनकी देखरेख में 3 बच्चों का जन्म हुआ है। तीनों बच्चों के उत्तम स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए देखभाल के लिए एनआईसीयू में भर्ती किया गया है। सामान्यत: देखा गया है कि एक से अधिक बच्चे होने पर ऑपरेशन करके डिलीवरी कराई जाती है। लेकिन यहां विशेष यह है कि तीनों बच्चों का जन्म जीवन ज्योति हॉस्पिटल में कार्यरत स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ अजय सिंह राजमन एवं टीम द्वारा बिना ऑपरेशन नॉर्मल डिलीवरी द्वारा तीनों बच्चों का प्रसव कराया गया।

बीटी कपास में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप

■ **कृषि विभाग के निरीक्षण दल ने किसानों को दी प्रभावी नियंत्रण की जानकारी**

श्रीगंगानगर, (निसं.)। जिले में बीटी कपास फसल में गुलाबी सुण्डी एवं रस चूसक कीटों का प्रकोप के मद्देनजर कृषि विभाग के राज्य स्तरीय अधिकारियों द्वारा शुक्रवार को सीमावृति क्षेत्र में बीटी कपास की फसल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में डॉ0 सुवालाल जाट, संयुक्त निदेशक कृषि (पौध संरक्षण) कृषि आयुक्तायल राजस्थान जयपुर, डॉ0 जी.आर. मटोरिया, संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) खण्ड श्रीगंगानगर, डॉ0 रूपसिंह मीना, सहायक प्राध्यापक (कीट विज्ञान), डॉ0 प्रदीप सहायक प्राध्यापक (पौध व्याधि) कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्रीगंगानगर महावीर प्रसाद छींपा, कृषि अधिकारी (पौ0सं0), सहायक कृषि अधिकारी एवं कृषि पर्यवेक्षक कार्यालय सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) सादुलशहर, डॉ0 रमेश चन्द्र बराला, सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) श्रीगंगानगर शामिल रहे। निरीक्षण दल द्वारा पंजाब राज्य के सीमावृति क्षेत्र सादुलशहर तहसील के चक 13 केएसडी, 15 केएसडी, नुरपुरा, अलीपुरा, गदरखेड़ा, चमारखेड़ा, पतली, 29 केएसडी, चकबादल, बनवाली, गणेशेवाला०, तथा श्रीगंगानगर तहसील के क्षेत्र साधुवाली, 1 वाई, कालियां, खाटलबाना, फतूही, ओडकी, सुजावलपुर, कोठा, पक्की, खखां, हिन्दूमलकोट, कोनी, मदेरां, मोहनपुरा आदि क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया।

डॉ. मटोरिया ने बताया कि निरीक्षण के दौरान दल को क्षेत्रा में लाभदायक मित्र कीट भी पाए गए। निरीक्षण के दौरान बीटी कपास के खेतों में रस चूसने वाले कीटों में सफेद मक्खी, हरातेला, थ्रीप्स का प्रकोप देखा गया है। रस चूसक कीट मुख्यतया सफेद मक्खी का प्रकोप कोठा, पक्की, खखां, हिन्दूमलकोट क्षेत्रों में आर्थिक हानि स्तर तक पाया गया तथा साथ ही लीफकर्ल वायरस के भी लक्षण बीटी कपास में देखे गये। गुलाबी सुण्डी का प्रकोप नगण्य पाया गया। निरीक्षण दल द्वारा कृषकों को बीटी कपास का नियमित रूप से बारीकी से निरीक्षण कर प्रभावी नियंत्राण करने की जानकारी दी गई।

सफेद मक्खी कीट की पहचान कैसे कर सफेद मक्खी तेज उड़ने वाला, पीले शरीर और सफेद पंख का कीट है। छोटा एवं हल्का होने के कारण यह कीट हवा द्वारा आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर चला जाता है। इस कीट की प्रौढ़ मादा अपने जीवन काल में 100-125 अण्डे देती है। अण्डे पत्तियों की निचली सतह पर दिए जाते है। इसके अण्डाकार शिशु पत्तों के निचली सतह पर चिपके रह कर रस चूसते रहते है और एक चिपचिपा पदार्थ उत्पन्न करती है। जिसे हनीडयू कहा जाता है। जिसके कारण पौधों में फंगल की बीमारी हो जाती है। सफेद मक्खी से ग्रसित पौधें पीले व तैलीय दिखाई देते है एवं पौधों की पत्तियां सिकुड़ कर मुड़ने लगती है। इस प्रकार प्रकाश संशेषण की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न होती है। जिसके कारण उपज एवं उत्पाद की गुणवत्ता में काफी कमी आती है। सफेद मक्खी लीफकर्ल वायरस जैसे विषाणु को फैलाने में वेक्टर के रूप में कार्य करती है।

किसानों को चाहिए की वह अपनी कपास की फसल का बारीकी से निरीक्षण करें तथा निरीक्षण के दौरान सफेद मक्खी के 8-12 वयस्क प्रति पत्ती, 16-20 अवयस्क (निम्फ) प्रति पत्ती पाए जाने पर ही कीटनाशाकों का छिड़काव करना चाहिए।

गैंगरेप का आरोपी गिरफ्तार

बयाना, (निसं)। 14 साल की नाबालिग से गैंगरेप के मामले में पुलिस ने एक साल से फरार चल रहे आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। आईटीआई के छात्र आरोपी युवक को पुलिस ने मध्यप्रदेश के दतिया जिले से पकडा है। गिरफ्तार आरोपी दिलीप गुर्जर है। आरोपी, पुलिस से बचने के लिए पिछले कुछ समय से दतिया में प्रसिद्ध आध्यात्मिक संत पंडोखर सरकार के आश्रम में पहचान छुपा भक्त बनकर रह रहा था। पुलिस ने आरोपी को वहीं से गिरफ्तार किया है। आरोपी को पुलिस अब पॉक्सो कोर्ट में पेश करेगी। बयाना थाना इलाके के एक गांव में 24 जुलाई 2021 की शाम करीब 7 बजे 14 साल की लडकी शौच करने जंगल की तरफ गई थी। तभी दूसरे गांव निवासी विष्णु गुर्जर अपने साथी दिलीप के साथ नाबालिग का अपहरण कर ले गया था। आरोपी नाबालिग को बाइक पर बिठाकर ले गए थे। दोनों आरोपियों ने रात को गांव के बाहर पहाड़ों में नाबालिग से जबरन दुष्कर्म किया और उसे एक सूखे कुंए में पटक गए। अगले दिन ग्रामीणों को नाबालिग कुएं में मदद के लिए चिल्लाती मिली थी। कुंए में फेंकने से नाबालिग के शरीर में चोटें भी आ गई थी। घटना को लेकर पीडिता के चाचा ने पुलिस में केस दर्ज कराया था। पुलिस टीम पांडेश्वर धाम आश्रम पहुंची और वहां से आरोपी को गिरफ्तार किया।

लूट का एक आरोपी गिरफ्तार

महुवा, (निसं)। थाना पुलिस ने शुक्रवार रात्रि हुई मोबाइल लूट की घटना के एक आरोपी को गिरफ्तार कर एक नाबालिक को निरूद्ध करने में सफलता हासिल की है। थाना प्रभारी बुद्धि प्रसाद ने बताया कि शुक्रवार रात्रि परिवादी ने मामला दर्ज कराया था कि मंडावर की तरफ से बाइक पर सवार होकर आए दो बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की और उसका मोबाइल छीन ले गए। जिस पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए टीम गठित कर आरोपी देवेश उर्फ हसीन पुत्र बालकिशन जाटव निवासी बैलारा थाना नदबई भरतपुर को गिरफ्तार किया है।

तस्कर को सजा सुनाई

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश (एनडीपीएस प्रकरण) बृजमाधुरी शर्मा ने शनिवार को गांजा तस्करी के मामले में तस्कर को 4 साल की कैद 50 हजार के जुर्माने से दंडित किया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक कैलाशचंद्र चौधरी ने बताया कि तत्कालीन भीमगंज थाना प्रभारी राकेश वर्मा ने 5 अप्रैल 2017 को गश्त के दौरान रिंग रोड की तरफ से एक व्यक्ति हाथ में थैली लेकर आता नजर आया, जो पुलिस को देखकर झाडियों में छिपने लगा।

पुलिस ने शंका के आधार पर घेराबंदी कर उसे रोका और पूछताछ की तो उसने खुद को मांडल निवासी नवीन भंडिया होना बताया। उसके हाथ में मिली थैली की जांच की तो उसमें गांजा पाया गया। जिसका वजन करवाने पर 2 किलो 530 ग्राम पाया गया। पुलिस ने गांजा जब्त कर भंडिया को गिरफ्तार कर केस दर्ज किया।

तफ्तीश के बाद आरोपित के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट पेश की गई। सुनवाई पूरी होने पर मांडल निवासी नवीन उर्फ टोनू पुत्र शंकरलाल भंडिया को 4 साल की कैद और 50 हजार रुपये जुर्माने से दंडित किया है। अभियोजन पक्ष की ओर से 7 गवाह 36 दस्तावेज पेश कर भंडिया पर लगे आरोप सिद्ध किये गए।

लापरवाही पर थानेदार लाइन हाजिर

बीकानेर, (कासं)। जिले के कालू गांव में जिस युवक की हत्या हुई थी, उसे पहले किडनेप किया गया। बाद में अंधेरा होने पर उसकी हत्या कर दी गई और शव को पुलिस थाने के पीछे फेंक दिया। अपहरण होने के साथ ही कालू पुलिस को घटनाक्रम के बारे में बताया गया लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई।

घटनाक्रम के बारे में आला अधिकारियों को पता चला तो कालू थानाधिकारी को लाइन हाजिर कर दिया गया। गांव में चल रहा धरना समाप्त कर दिया गया है। शव का पोस्टमार्टम करवाकर शनिवार को परिजनों को सौंप दिया गया। घटनाक्रम ये है कि कालू थाना से तीन किलोमीटर दूर लूणकरनसर सड़क पर गुरूवार शाम 7 बजे खेत जाते समय 30 वर्षीय कालू निवासी ओमप्रकाश ज्याणी का कार सवार चार जनों ने अपहरण कर लिया था। इस आशय की सूचना कालू थाने को मिल गई थी। मोटरसाइकिल भी बरामद की गई लेकिन ओमप्रकाश को ढूंढ कर बचाने का प्रयास नहीं हुआ।

इस बीच किडनेपर ने उसकी निर्मम हत्या कर शव थाना के पास ही सहजरासर रोड पर घर के सामने फेंक दिया। हत्या के काफी देर बाद पुलिस को सूचना मिली तब तक हमलावर फरार हो गए। युवक की हत्या कर शव पुलिस थाना से 300 मीटर दूर

■ **मामले में समय रहते पुलिस ने नहीं की थी कार्रवाई**

सहजरासर रोड पर फेंका गया। शुक्रवार को सुबह महिलाओं ने सड़क पर आदमी का शव पड़ा देखा। यह सूचना गांव में आग की तरह फैल गई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी फिर भी देर से पुलिस के पहुंचने पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। ओमप्रकाश के परिवार व कस्बे के लोग धरने पर बैठ गए।

जहां आर. एल. पी. के प्रदेश मंत्री विजयपाल बेनीवाल, डॉ. विवेक माचरा, दौलतराम डोगीवाल, बाबूलाल लेघा, पंचायत समिति सदस्य महिपाल सिंह राठौड़, पूर्व सरपंच रामकुमार शर्मा, ओमप्रकाश गोदारा, राकेश मूंड भी धरने के समर्थन में बैठे। मृतक का शव देर शाम तक परिवार ने नहीं उठाया। पुलिस ने बताया कि हत्या में उपयोग होने की संभावना में पुलिस ने भादवां गांव से एक कार बरामद कर जब्त की है। पुलिस के अनुसार हत्या में चार-पांच लोग शामिल होने की संभावना है। पुलिस के अनुसार हत्या का कारण स्पष्ट नहीं है आरोपियों के पकड़े जाने के बाद ही साफ हो पाएगा। अवैध संबंध भी हो सकते है।

दो किलो अफीम जब्त, एक गिरफ्तार

भीलवाडा, (निसं)। जिले के बडलियास थाना क्षेत्र में नारकोटिक्स विभाग की टीम ने कई घरों में शनिवार को छापेमारी कर तलाशी ली। इस दौरान एक मकान से 2 किलो अफीम मिली। अफीम जब्त कर टीम ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस को नजदीक तक नहीं आने दिया गया। कारण, विभाग को सूचना लीक होने की आशंका थी। उधर, नारकोटिक्स विभाग की इस कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप मच गया।

सेंट्रल नारकोटिक्स आयुक्त राजेश फतेह सिंह ढाबरे, उप नारकोटिक्स आयुक्त कोटा विकास जोशी एवं सहायक नारकोटिक्स आयुक्त विजय सिंह मीणा ने मादक पदार्थों की बरामदगी एवं तस्करों की धर पकड के लिए विशेष अभियान चलाने के विभाग को आदेश दिये गये। इसी के तहत कार्यालय अधीक्षक (निवारक), निवारक एवं आसूचना प्रकोष्ठ, जयपुर, चित्तौडगढ एवं कार्यालय जिला अफीम अधिकारी भीलवाडा के संयुक्त निवारक दल ने अधीक्षक (निवारक) अल्पना गुप्ता एवं भीलवाडा जिला अफीम अधिकारी डी. के. सिंह के नेतृत्व में टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर सवाईपुर में शम्भूलाल पुत्र बद्रीलाल तेली के रिहायसी मकान पर छापा मारा। मकान की तलाशी लेने पर यहां 2 किलो 300 ठााम अवैध अफीम मिली, जिसे बरामद कर तस्कर को गिरफ्तार कर लिया।

सुंधा माता तलहटी पर साधु को आश्रम परिसर में दी समाधि

रविनाथ महाराज के गुरु मंगलनाथ के आने पर वार्ता समझौते तक पहुंची

जालोर/रानीवाड़ा, (निसं)। जालोर जिले के जसवंतपुरा के सुंधा माता तलहटी पर एक साधु की आत्महत्या के मामले में दिन भर लोग आरोपियों की गिरफ्तार की मांग पर अड़ रहे। तथा 36 घंटे तक पेड़ से लटक रहे साधु के शव को नीचे उतारने पर सहमति बनी। तब पुलिस ने साधु के शव का पोस्टमार्टम करवाकर समाधि के लिए सुर्पुद किया तो फिर विवाद हो गये। कुछ भक्तों ने विवादित जमीन पर ही साधु की समाधि के लिए कार्य शुरु कर दिया। जिस पर मामला एक बार फिर गर्माया। लेकिन जालोर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनुकृति उज्जैनिया व जालोर अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेन्द्र प्रसाद्व के प्रयास से समाझाईश कर साधु को आश्रम परिसर में ही समाधि दी गई।

शनिवार को रविनाथ महाराज के गुरु मंगलनाथ के आने पर वार्ता समझौते तक पहुंची । समझौते में एफ आई आर में नामजद आरोपी को सात दिन में गिरफ्तार करने, आश्रम में जाने के लिए रास्ता देने, आश्रम की जमीन का पट्टा देने, मुकदमें की जांच हत्या मानकर की जाये एवं नब्बे० दिन के भीतर पुरी जांच हो। समाधि देने के पूर्व लोग नामजद आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग पर अडे रहे। इस दौरान युवको द्वारा सुंधा माता रोड बंद कर दिया। सुंधा माताजी की तरफ से एक कार आने पर उस पर पत्थर बाजी करना शुरू कर दी। जिस पर पुलिस ने रास्ता खुलवाने की कवायद शुरु करने पर पुलिस पर भी पत्थरबाजी हुई जिस पर देवाराम पुलिस कास्टेबल के सिर पर पत्थर लगने से लुहलुहान हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है।

जसवंतपुरा के सुंधा माता तलहटी पर साधु समाज व भक्तों ने साधु को आश्रम में ही समाधि दी।

दूसरी ओर श्री बाला हनुमान मंदिर में संत के भक्त उपवास पर है। कल सुबह से किसी ने आहार ग्रहण नहीं किया है। भक्तों की तादात एक हजार के आस -पास बताई जा रही है। उनकी एक ही मांग है की तीनों आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी हो ताकि दिवंगत आत्मा को शांति मिल सके। आश्रम और सुंधा माता सडक के बीच भीनमाल विधायक पूराराम चौधरी की लगभग 20 बीघा जमीन है। जिसे राज्य सरकार की ओर से टूरिज्म कोटे में संपरिवर्तित किया है। इस जगह विधायक चौधरी का रिसोर्ट प्रस्तावित है। जमीन करोडों की आंकी जाती है। यदि जमीन की चारदीवारी बनाई जाती है तो सडक से आश्रम जाने का रास्ता बंद हो जाता है।

विधायक का कहना है की नियमानुसार पैमाईश करवाकर आश्रम के लिए उन्होंने रास्ते की जमीन छोड दी थी। आश्रम व उनके बीच कोई विवाद नहीं था। संत की आत्महत्या व सुसाइड नोट जांच का विषय है। साधु रविदास की आत्महत्या प्रकरण की जांच के लिए कांग्रेस कमेटी ने तीन सदस्यीय दल बनाया है। जिसमें जालोर प्रभारी मंत्री अर्जुनसिंह बामणिया,राजस्व मंत्री रामलाल जाट, जालोर प्रभारी भूराराम सीरवी आत्महत्या प्रकरण की जांच कर रिर्पोट कांग्रेस पार्टी को सुर्पुद करेंगी।

थानाधिकारी मनीष सोनी ने बताया की दिवंगत संत के सांसारिक भतीज बाबूराम रणछोडराम मेघवाल निवासी पंसेरी की रिपोर्ट पर एससी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत विधायक पूराराम चौधरी उनके चालक धनसिंह व बीजनाथ उर्फ छोगाराम के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया गया है। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। विधायक पूराराम चौधरी पर दर्ज एफआईआर की जांच पुलिस ने सीआईडी, सीबी को जांच की रिपोर्ट भेजी है।

जालोर जिले में गायों में फैल रही है लम्पी स्किन बीमारी

भामाशाह गायों के लिए चारा व पानी की व्यवस्था में जुटे, उपचार के अभाव में गाय दम तौड़ रही हैं

जालोर, (कासं)। जिले भर में गायों में लम्पी स्किन बीमारी तेजी से फैल रही है। भामाशाह गायों के लिए चारा व पानी की व्यवस्था में जुटे हुए हैं । लेकिन गायों के मरने का सिलसिला जारी है। उचित उपचार के अभाव में गाय तडप तडप कर दम तौड़ रही है।

जालोर जिले के बागरा कस्बे में ग्राम पंचायत व ग्रामीणों के सहयोग से बीमारी गायों के लिये भीनमाल रोड साँवलाजी मन्दिर के पास खाली पड़ी जमीन पर एक गौशाला की व्यवस्था की है। जिसमें ग्राम पंचायत द्वारा ट्रेक्टर कर गांव में जगह -जगह जो लम्पी स्किन बीमारी से पीड़ित गायें खड़ी हैं उनको गौशाला में लाया जा रहा है। उस गौशाला में बीमार गायों के लिये चारा पानी दवाई की व्यवस्था की गई है। भामाशाहों के द्वारा पीड़ित गायों पर फिटकरी,नीम आदि से बनी दवाइयों का छिड़काव किया जा रहा है।

इस गौशाला का सरपंच सत्यप्रकाश राणा ने शनिवार को निरीक्षण किया तथा बीमारी से पीड़ित गायों को हर सम्भव सहायता देने की बात कही। पशु चिकित्सक इमरान खान इलाज में जुटे हैं । इस अवसर पर भामाशाह थानमल प्रजापत, कृष्णपाल सिंह सिंधल,गोपाल सिंह मोक राजपुरोहित, भगवत सिंह,पंचायत सहायक हरीश रांगी सहित कई गौसेवक मौजूद रहे।

जिला कलैक्टर के निर्देशानुसार जिलेभर में उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदारों एवं विकास अधिकारियों द्वारा लंपी स्किन डिजीज के संबंध में सारणेस्वर गौशाला (महेशपुरा), जालंधरनाथ गौशाला, अरणाय गौशाला, तिलोदा, मेंगलवा गौशाला, कृष्ण गौशाला (लेटा), सांकरणा गौशाला, कागमाला गौशाला, भापड़ी गौशाला, मालवाड़ा गौशाला, भागल सेफ्टा, सुरेस्वर गौशाला (ऊन) सहित जिले में स्थित विभिन्न गौशालाओं में पशु चिकित्साधिकारियों के साथ पहुंचकर व्यवस्थाएं देखी।

सामाजिक संगठन के लोगों ने गोशाला में सोडियम हाइपो क्लोराइड का छिड़काव किया।

- बागरा कस्बे में भीनमाल रोड सांवलाजी मन्दिर के पास संक्रमित गायों के लिए गौशाला बनाई

सीएमओं से हरी झंडी का हो रहा है इंतजार, जल्द होंगे शिक्षक तबादले

बीकानेर, (कासं)। तबादलों पर रोक हटने के बाद आदेशों की झड़ी लगाने वाले शिक्षा विभाग में इस बार जल्दबाजी नहीं है, बल्कि ट्रांसफर का इंतजार कर रहे टीचर्स भी परेशान हो गए हैं। स्कूल्स में सेशन शुरू हुए एक महीने से ज्यादा वक्त हो गया लेकिन ट्रांसफर लिस्ट जारी नहीं हुई। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री सचिवालय से हरी झंडी मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

दरअसल, शिक्षा विभाग ने ट्रांसफर लिस्ट को अंतिम रूप दे दिया था। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय से जयपुर पहुंची टीम के मुताबिक काम होता तो अब तक ट्रांसफर आदेश तो दूर ज्वाइनिंग भी हो जाती। इसके विपरीत ट्रांसफर लिस्ट में बार बार फेरबदल हो रहा है। इस बार मुख्यमंत्री सचिवालय से भी ट्रांसफर लिस्ट 'वेरिफाई' हो रही है। वहीं पहले से बनी लिस्ट्स में बार- बार फेरबदल हो रहा है। यही कारण है कि ट्रांसफर लिस्ट में नित नई अड़चन आ रही है।

- सीएम सचिवालय से भी ट्रांसफर लिस्ट 'वेरिफाई' हो रही है

एक अनुमान के मुताबिक प्रिंसिपल और हेडमास्टर के साथ ही लेक्चरर और ग्रेड सेकंड के ट्रांसफर की लिस्ट तैयार है। इस ट्रांसफर से पहले महात्मा गांधी स्कूल्स में प्रिंसिपल व हेडमास्टर लगाए जाने थे। अब वो काम भी लगभग हो चुका है। ग्रेड सेकंड के टीचर्स को भी महात्मा गांधी स्कूल के लिए चयनित किया जा रहा है। इस चयन के बाद ग्रेड सेकंड की लिस्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा। जबकि प्रिंसिपल व हेडमास्टर के साथ लेक्चरर की लिस्ट तैयार है। वहीं समसा में भी बड़ी संख्या में टीचर्स का डेपुटेशन होना था। यहां लेक्चरर को छोड़ सभी के डेपुटेशन का काम हो चुका है। महात्मा गांधी स्कूल्स में प्रिंसिपल की लिस्ट एक बार जारी हुई लेकिन बाद में स्थगित कर दी गई।

इस कारण प्रिंसिपल ट्रांसफर लिस्ट में भी फेरबदल हो रहा है। बताया जा रहा है कि अब सोमवार से ट्रांसफर का सिलसिला शुरू हो सकता है। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने शनिवार को भी अधिकारियों के साथ मीटिंग की है। अब नए सिरे से मशक्कत करके जल्द से जल्द ट्रांसफर करने के निर्देश दिए गए हैं।

लोकार्पण से पहले ही जगह-जगह से उखड़ी सड़क

मिसिंग लिंक योजना के तहत बनी सड़क कुछ महिनों में ही उखड़ी।

चौंमू/कालाडेरा, (निसं)। मुख्यमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत 78 लाख 50 हजार रुपए की लागत से सार्वजनिक निर्माण विभाग के द्वारा 2.90 किमी सड़क का निर्माण कार्य मिसिंग लिंक योजना के तहत कालाडेरा से भीलपुरा तक वाया चाहरों की ढाणी तक किया गया। जिस सड़क का लोकार्पण विधायक रामलाल शर्मा के द्वारा किया जाएगा उस सड़क को बने हुए अभी लगभग 2 महीने भी पूरे नहीं हुए हैं। सड़क मानसून कि पहली बारिश में ही जगह-जगह से टूट कर उखड़ चुकी है साथ ही सडक टूटने के कारण बारिश का पानी भी सडक पर भरा है वहीं सडक के दोनों और कई जगह तो अभी भी मोहरम डाल कर पट्टी बनाना बाकी है।

गौरतलब है कि सडक का शिलान्यास 15 अक्टूबर 2021 को चौंमू विधायक रामलाल शर्मा के द्वारा किया गया था। वहीं विभाग के द्वारा जो सूचना बोर्ड लगाया गया है उस बोर्ड पर कार्य प्रारंभ करने की तिथि 3 अक्टूबर 2021 एवं नियत समाप्ति तिथि 2 जून 2022 लिखी हुई है। लेकिन अभी तक भी सड़क का कार्य पूर्ण नहीं हुआ है साथ ही घटिया निर्माण कार्य के कारण सडक जगह-जगह से उखड़ चुकी है। वहीं लोकार्पण कार्यक्रम कि सूचना मिलने के बाद कार्यक्रम में आने वाले जनप्रतिनिधियों को घटिया निर्माण कार्य का पता ना चले इसको लेकर ठेकेदार के द्वारा आनन-फानन में पेच वर्क करने का काम भी किया जा रहा है।

- 78 लाख 50 हजार रुपए की लागत से हुआ 2.90 किमी सड़क का निर्माण

एएसआई घूस लेते ट्रैप

श्रीगंगानगर,(निसं)। एंटी करप्शन ब्यूरो की श्रीगंगानगर चौकी ने शनिवार को श्रीगंगानगर में कार्रवाई करते हुए श्रीकरणपुर थाने के एएसआई को धर

- मामले में एफआर लगाने की एवज में मांगी थी 15 हजार रुपए रिश्वत

दबोचा। एएसआई ने एक मामले में एफआर लगाने की एवज में पहले पचास हजार रुपए रिश्वत की मांग की। अंत में पंद्रह हजार रुपए लेने पर सहमत हो गया। गुरुवार को रिश्वत मांग सत्यापन करवाया गया। वेरिफिकेशन हो जाने पर शनिवार को एसीबी ने डीएसपी वेदप्रकाश लखोटिया के निर्देशन में कार्रवाई कर आरोपी को धर दबोचा। आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। श्रीगंगानगर की सिंधी कॉलोनी के रहने वाले उग्रसेन पुत्र धर्मपाल मूल रूप से श्रीकरणपुर के गांव मुकन का रहने वाला है। उसके खिलाफ श्रीकरणपुर थाने में मामला दर्ज था। उग्रसेन की शिकायत पर एसीबी ने रिश्वत मांग का सत्यापन करवाया तो मामला पंद्रह हजार रुपए देने पर तय हो गया। वेरिफिकेशन के वक्त गुरुवार को आरोपी उग्रसेन ने दस हजार रुपए शेष पांच हजार रुपए शनिवार को देना तय हुआ। शनिवार को उग्रसेन पांच हजार रुपए रिश्वत राशि देने के लिए पहुंचा। इसी दौरान एसीबी ने जाल बिछा लिया। मौके पर आरोपी के रिश्वत राशि लेने के साथ ही एसीबी टीम ने उसे धर दबोचा।

लम्पी डिजीज को लेकर सामाजिक संगठन आगे आए

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश के साथ मारवाड़ में तेजी से पैर पसार रहे लंपी वायरस को लेकर प्रशासन के साथ अब सामाजिक संगठन भी आगे आने लगे है। कोई नीम-गिलोय और हल्दी के लड्डू बनाकर गायों को खिला रहे हैं तो कोई गायों के बाड़े में हाइपो और कीटनाशक दवाओं का छिडक़ाव कर रहे हैं। वहीं कोई गायों के लिए आयुर्वेदिक चाटा बनाकर खिला रहा है।

तारा सेवा संस्थान ने बनाड़ रोड गिरिजा नगर में पालतू गायों को लंपी बीमारी से बचाने के लिए घर-घर और गोशालाओं में सर्वे कर सोडियम हाइपो क्लोराइड का छिडक़ाव किया।

विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग ने 6 टोलियां बना 6 स्थानों पर 6 हजार औषधियुक्त लड्डू बना बीमार गायों को खिलाने का अभियान शुरू किया। इसमें विहिप के अनिल अग्रवाल, जितेंद्र शर्मा कृष्णा वैष्णव के नेतृत्व में टीमें जुटी हैं।

ओम माधव गो सेवा समिति अध्यक्ष राहुल सोलंकी व अरुण सोलंकी ने बताया कि गायों को हल्दी, काली मिर्च, देसी घी आदि से चाटा बनाकर सुबह-शाम खिला रहे हैं।

- तारा संस्था, विहिप, ओम माधव सतिति सहित पीपाड़ के युवा गौ सेवा में जुटे

गोवंश बचाओ अभियान के तहत ग्राम पंचायत सांगरिया में पशुओं में फैल रही लंबी बीमारी से बचाव के लिए इंजेक्शन लगाए गए।

पीपाड़ शहर के युवाओं ने त्वरित रूप से अपने स्तर पर व्हाट्सऐप ग्रुप बनाकर स्वयं के स्तर पर वित्तीय सहायता राशि एकत्रित कर क्षेत्र के गोवंश की देखभाल एवं बचाव करने की दिशा में कार्य करना आरंभ कर दिया।

युवाओं की पहल और अनुकरणीय भागीदारी की सराहना करते हुए उपखण्ड अधिकारी चौधरी ने कहा कि इससे आम जन में प्रेरणा का संचार होगा ।

पावटा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लंपी वायरस के मामले मिले

पावटा, (निसं)। राजस्थान में तेजी से फैल रही संक्रामक बीमारी लंपी स्किन गौवंश के लिए जानलेवा हो गई है। विशेषकर गौशालाओं में इस रोग का अटैक सबसे अधिक देखने को मिल रहा है।

दरअसल लंपी स्किन डिजीज संक्रमण को लेकर उपखंड पावटा में प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद होने के बाद भी यह पावटा शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में रोग धीरे धीरे पनप रहा है ।

विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में बीमारी से ग्रसित गांयों को देखकर विधायक इंद्राज गुर्जर ने पशु विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए गांवों में पशुओं के इलाज के लिए डॉक्टरों की टीम गठित की । पावटा क्षेत्र में लंपी स्किन बीमारी से ग्रसित पांच गौवंशों की सूचना पर मौके पर पहुंचे एलएसए गोविन्द भारद्वाज ने स्वयं के खर्चे पर ही उपचार किया। चरवाहों का एक समूह लो लगभग 40 से 50 गाय लेकर जा रहा था। डॉ. गौरीशंकर शर्मा ने उन्हें रोककर उन गायों को देखा तो उनमें एक गाय संक्रमित पायी गयी। जिस पर भारद्वाज को मौके पर बुलाकर गौवंश का उपचार करवाया गया।

- डॉक्टरों की टीम गठित कर किया जा रहा उपचार

रातकोट में लंपी वायरस की दस्तक

बांदनवाड़ा, (निसं)। भिनाय उपखंड की पंचायत रातकोट में एक गाय ल म्पी वायरस के संक्रमण की संदेहास्पद पाई गई। रामल ाल रिणवा ने बताया कि पशुपाल क रामधन थरौदा की गाय लंपी वायरस के संक्रमण से ग्रसित पाई गई जिसकी पुष्टि पशु चिकित्सक अरविंद कुमार ने की है। संक्रमित गाय का शनिवार को पशु चिकित्सा कर्मियों की टीम ने गांव रातकोट पहुंचकर उपचार किया।

नाकाबंदी में कांस्टेबल शहीद, पुलिस महकमे में छाया शोक

घटना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची व लोगों की भीड़ लग गई।

जोधपुर, (कासं)। कमिश्रेरेट के जिला पश्चिम के कुडी थाने में तैनात कांस्टेबल रमेश विश्रोई रात को ड्यूटी करते शहीद हो गये । एक अधिवक्ता की कार ने ड्यूटी करते जोरदार टक्कर मारी। अस्पताल ले जाने के कुछ देर बाद निधन हो गया। इस घटना से पुलिस महकमे शोक की लहर छा गई। हाल ही के दिनों में यह दूसरी घटना है । बोरानाडा में रात को ड्यूटी करते एक कांस्टेबल की मृत्यु हो गई थी।

आज सुबह कमिश्रेरेट पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़ सहित कई अफसर एम्स अस्पताल की मोर्चरी पर पहुंचे। जहां कांस्टेबल रमेश विश्रोई को गार्ड ऑफ ऑनर दिए जाने के साथ शव पर पुष्प गुच्छ चढ़ाए ।

शेरगढ़ के केतु स्थित खेत नगर के रहने वाला 27 वर्षीय कांस्टेबल रमेश विश्नोई शुक्रवार की रात पौने बारह बजे के आस -पास वह नाका नंबर 3 पर डिवाइडर पर चढ़ टार्च से रोशनी कर संदिग्ध की तलाश में भी था। इतने में नाका की तरफ आई एक तेज रफ्तार कार पहले डिवाइडर से टकराई बाद में उस पर चढ़ते हुए कांस्टेबल रमेश विश्रोई को चपेट में लिया। कार की गति इतनी तेज थी कि वह कांस्टेबल को उड़ाते हुए खंभे से जा भिड़ी। कार और खंभे के बीच कांस्टेबल रमेश विश्रोई फंस गया।

- तेज रफ्तार कार पहले डिवाइडर से टकराई बाद में कांस्टेबल रमेश को चपेट में ले लिया
- कार और खंभे के बीच फंस गया था कांस्टेबल रमेश विश्रोई
- साल भर पहले हुई थी शादी

कुडी थाने के सबइंस्पेक्टर विश्राम मीणा के अनुसार कार चालक अधिवक्ता महिपाल विश्रोई था। नशा किए जाने की बात से पुलिस ने इंकार किया है। घटना में वह भी कुछ चोटिल हुआ है। कांस्टेबल रमेश विश्रोई की शादी सालभर पहले ही हुई थी। उसके कोई संतान भी नहीं है ।

पुलिस आयुक्त सहित कई अफसर एम्स पहुंचे : आज सुबह पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़, डीसीपी वेस्ट गौरव यादव, एडीसीपी हरफूलसिंह, एसीपी बोरानानाडा जेपी अटल, कुडी थानाधिकारी सुमेरदान सहित कई अन्य अफसरों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर शव को राजकीय सम्मान के साथ गांव के लिए विदा किया गया।

इस घटना के बाद आज पुलिस उपायुक्त पश्चिम गौरव यादव ने आदेश जारी किया। उन्होंने बताया कि शराब पीकर और ओवर स्पीड से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्ती की जाएगी। आज से 12 अगस्त तक अभियान चलाकर वाहनों को पकड़ने के साथ चालकों का लाइसेंस निलंबित किया जाएगा।

तालाब में नहाने गई तीन बालिकाओं की पानी में डूबने से मौत

करौली(नि.स.)। करौली जिले के मण्डरायल उपखंड की चंदेलीपुरा ग्राम पंचायत के मुरीला गांव के तालाब में डूबने से तीन बालिकाओं की मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने बालिकाओं के शव तालाब से बाहर निकाला। वहीं गांव मे कोहराम मच गया और शोक की लहर छा गई।

चंदेलीपुरा ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच अशोक ने बताया कि शनिवार को दोपहर राजकुमारी पुत्री विद्याराम निवासी मुरीला, सनई पुत्री यादराम निवासी मुरीला, गौरा पुत्री हरकेश निवासी रामपुर की झोपड़ी तथा एक अन्य बालिका के साथ गांव के पास स्थित तालाब में नहाने चली गई। जहां तीन बालिकाएं पानी मे नहाने लगी और एक बालिका किनारे पर ही रुक गई। तालाब के गहरे पानी में जाने के कारण तीनो बालिकाएं डूबने लगी। एक दूसरे को बचाने के प्रयास में सभी बालिकाएं गहरे पानी में चली गई। इस दौरान तालाब किनारे पर बैठी बालिका भागकर घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीणों की भीड़ तालाब पर जमा हो गई। लोगों ने मशक्कत के बाद तीनों बालिकाओं के शव तालाब से बाहर निकालें। घटना की जानकारी मिलते ही तहसीलदार, उपजिला कलेक्टर और मण्डरायल थानाधिकारी पुलिस जाप्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पूर्व सरपंच ने बताया कि गौरा अपने ननिहाल मुरीला गांव में ही रहती थी और गांव की लड़कियों के साथ तालाब में नहाने चली गई। घटना के बाद बालिकाओं के पोस्टमार्टम की कार्यवाही की।

हत्या के आरोपियों को फांसी सुनाई

भीलवाडा (निसं)। भीलवाड़ा जिले के मांडल थाना क्षेत्र में 7 साल पहले हुए निंबाहेडा के एक परिवार की निर्मम हत्या के मामले में एडीजे (महिला उत्पीड़न प्रकरण कोर्ट) ने शनिवार को अहम फैसला सुनाया है। न्यायालय ने इस निर्मम हत्याकांड के मुख्य आरोपित शराफत व इसके राखीबंद भाई राजेश खटीक को फांसी की सजा से दंडित किया है। दोनों पर क्रमश: 15-15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। विशिष्ट लोक अभियोजक संजू बापना ने बताया कि जिले के मांडल व रायला थाना क्षेत्र में निम्बाहेड़ा के 38 वर्षीय युनूस उर्फ सोनू, इसकी पत्नी चांदतारा उर्फ सोनिया 35, बेटे अशरफ 10, बेटी गुडिया 7, साजिया उर्फ आशिदा 4 व शकीना 2 को जियारत के बहाने यहां लाकर हत्या कर दी थी। एक ही परिवार के 6 सदस्यों की खौफनाक हत्या से पूरा क्षेत्र सहम उठा था।

बनास पुल टूटने की सूचना पर मचा हड़कम्प

टोंक, (निसं)। जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन सहित जिला मुख्यालय पर उस वक्त हड़कम्प मच गया, जब यह खबर आग की तरह फैली कि बनास पुल टूट गया है। तत्काल अधिकारियों एवं सैकड़ों लोग मौके पर पहुंचे और तब राहत की सांस ली, जब पता चला कि यह जिला प्रशासन की मॉकड्रील थी।

जानकारी के अनुसार शनिवार को सुबह जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल, जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी, एडीएम परशुराम धानका, एसडीएम गिरधर, एएसपी सुभाष चन्द्र मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक सलेह मोहम्मद, शहर कोतवाल जितेन्द्रसिंह, थानाधिकारी राजेन्द्र खंडेलवाल सहित कई अधिकारी, पुलिस जवान, एनडीआरएफ ओम सहित शहर के जागरुक लोग मौके पर पहुंच गए और मौके पर हालात जाने और सच्चाई जानने के लिए मीडिया कर्मी भी मौके पर पहुंच गए। सबने जब राहत की सांस ली, तब पता चला कि यह जिला प्रशासन की मॉकड्रील थी। सुरक्षा की दृष्टि के मद्देनजर जिला प्रशासन की ओर से मॉकड्रील होती है, जिससे पता चलता है कि कौन अधिकारी कितना चौकन्ना है और कौन लापरवाह है और शहर की जनता का कितनी सजग है।

- मौके पर पहुंचे तो पता चला कि जिला प्रशासन की मॉकड्रील थी
- सच्चाई जानने मीडिया कर्मी भी मौके पर पहुंच गए

मालपुरा में निर्माणाधीन ईंट भट्टे की 130 फीट ऊंची चिमनी गिरी

मलबे में दबे पांच श्रमिक, चिन्ताजनक हालत में जयपुर रैफर

मालपुरा, (निसं)। दूदू छाण स्टेट हाईवे पर अम्बापुरा गांव के पास सड़क सीमा से महज सौ मीटर दूर कृषि भूमि पर अवैध रूप से निर्माणाधीन ईंट भट्टे की 130 फीट ऊंची चिमनी धराशाही हो जाने से मलबे में दबकर पांच श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गये जिन्हें डिग्गी कल्याणजी के जा रहे पदयात्रियों ने निकाल और मालपुरा अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से पांचों घायलों को जयपुर रैफर किया गया।

मामले के अनुसार टोरडी ग्राम पंचायत के अम्बापुरा गांव के पास कृषि भूमि खसरा नम्बर 429/3 में अवैध रूप से निर्माणाधीन एक ईंट भट्टे की 130 फीट ऊंची चिमनी शनिवार की दोपहर गिरने के बाद श्रमिकों के चिल्लाने व मलबे में दबने के बाद मौके पर मौजूद ईंट भट्टा निर्माण करवा रहे जिम्मेदार लोग मौके से भाग छूटे।

हादसे के दौरान देवली से डिग्गी कल्याणजी के जा रही पदयात्रा में शामिल मुकेश पारासर, ममता, शिवा, राजू सहित अन्य पदयात्रियों ने कड़ी मशक्कत कर मलबे में दबे घायल श्रमिकों को निकाल 108 एम्बुलेंस की सहायता से घायल मोहम्मद नजर, यूसुफ, रईश, अनीश व फारूक निवासी बेटला यूपी को मालपुरा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायल को चिन्ताजनक हालत में जयपुर रैफर किया।

मीडियाकर्मियों द्वारा हल्का पटवारी अजय यादव से ली जानकारी में सामने आया कि खसरा नम्बर 429/3 जो कि गोपाल नायक, रमेश, पुष्पा, रामा, सीता, रामस्वरूप सभी जाति नायक निवासी अम्बापुरा व 1/30 हिस्सा पांचू रेगर का है जो कि राजस्व रिकॉर्ड में बारानी भूमि दर्ज है। ईंट भट्टा निर्माण से पूर्व उक्त भूमि को व्यवसायिक उपयोग के लिए कनर्वजन हेतु कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

निर्माणाधीन ईंट भट्टे की चिमनी गिरने के बाद घायलों का मालपुरा अस्पताल में उपचार कराया।

- राजस्व विभाग ने साधी चुप्पी

मौके पर मौजूद अम्बापुरा के ग्रामीणों ने बताया कि कृषि भूमि पर ईंट भट्टा निर्माण के लिए तकरीबन आधा दर्जन प्रभावशाली लोगों ने जमीन के खातेदारों से उक्त जमीन लगभग 15 लाख रूपये में लीज पर लेकर बिना सुरक्षा संसाधनों के घटिया निर्माण सामग्री से निर्माण कार्य करवा जा रहा था।

मौके पर सुरक्षा संसाधनों का अभाव सामने आया। बिना भूमि रूपान्तरण करवाये कृषि भूमि पर व्यवसायिक गतिविधि होने के बावजूद सम्बन्धित गिरदावर पटवारी यहां तक की राजस्व विभाग द्वारा कार्यवाही नहीं करना सवालों के घेरे में है ।

आयुर्विज्ञान परिषद ने श्रीगंगानगर मैडिकल कॉलेज को 100 सीटें स्वीकृत की

श्रीगंगानगर। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परिषद के द्वारा श्रीगंगानगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज मे सत्र 2022-23 के लिए एमबीबीएस की 100 सीटों के साथ शुरुआत की अनुमति प्रदान कर दी है। लोकसभा सांसद निहालचन्द ने संसदीय क्षेत्र को इसी वर्ष इस सौगात हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का धन्यवाद प्रेषित किया है।

इस सरकारी मेडिकल कॉलेज को भौतिक संसाधनों के गहन निरीक्षण व परीक्षण के बाद अनुमति दी गई है। लोकसभा सांसद निहालचंद ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति से लेकर मेडिकल की सीटों की स्वीकृति के लिए लम्बे समय से विभिन्न मंत्रालयों के सम्पर्क में रहे हैं। फिलहाल 100 सीटों के साथ इसकी शुरुआत इस सीमावर्ती क्षेत्र के लिये गौरव की बात है। इनमें से 15 सीट एनआरआई और 15 सीट आल इंडिया कोटे की हैं। एनआरआई सीट की फीस एक लाख डॉलर होगी। शेष 70 सीटों मे से 35 सीटें मैनेजमेंट की होंगी। इन सीटों पर जिनका दाखिला होगा, उन्हें 5 लाख रुपए सालाना फीस देनी होगी। शेष 35 सीट सरकारी होंगी, जिनकी फीस लगभग 50 हजार रुपए बताई गई है।

संक्षिप्त

जेईएन को विदाई दी

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा के जेईएन ऑफिस हरिपुरा जीएसएस पर जेइएन के पद पर 2016 से कार्यरत अजय कुमार मीना के स्थानांतरण होने पर स्टाफ द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। वहीं नये जेइएन उमेश कुमार का भी माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जेइएन मीना को माला व साफा पहनाकर एवं स्मृति चिह्न देकर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर जेइएन मीना ने भावुक होते हुए कहा कि फुलेरा में मेरा लगभग 6 वर्षों का अनुभव अच्छा रहा है। विदाई समारोह मै एईएन विनोद कुमावत, जेइएन महेन्द्र प्रजापत, जेईएन सुरेश विश्नोई, जेईएन अजीत सिंह तकनीकी कर्मचारी मनीष कुमावत, विकास नेहरा, देवेन्द्र सिंह, महेन्द्र सिंह, पप्पूराम चौधरी, मुकेश कुमार वर्मा, रजत गुर्जर, मुकेश कासोटिया, सुरेश सैनी सहित अन्य कर्मचारीयों के साथ एफआरटी टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

सर्पदंश से बालिका की मौत

मालपुरा, (निसं)। पचेवर थाना क्षेत्र के रायथला गांव में शनिवार को सांप काटने से दस वर्षीय बालिका की जयपुर में दौराने उपचार मौत होग गई। मामले के अनुसार रायथला गांव निवासी पप्पू सिंह के खेत पर बने मकान में उसकी दस वर्षीय बेटी अंजली कंवर को सांप ने काट लिया जिससे बालिका अचेत हो गई। बालिका को मालपुरा अस्पताल में भर्ती करवाया जहां हालत चिन्ताजनक होने पर जयपुर रैफर किया गया। दौराने उपचार बालिका ने दम तोड़ दिया। बालिका की मौत के बाद परिजनों ने बालिका की आंखे दान कर एक मिशाल पेश की गई।

टक्कर से कार सवार की मौत

टोंक, (निसं)। जिले के घाड थाना क्षेत्र में कार सवार एक जने की डम्पर की टक्कर से मौत हो गई। परसराम पुत्र राजाराम मीणा 25 साल निवासी कंवरपुरा धांसडा थाना घाड अपनी कार से नया गांव जा रहा था कि डम्पर टक्कर से मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई। थानाधिकारी राधाकिशन मीणा ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच का शव को कब्जे में लिया और मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनो को सुपुर्द कर दिया।

नेत्र परीक्षण शिविर आज

देवली, (निसं)। रविवार को नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन का निशुल्क शिविर प्रात: 10 लगाया जाएगा। जानकारी के अनुसार नामदेव टांक क्षित्रय दर्जी समाज द्वारा रविवार को जिला अंधता नियंत्रण समिति बूंदी एवं नीमच आई हॉस्पिटल के सहयोग से फ्री नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया जाएगा। समाज के अध्यक्ष भंवरलाल डीडवानिया ने बताया कि नेत्र परीक्षण शिविर दर्जी समाज की धर्मशाला में रविवार को प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

कैंप आज लगेंगे

किशनगढ़ बास, (निसं)। निर्वाचन आयोग के आदेशों की पालना एवं जिला कलेक्टर के निर्देशन में किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर आधार संख्या को मतदाता पत्र से जोड़ने के लिए रविवार को विशेष कैंप लगाया जाएगा।

आम रास्ते में भरा पानी, लोगों को हो रही परेशानी

चाकसू, (निसं)। बारिश के चलते कस्बे की विभिन्न कॉलोनियों एवं ढाणियों के आम रास्ते कीचड़ में तब्दील हो गए हैं। जिससे ग्रामीणों को निकलने में परेशानी का सामना करना पड रहा है। खासकर विद्यार्थियों को आने-जाने में भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

नगर पालिका क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों एवं ढाणियों को जोड़ने

- पालिका प्रशासन ने सड़क तो बनाई लेकिन पानी निकासी के उचित प्रबंध नहीं किए

वाली सूरजकुंड रोड पर पानी भरने से ग्रामीण नहीं निकल पा रहे हैं लगभग पूरे रास्ते में कीचड़ होने के कारण रास्ता अवरूद्ध हो गया है। मुख्य मार्ग से विभिन्न कॉलोनियों एवं ढाणी के अंदर जाने वाले रास्ते पर पालिका द्वारा सडक तो बनाई है, लेकिन पानी निकासी का इंतजाम नहीं किया, जिस कारण रास्ता अवरुद्ध हो जाता है और पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने कारण 5 वर्ष पूर्व बनी हुई डामर सडक लगभग गायब होकर जगह-जगह गड्ढों में तब्दील हो गई है।

आदिनाथ कॉलोनी सहित विभिन्न कॉलोनियों एवं सूरजकुंड ढाणी का यह एकमात्र रास्ता होने के कारण लोगों को पानी में से होकर ही घरों में पहुंचना एवं निकलना पडता है इसके अलावा खेतों में मकान बनाकर रहने वाले लोग भी इसी रास्ते से जाते हैं लेकिन रास्ता खराब होने के कारण उन लोगों का भी निकला मुश्किल हो गया है।

वार्ड 29 एवं 31 निवासी मोती राम सैनी बाबूलाल सैनी कजोड मल सैनी सूरजकुंड ढाणी, प्रह्लाद खारवाल हजारी लाल बैरवा राम सहाय बैरवा गुजरिया वाली ढाणी आदिनाथ कॉलोनी आदि ने बताया कि मुख्य रास्ते पर पानी निकासी ना होने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है।

चाकसू में विभिन्न कॉलोनियों एवं ढाणियों के रास्ते कीचड़ में तब्दील हो गए हैं।

डाकघर मुहैया कराएगा तिरंगा

पावटा, (निसं)। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान को डाक विभाग द्वारा भी मनाया जाएगा। हर व्यक्ति आसानी से तिरंगा खरीद सके इसके लिए डाक विभाग की ओर से लोगों को यह सुविधा भी मुहैया कराई जाएगी।

हर कर्मचारी अपने घर पर तिरंगा लगाए, देश भक्ति की भावना से ओतप्रोत हो, इसके लिए हर कर्मचारियों को झंडे वितरित किए जाएंगे। लेकिन हर व्यक्ति आसानी से तिरंगा खरीद सके इसके लिए डाक विभाग की ओर से लोगों को यह सुविधा भी मुहैया कराई जा रही है। डाक विभाग की ओर से लोगों के लिए कपडे वाले बेहतर तिरंगे मौजूद हैं जिन्हें लोग डाकघर से खरीद सकते हैं। उपखंड पावटा क्षेत्र के पोस्ट मास्टर भैरूराम कुमावत ने बताया कि डाक कर्मचारी भी आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा उत्सव को मनाने के लिए तैयार हैं।

लेकिन इसके साथ ही शहरवासियों को भी उच्च कोटि का तिरंगा उपलब्ध कराने के साथ ही शनिवार को उपखंड पावटा क्षेत्र के पोस्ट ऑफिस में उसको फहराए जाने की जानकारी देने के लिए पावटा के पोस्ट ऑफिस पर 1 हजार तिरंगा उपलब्ध कराए गए हैं। जिन्हें शहरवासी आसानी से खरीद सकते हैं।

वन नाका प्रभारी पर खनन माफियाओं से सांठगांठ के आरोप

टोंक, (निसं)। बरसों से ज़िला प्रशासन व वन विभाग की मिलीभगत से ज़िले में धड़ल्ले से अवैध खनन होता आ रहा है, ऐसा ही एक और मामला सामने आया है, जिसमें वन विभाग कर्मचारी ने ही दूसरे वन नाका प्रभारी पर अवैध पत्थरों के खनन करने के गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसकी शिकायत उसने उप वन संरक्षक घनश्याम गुप्ता से भी की है।

- वन कर्मचारी ने ही लगाए आरोप

आरोप लगाने वाले सोहेला वनक्षेत्र में कार्यरत रहे वनरक्षक व राजस्थान वन अधीनस्त कर्मचारी संघ के प्रदेश प्रचार मंत्री रहे मुमताज अहमद है। उन्होंने बताया कि सोहेला वन नाका प्रभारी आत्माराम जाट पिछले 3 वर्षों से सोहेला वन नाका में 3 नाका प्रभारी पर पदस्थापित है। उस पर अवैध पत्थर खनन ही नहीं रुटाइल जैसे बेशकीमती पत्थर चोरी करवाने के भी गंभीर आरोप पूर्व में भी लग चुके है, इस पूरे खनन में आलाधिकारियों की सरपरस्ती भी है, जिसके चलते ही कई बार ग्रामीणों की शिकायत के बाद भी कार्रवाही नहीं हो पाई। शिकायतकर्ता ने बताया कि सहायक वनपाल का पद होने के बावजूद सोहेला नाका प्रभारी आत्माराम जाट अपनी वर्दी पर स्टार लगाकर घूमता था। जबकि फोरेस्ट एक्ट 2015 के तहत सहायक वनपाल वर्दी पर स्टार नहीं लगा सकता है। इसको लेकर टोकने पर वह झगड़ा करते थे। 16 जुलाई को भी इसी बात को लेकर कहासुनी होने के बाद मारपीट करने पर इसकी रिपोर्ट कोतवाली थाने में दी थी। जिसकी जांच सहायक वन संरक्षक करणसिंह कर रहे हैं।

झिकरा डंपर 50 हज़ार लेकर छोड़ा: सोहेला वाले पप्पूलाल, दिलदार जाट, रामोदार व कारोला के रहने वाले राजेंद्र योगी, देवराज, राजेश ने बताया कि बीते सप्ताह उन्होंने उप वन संरक्षक घनश्याम गुप्ता को ज्ञापन देकर शिकायत की थी कि नोहटा वनक्षेत्र से आ रहे झिंकरा से भरे डंपरों को सोहेला वनक्षेत्र के डिग्गी रोड पर सोहेला नाका प्रभारी व गश्ती दल टोंक ने रुकवाकर रवन्ना चैक करने के बाद नहीं होने पर दोनों को वन कार्यालयों में खड़े करवा दिए और डंपर के 3 लाख जुर्माने की रसीद काट दी। इसमें से एक डंपर मालिक ने हर माह नाका प्रभारी 13 हजार रुपए ऑनलाइन देने के आरोप लगाते हुए शिकायत की थी। दूसरे डंपर मालिक से 50 हजार रुपए लेकर छोड़ा गया।

पोल शिफ्टिंग कार्य में बिजली निगम और ठेकेदार की लापरवाही

टोंक, (निसं)। जिले के टोडारायसिंह कस्बे के केकडी रोड पर चल रहे पोल शिफ्टिंग कार्य में बिजली निगम और ठेकेदार की लापरवाही के चलते आए दिन आमजन व वाहन चालक दुर्घटना के शिकार हो रहे।

शिफ्टिंग कार्य के दौरान गत एक पखवाडा से रात को रोड लाइट भी बंद रहने से रोजाना दर्जनों छोटे बडे वाहन चालक झूलते तारों से टकरा कर दुर्घटना

- झूलते तारों से वाहन चालक हो रहे परेशान

ग्रस्त हो रहे हैं। लेकिन बिजली निगम के अधिकारी और ठेकेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। केकडी रोड पर सीसी रोड निर्माण कार्य के कारण बिजली के पोल शिफ्टिंग कार्य चल रहा है, इसके लिए पोल शिफ्टिंग कार्य बिजली निगम द्वारा ठेके पर दिया गया है।

केकडी रोड पर सीसी सड़क निर्माण कार्य करवाया जाना है, जिसके टेण्डर तथा वर्कऑडर भी जारी हो गए है। लेकिन सडके चौडाईकरण के लिए सडके दोनों ओर बिजली के पोल लगे होने से सीसी कार्य में देरी हो रही है। निगम ने अपने स्तर पर पोल हटाने व नये पोल लगाने के लिए ठेकेदार को कार्य दे दिया।

इस पर ठेकेदार ने सड़क के बीचों बीच फाण्डेशन भर कर पोल खडे भी कर दिए। केकडी रोड पर भुतली नाडी से दीन दयाल वाटिका तक पोलों पर तार खिंचाई कार्य शुरू कर दिया गया था, लेकिन बीच में तार खिंचाई कार्य अधूरा छोड़ दिया गया। ये तार झूलने से वाहन चालकों व आम राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बने हुए है।

केकडी रोड पर निगम और ठेकेदार की लापरवाही के चलते झूलते तार और बिखरे तार।

गणेश धाम आश्रम पर पौधारोपण

उनियारा/चौरू, (निसं)। उनियारा उपखंड पंचायत हैदरीपुरा में ओम दास महाराज के सानिध्य में गणेश धाम आश्रम तालाब पर पौधारोपण अभियान का कार्यक्रम किया गया। इस मौके पेड के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा जहां सभी तरह के छायादार पौधे लगाए गए पेड पौधों का प्रकृति के प्रति योगदान पर पेड मनुष्य की तरह है जो एक मित्र का प्रतीक होता है। इस मौके पर राजेश मीना, केदार भक्त बराना, भगवान सरपंच बोरदा,मलु मीना, सुवालाल मीणा,फता लाल गुर्जर, बाबूलाल गुर्जर, मुरारी लाल,बतीलाल प्रजापत, रमेश मीणा, किरतन लाल , प्रकाश, बादल,घनश्याम ,गुलाब चन्द, दिपेंद्र मीणा, मदनलाल,हरसहाय मीना, सहित ग्राम वासियों ने पौधारोपण कर हर व्यक्ति को एक-एक पौधा लगाने का निर्णय लिया लोगों को इसके प्रति जागरूक करना चाहिए।

फल एवं सब्जी मंडी यार्ड विकसित नहीं होने से मुसीबतें बढ़ी

खैरथल, (निसं)। अलवर जिले के प्रमुख कस्बे खैरथल में सब्जी एवं फल मंडी यार्ड विकसित करने में उदासीनता के चलते पुरानी मंडी के इर्द-गिर्द के रास्तों पर मुसीबतें बढ़ रही हैं।

नया फल एवं सब्जी मंडी यार्ड विकसित करने के लिए विधायक दीपचंद खैरिया के प्रयास से नगरपालिका प्रशासन की ओर से कृषि उपज मंडी समिति खैरथल को पर्याप्त भूमि निशुल्क दे दिए जाने के बावजूद उदासीन रवैए के चलते अभी तक भी कोई प्रगति नहीं दिखाई दे रही है। कस्बे के रेलवे स्टेशन व फाटक के समीप करीब 45 साल पहले नगरपालिका द्वारा जोहड को मिट्टी भर्त करवा कर सब्जी मंडी विकसित की गई थी जहां ग़ैर सब्जी फल व्यवसायियों के काफी संख्या में घुस जाने के परिणामस्वरूप थोक फल व्यापारियों को सब्जी मंडी के इर्द-गिर्द दुकानों किराये पर लेकर व्यापार करना पड रहा है।

आस पास के कस्बों व गांवों से फल सब्जी का क्रय-विक्रय करने आने वालों के बडी संख्या में छोटे बडे, वाहनों, लोडिंग रिक्शाओं, दुपहिया वाहनों के खडे रहने के साथ फल व्यापारियों द्वारा दुकान से बाहर बीस तीस फीट रोड पर सामान डिस्प्ले कर रखने के कारण किशनगढ रोड व रेलवे स्टेशन रोड और हेमू कालानी चौक पर वाहनों को घंटों जाम में फंसे रहने के बाद बमुश्किल अपने गंतव्य की ओर जाने की राह मिल पाती है।

इसी रोड पर ही कस्बे का एक मात्र रेलवे फाटक संख्या 93 जोकि रेलवे स्टेशन से सिर्फ 500 मीटर की दूरी पर स्थित है, पर भी हर समय वाहनों की चिल्ल-पों लगी रहती है। इस फाटक से जुड़े पांच रास्तों जयपुर रोड, हरसौली रोड, लिंक रोड, किशनगढ रोड, चालीस फुटा रोड भी जाम हो जाना सामान्य बात है। एक बार फाटक खुलने के बाद दूसरी ट्रेन के गुजरने के लिए फाटक को बंद करने में कई बार हालात इतने खराब हो जाते हैं कि आरपीएफ, जीआरपी और मुकामी थाना पुलिस के दर्जनों जवानों को भारी मशक्कत के बाद फाटक बन्द करवाने में सफलता हासिल होती है। इस दौरान द्रुतगामी रेलों तक को फाटक बंद होने और लाइन क्लियर मिलने की इंतजार में दोनों तरफ खडे रहकर इंतजार करने की नौबत आ जाती है।

वृद्धा की खून से सनी लाश मिली

राजगढ़, (निसं)। थाना क्षेत्र के ग्राम भगत का भात बबली में मकान के अंदर वृद्धा की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। इस हादसे की सूचना थाना पुलिस को दी गई। थाना प्रभारी विनोद सांमरिया ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब 1:बजे सूचना मिली की भगत का बॉस बबेली मकान के अंदर वृद्धा का शरीर पडा है। इधर अधीक्षक अंजलि अजीत जोरवाल एवं थाना प्रभारी ने मौके पर डॉग स्क्वायड, एमआईयू एवं एफएसएल की टीमों को बुलाकर मौके पर गहनता से जांच पडताल कराई। इसके बाद राजगढ सीएचसी में वृद्धा केशव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर लाश परिजनों को सौंपी। पुलिस ने बताया कि भगत का बास निवासी हीरालाल ने दर्ज कराया कि छोटी देवी पत्नी किशोरी लाल बेरवा 70 वर्ष की अज्ञात कारणों के चलते अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी।

हरित बहरोड़ कार्यक्रम आयोजित

बहरोड़/ नीमराना, (निसं)। बहरोड़ तहसील के सामुदायिक भवन में प्रात: 9 बजे उपखंड अधिकारी सचिन यादव की अध्यक्षता में वृक्षारोपण को बढावा देने तथा पर्यावरण संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए राजस्व वन महोत्सव एवं हरित राजस्थान की तर्ज पर हरित अलवर, हरित बहरोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक शिक्षा अधिकारी तथा अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बहरोड़ तथा वन विभाग बहरोड़ के सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके तहत उपखंड अधिकारी सचिन यादव ने पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर कम से कम 3 वर्ष तक रोपित पौधे की देखभाल करने का संकल्प लेने का आव्हान करते हुए सभी उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों तथा बच्चों से आव्हान किया। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन जागुवास विद्यालय की कमलेश यादव द्वारा किया गया तथा अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बहरोड़ की तरफ से कार्यक्रम व्यवस्था की देखरेख एवं वन विभाग की तरफ से विभिन्न प्रकार के पौधों की व्यवस्था की गई।

फार्म पॉण्ड को टूटने से बचाने के लिए काट दी सड़क

निवाई, (निसं)। क्षेत्र में हो रही तेज बारिश के चलते गांव सूरज का खेड़ा के पास खेत में बने फार्म पॉण्ड को टूटने से बचाने के लिए अज्ञात व्यक्ति ने सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई डामर सड़क को जेसीबी से काट दिया जिससे पानी के दबाव से सड़क

- पानी के दबाव से सड़क बह गयी और रास्ता अवरुद्ध हो गया

बह गयी और रास्ता अवरुद्ध हो गया।

अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता रविंद्र कुमार ने पुलिस थाना निवाई सदर में एफ आई आर दर्ज करने का पत्र लिखा है। जानकारी के अनुसार गांव सुनारा से सूरज का खेडा सडक पर सूरज का खेडा के पास तेज बारिश से खेतों में पानी भर गया वहीं पर बने एक फार्म पॉण्ड को टूटने से बचाने के लिए अज्ञात व्यक्ति ने पहले तो जेसीबी की मदद से ऊंची मिट्टी की दीवार बना दी जिससे भी पानी नहीं रुका तो सड़क को काटकर पानी को निकाल दिया जिससे सड़क बह गई और सुनारा से सूरज का खेडा जाने वाला रास्ता अवरुद्ध हो गया। सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता रविंद्र कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही सडक पर मिट्टी डलवा कर रास्ता चालू करवा दिया है। उन्होंने बताया कि सड़क काटने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ निवाई सदर थाने में मुकदमा दर्ज करने के लिए पत्र लिख दिया है।

गांव सुनारा से सूरज का खेड़ा मार्ग पर टूटी हुई सड़क।

विद्यालय विकास के लिये योगदान

सांभरझील, (निसं)। यहां की महात्मा गांधी राजकीय दरबार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) में हिन्दी व्याख्याता भंवर सिंह चौधरी, वरिष्ठ लिपिक बालचंद कुमावत की तरफ से शनिवार को सेवानिवृति के मौके पर स्वप्रेरणा से कार्यालय उपयोग हेतु अलमारी के लिये प्रत्येक ने 11 हजार रूपये का आर्थिक योगदान दिया। इसी प्रकार विद्यालय में कार्यरत कंप्यूटर शिक्षक मानसिंह खंगारोत के पिता ठाकुर छीतरसिंह द्वारा 11 हजार, कमल किशोर सेन द्वारा पांच हजार पांच सौ इक्कावन,अभिभावक रामरतन कुमावत, बनवारी सिंघानिया, मुकेश उज्ज्वल, कैलाश किशोर शर्मा की ओर से प्रत्येक ने पांच हजार एक सौ रूपये विद्यालय विकास हेतु प्रदान किये। प्रधानाचार्य टीकमचन्द मालाकार ने बताया कि लगातार भामाशाहों की ओर से मिल रहे आर्थिक योगदान से विद्यालय की भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति में सहयोग मिलेगा वहीं अनेक विकास के कार्यों को और गति मिल सकेगी। सांभर के द्वारका प्रसाद सोनी द्वारा विद्यालय में प्रत्येक शनिवार नो बैग-डे को 1 घंटा नि:शुल्क योग शिक्षा देने के लिए सम्मानित किया गया।

सार-समाचार

नाले से अतिक्रमण हटाने की मांग

पावटा, (निसं)। पावटा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत की ढाणी मालेरा, गांव किडारोद व पाथरेडी के बीच से निकलने वाला नाला जो साबी नदी से जुड़ा है। जिससे पूरे आस पास के क्षेत्र के बारिश का पानी उसी नाले से होकर जाता है। वहीं उसी नाले पर गैर कानूनी रास्ता बनाकर अतिक्रमण किया जा रहा है। जिससे नाले से पानी की निकासी ठप हो जायेगी व पानी किसानों के खेतों में घुसेगा व किसानों की फसल बर्बाद हो जायेगी। सरकार के नियमानुसार किसी भी नाले, गोचर भूमि व नदी की भूमि में रोड नहीं बनाया जा सकता। जिस पर ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों व प्रशासन से अतिक्रमणकारियों पर रोक लगाने व नाले को खाली करवाने व अतिक्रमणकारियों पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं पावटा तहसीलदार ओम प्रकाश गुर्जर ने बताया कि पटवारी को जांच के आदेश दे दिये गए है। जांच के बाद दोषी के खिलाफ उचित कार्यवाही की जायेगी

'जल क्रांति' कार्यक्रम को लेकर संपर्क

रामगढ़ पचवारा, (निसं)। राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आव्हान किए गए जलक्रांति कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मीणा के कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न जगहों पर दस्तक दी गई एवं कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा लोगों को पीले चावल बांटकर वहां पहुंचने के लिए आमंत्रित किया गया। विश्व आदिवासी दिवस पर नौ अगस्त को आदिवासी हाईकोर्ट नांगल राजावतान पर आयोजित होने वाली घर घर जाकर यात्रा के आयोजन को लेकर क्षेत्र में प्रचार प्रसार किया जा रहा है। इस जल क्रांति अभियान की थीम जल बचाओ एवं कल बताओ रहेगी। जल क्रांति कार्यक्रम को लेकर राज्यसभा सांसद मीणा के कार्यकर्ता मुकेश रामगढ ने बताया कि गुरुवार को लालसोट, कोथून रोड, लाडपुरा, लाखनपुर, बडकापाडा, शिवसिंहपुरा, तलावगांव, महाराजपुरा, देवली, भगवतपुरया, सोनंदा, नगरियावास, बिलौना. बगडी सहित दर्जनों गांवों ढाणियो का दौरा करके जल क्रांति को सफल बनाने के लिए हाईकोर्ट नांगल में पहुंचने की अपील की गई।

गौवंश को बचाने का संकल्प

मालपुरा, (निसं)। गौवंश में तीव्र गति से फैल रहे लम्पी स्कीन रोग के संक्रमण की रोकथाम व जागरूकता को लेकर शनिवार को केन्द्रीय भेड़ व ऊंन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में वैज्ञानिक व पशु चिकित्साकर्मियों की संयुक्त कार्यशाला आयोजित की गई। एसडीएम रामकुमार वर्मा, संस्थान निदेशक डॉ. अरूण कुमार तोमर व पशु चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. अनिल परतानी की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में केन्द्रीय संस्थान के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों ने कार्यशाला में मौजूद पशु चिकित्सकों व ब्लॉक के पशुधन सहायकों से अपने अनुभव सांझा करते हुए लम्पी स्कीन रोग को महामारी का रूप लेने से पहले ही मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र में जनजागरूकता अभियान चला पशुपालकों को जागरूक कर गौवंश को बचाने का संकल्प लिया।

101 तुलसी के पौधे दान किये

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स के द्वारा शनिवार प्रात: 6:30 बजे शहर के मध्य स्थित महात्मा गांधी स्टेडियम में हिंदू संस्कृति के हर - घर तुलसी पौधा के तहत 101 लोगों को तुलसी के पौधे वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। हर घर तुलसी पौधा वितरण कार्यक्रम के दौरान मेंबरशिप कमेटी चेयर पर्सन लायन प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि तुलसी जी की स्थापना से आध्यात्मिकता का मार्ग प्रशस्त होता है। आयोजन की शुरुआत लायन पंडित रघुनंदन शास्त्री ने मंत्रोचार के साथ करवाई साथ ही लायन अध्यक्ष राकेश रोहिल्ला, सचिव मुकेश यादव, कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, राकेश गोयल, संदीप अग्रवाल, विपिन दीवान, प्यारे लाल सैनी, निर्मल कौशिक, आलोक अग्रवाल, नवीन गोयल उपस्थित रहे।

टीकाकरण का संकल्प लिया

नारायणपुर, (निसं)। राजस्थान में इन दिनों गौवंशों में तेजी से फ़ैल रही लंपी नामक बीमारी के रोकथाम के लिए पूर्व मंत्री डॉ.रोहिताश शर्मा ने अपने जन्मदिन पर गौवंश बचाओ अभियान के तहत बानसूर विधानसभा के गौवंशों को टीकाकरण कराने का संकल्प लिया है। इसके लिए पूर्व मंत्री ने शनिवार को नारायणपुर कस्बे में स्थित पुरुषोत्तमदास आश्रम में महामंडलेश्वर जनार्दनदास महाराज की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर बानसूर विधानसभा में स्थित 15 गौशालाओं के करीब 10 हजार गोवंशों को टीकाकरण करने का संकल्प लिया है। इसके लिए पूर्व मंत्री ने बाजार से वेक्सीन खरीद कर टीकाकरण की तैयारी पूरी कर ली है। अभियान का शुभारम्भ पूर्व मंत्री डॉ.रोहिताश शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर 8 अगस्त से किया जायेंगा। इसमे गौशाला के अलावा आवारा गोवंशो को भी टीकाकरण किया जायेगा।

पुलिस ने तिरंगा मार्च निकाला

अलवर, (निसं)। आगामी त्यौहार एवं पूरे देशभर में आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के मध्येनजर साम्प्रदायिक सद्भावना हेतु जिला पुलिस अधीक्षक एवं जिला कलेक्टर के नेतृत्व में पुलिस थाना कोतवाली से घंटाघर, पंसारी बाजार, वीर चौक, होप सर्कस, से वापस थाना कोतवाली तक तिरंगा मार्च निकाला गया। तिरंगा यात्रा में जिला कलेक्टर डॉ जितेंद्र सोनी व पुलिस अधिक्षका तेजस्वनी गौतम सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। तिरंगा मार्च में अति. पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, अति. पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, वृताधिकारी वृत उत्तर, थानाधिकारी कोतवाली, शिवाजीपार्क, एनईबी, अरावली विहार, महिला थाना, संचित निरीक्षक पुलिस लाईन अलवर सहित करीब 100०-125 पुलिसकर्मी एवं पुलिस बैंड ने हिस्सा लिया।

लोक अदालत की तैयारी बैठक

सांभरझील, (निसं)। यहां न्यायालय परिसर में अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश बृजेश कुमार शर्मा व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला समरेंद्र सिंह सिकरवाल की अध्यक्षता अधिवक्ताओं के साथ 13 अगस्त को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन हेतु बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से करवाने के संबंध में चर्चा की गई। मिटिंग में बार एसोसिएशन के सचिव सुरेश शर्मा, उपाध्यक्ष युगराज माथुर, पैनल अधिवक्ता रतनलाल चौधरी, राजेन्द्र चौपड़ा, लालचन्द कुमावत, प्रेमचन्द भहडा, लक्ष्मीनारायण कल्वानिया, तेजपाल कुमार कुमावत, निशांत शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सरकार एथलीटों को सर्वोत्तम सुविधाएं और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप ओलंपिक खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारत के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। - अनुराग ठाकुर

केन्द्रीय खेल मंत्री, देश में खेलों के विकास के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

साक्षी मलिक

राष्ट्रमंडल खेलों के लिये हुए कुश्ती ट्रायल्स में अगर ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक शीर्ष पर नहीं रही होती तो वह पिछले दो साल से चले आ रहे 'आत्मविश्वास के संकट' से पार नहीं पा पाती। वह डगमगाये आत्मविश्वास के कारण संन्यास लेने पर भी विचार कर रही थीं। उन्होंने कहा, "मेरा आत्मविश्वास गिरा हुआ था। मेरे कोचों ने मुझे कहा कि मैं सीनियर और जूनियर खिलाड़ियों में सबसे फिट थी और मेरे अंदर ताकत भी है। साक्षी ने कहा, "मैं हैरान होती थी कि मेरे साथ क्या गलत हुआ। यह दुर्भाग्य ही था। मैंने मई में ट्रायल्स जीते और फिर मैंने अपने खेल पर भरोसा करना शुरू कर दिया।

क्या आप जानते हैं ?... 1950 के विश्व कप फुटबाल के मेजबान ब्राजील की फाइनल में उरुग्वे की हार से आयोजक इतने निराश हुए कि वे विजेता उरुग्वे को विजयी ट्रॉफी देना तक भूल गये।

पुरुष फोर्स लॉन बॉल में भारत को मिला रजत

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय पुरुष फोर्स लॉन बॉल टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को फाइनल में नॉर्थर्न आइलैंड से हारने के बाद रजत से संतोष किया। नॉर्थर्न आइलैंड ने भारत को 15-8 से मात देकर स्वर्ण पदक हासिल किया। भारतीय टीम मैच के ज्यादातर हिस्से में मुकाबले से बाहर नज़र आयी, जबकि नॉर्थर्न आइलैंड ने एक के बाद एक पॉइंट स्कोर किया।

यह बर्मिंघम 2022 के लॉन बॉल आयोजन में भारत का दूसरा पदक है। इससे पहले भारतीय महिला फोर्स लॉन बोल टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को मात देकर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया था। भारत अब तक राष्ट्रमंडल खेल 2022 में नौ स्वर्ण, 10 रजत और नौ कांस्य सहित 28 पदक जीत चुका है।

पूजा गहलोत ने महिला 50 किग्रा में जीता कांस्य

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय पहलवान पूजा गहलोत ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को स्कॉटलैंड की क्रिस्टेल लेमोफेक को हराकर कांस्य पदक हासिल किया। पूजा ने कांस्य पदक मैच में स्कॉटलैंड की पहलवान को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर मात दी। क्रिस्टेल ने मैच की शुरुआत में पूजा को टेकडाउन कर दो अंक हासिल कर लिये थे, लेकिन पूजा ने बिना समय व्यर्थ किये 12 पॉइंट हासिल किये, जिसके बाद उन्हें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर विजेता घोषित कर दिया गया।

दिव्या और मोहित ने जीते कांस्य

बर्मिंघम, 6 अगस्त। दिव्या काकरान (महिला 68) और मोहित ग्रेवाल (पुरुष 125) ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीत लिए हैं। दिव्या काकरान ने शुक्रवार को टोंगा की टाइगर लिली लेमाली को मात देकर कांस्य पदक जीता। दिव्या ने कांस्य पदक मैच में टाइगर लिली को हराने के लिये सिर्फ 26 सेकंड का समय लिया। दिल्ली स्टेट चैंपियनशिप में 60 पदक जीत चुकी दिव्या ने मैच शुरू होते ही टाइगर लिली को अपनी गिरफ्त में कस लिया और उन्हें चित्त (विन बाई फॉल) करके मुकाबला जीता। मोहित ग्रेवाल ने 125 किग्रा के कांस्य पदक मैच में जमैका के आरोन जॉनसन को चित्त करके कांस्य पदक प्राप्त किया। भारत बर्मिंघम 2022 में अब तक 27 पदक जीत चुका है, जिसमें से छह पदक कुश्ती से आये हैं। साथ ही भारत नौ स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गया है।

इंग्लैंड पर रोमांचक जीत से भारत महिला क्रिकेट के फाइनल में

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड को शनिवार को रोमांचक सेमीफाइनल में चार रन से हराकर महिला क्रिकेट के फ़ाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत ने स्मृति मंधाना (61) और जेमीमाह रॉड्रिगेज़ (44) की पारियों की बदौलत पांच विकेट पर 164 रन बनाये और फिर इंग्लैंड की चुनौती को 20 ओवर में छह विकेट पर 160 रन पर रोक लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति ने भारत को मज़बूत शुरुआत दिलायी। उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने पावरप्ले में 64 रन जोड़े। भारत का पहला विकेट 76 रन पर शफाली वर्मा के रूप में गिरा जिन्होंने 17 गेंदों पर 15 रन बनाये। इसके फौरन बाद ही स्मृति भी 32 गेंदों पर 61 रन बनाकर पवेलियन लौट गयीं।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (20) के आउट होने के बाद पारी की कमान जेमीमाह और दीप्ति शर्मा ने संभाली। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिये 38 गेंदों पर 53 रन जोड़े। दीप्ति 20 गेंदों पर दो चौकों की बदौलत 22 रन बनाकर आउट हो गयीं, जबकि रॉड्रिगेज़ ने 31 गेंदों पर सात चौके लगाकर 44 रन की नाबाद पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से फ्रेया केंप ने दो विकेट लिये जबकि कैथरीन ब्रंट और कप्तान नैटली सिवर ने एक-एक विकेट लिया।

आख़िरी ओवर में इंग्लैंड को छह गेंदों में 14 रन बनाने थे। आखिरी ओवर में भारतीय टीम सिर्फ़ तीन फ़ील्डर ही बाहर रख सकती थी क्योंकि धीमें ओवर रेट के कारण उन्हें पेनल्टी मिली थी। स्नेह राणा ने इस ओवर की तीसरी गेंद पर कैथरीन ब्रैंट को कप्तान हरमनप्रीत के हाथों कैच कराकर भारत की जीत का रास्ता खोल दिया। सोफ़ी एकलस्टन ने आखिरी गेंद पर छक्का मारा लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

इस जीत से झूम उठी भारतीय टीम। एक सपना जो उन्होंने देखा था इस टूर्नामेंट से पहले, अब वो उसके काफ़ी क़रीब पहुंच चुकी हैं। आज भारतीय टीम ने जिस तरीक़े से शुरुआत की थी, उससे यह साफ़ पता चल गया था कि वह इस मुक़ाबले को किस तरह से आगे बढ़ाना चाहती हैं। हालांकि इंग्लैंड की टीम ने भी लगातार दबाव बनाए रखा लेकिन मैच के आख़िरी पलो में वे भारतीय गेंदबाज़ी के सामने कारगर प्रहार करने में विफल रहीं।

भारतीय टीम की तरफ़ से पहले बल्लेबाज़ी में स्मृति और जेमिमाह ने बढ़िया बल्लेबाजी की और जब गेंदबाज़ी की बारी आई तो सभी स्पिनरों ने कमाल की गेंदबाज़ी की। इंग्लैंड की तरफ से कप्तान नैटली सीवर ने सर्वाधिक 41 और ओपनर डैनी वायट ने 35 रन बनाये। भारत की तरफ स्नेह राणा के दो विकेटों के अलावा दीप्ति शर्मा ने 18 रन पर एक विकेट लिया।

सिंधु सेमीफाइनल में, आकर्षी बाहर

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को मलेशिया की गोह जिन वी को 2-1 से मात देकर महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बनायी, जबकि आकर्षी कश्यप स्कॉटलैंड की कर्स्टी गिलमोर से हारकर बाहर हो गयीं।

पुसरला वेंकट सिंधु ने गोह को तीन गेमों के मैच में 19-21, 21-14, 21-18 से मात दी। दोनों खिलाड़ी इससे पहले तीन बार आमने-सामने आ चुके थे और सिंधु ने तीनों बार जीत दर्ज की थी। बर्मिंघम 2022 के मिश्रित टीम फाइनल में भी दोनों ने एक दूसरे का सामना किया था, जहां सिंधु ने 22-20, 21-17 से सीधे गेमों में गोह को मात दी थी।

यहां हालांकि गोह ने अपनी भारतीय प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ बेहतर मुकाबला पेश किया। उन्होंने पहला गेम 21-19 से जीता और अगले दो गेमों में भी सिंधु को जीत हासिल करने के लिये बहुत मेहनत करनी पड़ी। सिंधु ने कोर्ट के हर कोने में शॉट खेले और अंतत: गोह तीसरे गेम में बेहद थकी हुई और हतोत्साहित नज़र आयीं। नतीजतन सिंधु ने अगले दो गेम 21-14, 21-18 से जीतते हुए लगातार तीसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में कदम रखा।

दूसरी ओर, सिंधु की हमवतन आकर्षी कश्यप को अपने क्वार्टरफाइनल मैच में स्कॉटलैंड की कर्स्टी गिलमोर के हाथों 2-0 हार मिली। गिलमोर ने आकर्षी को 21-10, 21-7 के सीधे गेमों में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी।

शरत ने टेबल टेनिस में भारत के दो और पदक पक्के किये

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी अचंता शरत कमल ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को पुरूष और मिश्रित युगल फाइनल में जगह बनाकर दो और पदक पक्के कर लिये। शरत और जी साथियान ने आस्ट्रेलिया के निकोलस लुम और एम जी को 11.9, 11.8, 9.11, 12.14, 11.7 से हराया। अब उनका सामना फाइनल में इंग्लैंड के पॉल ड्रिंकहाल और लियाम पिचफोर्ड से होगा। शरत और श्रीजा अकुला ने मिश्रित युगल में निकोलस लुम और लू फिन को 11.9, 11.8, 9. 11, 12. 14, 11.7 से मात दी। महिला एकल में श्रीजा सिंगापुर की तियांवेइ फेंग से 6.11, 11.8, 11.6, 9.11, 8.11, 11.8, 10.12 से हार गई।

इससे पहले पुरूष एकल में शरत ने सिंगापुर के योंग इजाक क्वेक को 11.6, 11.7, 11.4, 11.7 से हराया। वहीं साथियान ने इंग्लैंड के सैम वॉकर को 11.5, 11.7, 11.5, 8.11, 10.12, 11.9 से मात दी। साथियान ने कहा ," यह शानदार मैच था। पूरा श्रेय सैम को जाता है जो शानदार खेला। मैने उसे पहले कभी नहीं हराया है और मेरे दिमाग में यह बात थी। मैने अपना संयम बनाये रखा और जीतकर खुश हूं।"

सानिल शेट्टी हालांकि एक गेम से बढत बनाने के बाद स्थानीय खिलाड़ी लियाम पिचफोर्ड से 11.9, 6.11, 8.11, 8.11, 4.11 से हार गए। महिला युगल में श्रीजा अकुला और रीथ टेनिसन और मनिका बत्रा तथा दिया चितले अंतिम 16 के मैच जीत गई। श्रीजा और टेनिसन ने वेल्स की शोल अन्ना थॉमस वू झांग और लारा विटन को 11.7, 11.4, 11.3 से हराया। वहीं बत्रा और चितले ने मॉरीशस की जे नंदेश्वरी और ओ होसेनाली को 11.5, 11.5, 11.3 से मात दी।

निखत, नीतू, पंघाल फाइनल में, जैस्मीन हारी

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय मुक्केबाज निखत ज़रीन, अमित पंघल और नीतू घंघस ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को अपने-अपने वर्ग के मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी, जबकि जैस्मीन लंबोरिया को हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन निखत ने महिला 50 किग्रा लाइट फ्लाइवेट सेमीफाइनल में इंग्लैंड की सवानाह अल्फिया स्टब्ली को 5-0 से रौंदा। पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा ले रही निखत ने क्वार्टरफाइनल में वेल्स की हेलेना जोन्स को भी 5-0 से मात दी थी।

पंघल ने 51 किग्रा फ्लाइवेट सेमीफाइनल मैच में ज़ाम्बिया के पैट्रिक चिनयेंबा को सर्वसम्मत निर्णय से मात दी। पंघल लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले उन्होंने गोल्डकोस्ट 2018 खेलों में रजत पदक जीता था। उनका फ़ाइनल में वेल्स के कियारन मैक्डोनाल्ड से रविवार को मुकाबला होगा। दूसरी ओर, नीतू ने महिला 48 किग्रा सेमीफाइनल में कनाडा की प्रियंका ढिल्लन को मात दी। इस जीत के साथ उन्होंने अपने लिये रजत पदक पक्का कर लिया है। इसी बीच, जैस्मीन को सेमीफाइनल में इंग्लैंड की जेमा पेज रिचर्टसन के हाथों हार मिली।

साबले ने 3000 मीटर स्टीपलचेज में जीता रजत

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारत के अविनाश साबले ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में रजत पदक अपने नाम किया। साबले ने 8:11.20 मिनट के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ दौड़ को दूसरे स्थान पर पूरा किया, जबकि केन्या के अब्राहम किबिवोट 8:11.20 मिनट में दौड़ को पूरा करके पहले स्थान पर रहे। दौड़ के शुरुआती पलों में किबिवोट और उनके हमवतन आमोस सेरेम पहले एवं दूसरे स्थान पर चल रहे थे, लेकिन आखिरी क्षणों में साबले ने अपनी रफ्तार बढ़ाते हुए दूसरा स्थान हासिल किया, हालांकि वह 0.05 सेकंड से स्वर्ण पदक से चूक गये। सेरेम ने 8:16.83 मिनट के साथ कांस्य पदक से संतोष किया।

राणा का शानदार प्रदर्शन लंबे समय तक याद रहेगा : मंधाना

बर्मिंघम, 6 अगस्त। स्मृति मंधाना ने भले ही 61 रन की पारी खेलकर राष्ट्रमंडल खेलों की क्रिकेट स्पर्धा के सेमीफाइनल में भारत की इंग्लैंड पर यादगार जीत की नींव रखी हो लेकिन इस स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज का कहना है कि अंतिम ओवरों में स्नेह राणा की शानदार गेंदबाजी बरसों तक याद रखी जायेगी। राणा (चार ओवर में 28 रन देकर दो विकेट) और दीप्ति शर्मा (चार ओवर में 18 रन देकर एक विकेट) ने मंधाना के टी20 क्रिकेट में तेज अर्धशतक के बाद भारत को यादगार जीत दिलायी।

मंधाना ने मैच के बाद कहा, "इस तरह के मैचों में भूमिकायें बदलनी चाहिए। दीप्ति के मध्य के ओवर महत्वपूर्ण थे। राणा ने शानदार गेंदबाजी की जबकि 'डीप' में तीन क्षेत्ररक्षक ही मौजूद थीं। उनकी गेंदबाजी लंबे समय तक याद रखी जायेगी। मंधाना के लिये इस मैच में किसी भी हाल में जीतना महत्वपूर्ण था क्योंकि वह टीम की कुछ करीबी हार देख चुकी हैं जसमें 2017 वनडे विश्व कप फाइनल भी शामिल है।

शतरंज ओलंपियाड : गुकेश की 8 मैचों में आठवीं जीत से भारत 'बी' ने अमेरिका को हराया

मामल्लापुरम, 6 अगस्त। किशोर ग्रैंडमास्टर (जीएम) डी गुकेश ने दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारुआना को शिकस्त दी जिससे भारत 'बी' टीम ने 44वें शतरंज ओलंपियाड में शनिवार को यहां ओपन वर्ग में पुरूषों की शीर्ष वरीयता प्राप्त टीम अमेरिका को 3-1 से हराया। शानदार लय में चल रहे गुकेश की यह आठ मैचों में आठवीं जीत है जिससे वह लाइव रेटिंग में महान विश्वनाथन आनंद से दूसरे सर्वश्रेष्ठ भारतीय बन गये। टीम के एक अन्य किशोर खिलाड़ी जीएम रौनक साधवानी अपने से बेहतररैंकिंग वाले खिलाड़ी जीएम लिनियर डोमिनिग्ज पेरेज को ने 45 चालों में शिकस्त देकर चौका दिया। इसे बाद जीएम निहाल सरीन और आर प्रज्ञानानंद ने क्रमश: लेवोन अरोनियन और वेस्ले सो के खिलाफ अपने ड्रॉ खेलकर टीम को जीत दिला दी। ओपन वर्ग के एक अन्य मुकाबले में भारत 'सी' की टीम पेरू के खिलाफ 0.5-2.5 से पीछे है। भारत 'ए' और तालिका में शीर्ष पर काबिज आर्मेनिया के बीच बराबरी का मुकाबला चल रहा है। जीएम विदित संतोष गुजराती और एस एल नारायणन ने क्रमश: हरंत मेलकुम्यन और रॉबर्ट होवननिस्यान के खिलाफ ड्रा खेला। महिलाओं के वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत 'ए' और यूक्रेन का मुकाबला 1.5-15 की बराबरी पर है। भारत 'सी' को पोलैंड से 1-3 की हार का सामना करना पड़ा जबकि भारत 'बी' ने क्रोएशिया को 3.5-1.5 से हराया।

8000 वनडे रन बनाने वाले पहले बांग्लादेशी बने तमीम

हरारे, 6 अगस्त। बांग्लादेश के वनडे कप्तान तमीम इकबाल इस समय शानदार फ़ॉर्म में चल रहे हैं। वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ हुई बांग्लादेश की पिछली वनडे सीरीज़ में वह प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ थे। जनवरी 2021 से नियमित वनडे कप्तान बनने के बाद से उन्होंने बांग्लादेश को सात में से छह सीरीज़ जिताए हैं। उन्होंने पिछला पांच वनडे सीरीज़ लगातार जीता है। तमीम ने 2007 में अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी और वह बांग्लादेश के महानतम सलामी बल्लेबाज़ हैं। 229 वनडे मैचों में उन्होंने बांग्लादेश के लिए सर्वाधिक 8005 रन बनाए हैं। इसके अलावा वह मुशफ़िक़ुर रहीम के बाद बांग्लादेश के लिए दूसरे सबसे अधिक टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज़ भी हैं।

तमीम इससे पहले बांग्लादेश के लिए सबसे पहले 5000, 6000 और 7000 वनडे रन बनाने वाले भी पहले बल्लेबाज़ बने थे। 7000 से 8000 रन तक पहुंचने के लिए तमीम ने 23 पारियां ली और दो शतक लगाए। हालांकि कम वनडे मैच होने के कारण उन्हें इस उपलब्धि पर पहुंचने में दो साल से अधिक का समय लग गया। दिलचस्प बात यह है कि वनडे क्रिकेट में जिन नौ सलामी बल्लेबाज़ों ने 8000 से अधिक रन बनाए हैं, उसमें छह बाएं हाथ के बल्लेबाज़ हैं।

प्रीमियर बैडमिंटन लीग का छठा सीजन 17 दिसंबर से होगा शुरू

नयी दिल्ली, 6 अगस्त। प्रीमियर बैडमिंटन लीग (पीबीएल) की बहुप्रतीक्षित छठे सीजन के साथ वापसी हो रही है। यह सीजन 17 दिसंबर से 14 जनवरी तक आयोजित होगा। पीबीएल दुनिया की शीर्ष बैडमिंटन लीग्स में से एक है। इसका आयोजन भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के तत्वावधान में लीग के आधिकारिक लाइसेंस धारक- स्पोर्टसलाइव द्वारा किया जाता है।

महामारी के कारण लीग का छठा संस्करण दो बार के ब्रेक के बाद आयोजित किया जा रहा है। अब यह लीग एक बार फिर प्रशंसकों के लिए रोमांचक विश्व स्तरीय बैडमिंटन एक्शन लेकर आएगी। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के अध्यक्ष डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, हम पीबीएल की वापसी से रोमांचित हैं। यह भारतीय बैडमिंटन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसने देश में खेल के विकास में योगदान दिया है। इसने हमारे युवा खिलाड़ियों को इतने बड़े वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक बहुत ही आवश्यक मौका प्रदान किया है, और इसकी वापसी का इंतजार पूरी बैडमिंटन बिरादरी को था। प्रीमियर बैडमिंटन लीग 2016 में अपनी शुरुआत के बाद से भारतीय बैडमिंटन उत्थान के मामले में एक गेम चेंजर के रूप में उभरा है।

बीएआई सचिव संजय मिश्रा ने कहा, भारतीय शटलरों को पीबीएल में दुनिया के महानतम खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए बहुत फायदा हुआ है। नवोदित खिलाड़ी सीनियर खिलाड़ियों से घुले-मिले हैं और इससे उनके आत्मविश्वास और अनुभवों में इजाफा हुआ है। मुझे दृढ़ विश्वास है कि लीग आने वाले समय में बहुत अधिक बेंच स्ट्रेंथ बनाने के लिए बीएआई को एक मजबूत मंच प्रदान करेगी। लीग के पिछले पांच संस्करणों में दुनिया के सबसे बड़े नामों जैसे भारतीय सितारों-सायना नेहवाल, पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत के साथ-साथ ओलंपिक चैंपियन स्पेन की कैरोलिना मारिन, डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन, ताइवान की ताई त्ज़ु-यिंग और मलेशिया के ली चोंग वेई ने हिस्सा लिया है।

स्पोर्टसलाइव के प्रबंध निदेशक प्रसाद मांगिपुडी ने कहा, यह हम सभी के लिए एक कठिन दौर था। हम बहुत भाग्यशाली हैं कि लोगों ने प्यार किया है और उनका प्यार इस लीग को बैडमिंटन की दुनिया की सबसे बड़े आयोजनों में से एक बनाता है। लीग की शुरुआत से लेकर आज की तारीख तक, भारत में खेल का स्तर काफी ऊपर चला गया है। हम भारत में बैडमिंटन के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस प्रकार, प्रीमियर बैडमिंटन लीग की वापसी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हम इस सीजन के दौरान प्रशंसकों के लिए हमेशा की तरह रोमांचक खेल का वादा करते हैं। थॉमस कप और राष्ट्रमंडल खेलों में जीते गए पदकों के बाद प्रीमियर बैडमिंटन लीग की वापसी निश्चित रूप से भारतीय बैडमिंटन प्रशंसकों और देश में इस खेल के प्रति रुचि जगाएगी।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और खेल मंत्री ने दी पहलवानों को बधाई

नयी दिल्ली, 6 अगस्त। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में पदक विजेता पहलवानों को उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए बधाई दी है। भारतीय कुश्ती दल ने खासा असाधारण प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रमंडल खेलों के 8वें दिन 6 पदक जीते जिनमें 3 स्वर्ण, 1 रजत और 2 कांस्य शामिल है। पुरुषों की फ्रीस्टाइल 65 किग्रा कुश्ती में बजरंग पुनिया, पुरुषों की फ्रीस्टाइल 86 किग्रा कुश्ती में दीपक पूनिया और महिला फ्रीस्टाइल 62 किग्रा कुश्ती में साक्षी मलिक ने स्वर्ण पदक जीते हैं। अंशु मलिक ने महिला फ्रीस्टाइल 57 किग्रा कुश्ती में रजत, जबकि महिला फ्रीस्टाइल 68 किग्रा कुश्ती में दिव्या काकरान ने और पुरुषों की फ्रीस्टाइल 125 किग्रा कुश्ती में मोहित ग्रेवाल ने कांस्य पदक जीते। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और देश के कोने-कोने से भारत के लोगों ने इन पदक विजेताओं को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाइयां दी है। राष्ट्रपति ने ट्वीट किया, "साक्षी मलिक ने राष्ट्रमंडल खेलों में कुश्ती में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कड़ी चुनौती को पार किया और भारतीयों को गौरवान्वित किया। आप हमारे युवाओं, खासकर लड़कियों के लिए एक आदर्श हैं। आप कामयाबी की और सीढ़ियां चढ़ें। हार्दिक बधाई!" एक अन्य ट्वीट में राष्ट्रपति ने कहा, "राष्ट्रमंडल खेलों में कुश्ती में लगातार दूसरा स्वर्ण जीतने और इतिहास रचने के लिए बजरंग पुनिया को बधाई। आपकी निरंतरता, समर्पण और उत्कृष्टता हमारे युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।

2.26 करोड़ की बोली के साथ पवन सहरावत बने पीकेएल के सबसे महंगे खिलाड़ी

मुंबई, 6 अगस्त। पवन कुमार सहरावत वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सत्र की नीलामी में 2.26 करोड़ की बोली के साथ सबसे महंगे खिलाड़ी बनकर सामने आये हैं। पीकेएल ने शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि नीलामी में इस सीज़न में चार खिलाड़ियों ने एक करोड़ रुपये की सीमा को पार किया, जबकि पिछले सत्र में सिर्फ दो खिलाड़ियों ने ही इस आंकड़े को छुआ था।

प्रदीप नरवाल और सिद्धार्थ देसाई पिछली बार एक करोड़ रुपये के क्लब का हिस्सा थे, जबकि पवन कुमार सहरावत, विकास खंडोला, फज़ल अतरचली और गुमान सिंह ने कल की नीलामी में एक करोड़ रुपये के क्लब में जगह बनायी। सहरावत सर्वकालिक रिकॉर्ड तोड़ते हुए 2.26 करोड़ रुपये में तमिल थलाइवाज का हिस्सा बने। दूसरी ओर, विकास खंडोला को 1.70 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद बेंगलुरु बुल्स में एक नया घर मिला।

फ्रैंचाइजी द्वारा 90 लाख रुपये के फाइनल बिड मैच (एफबीएम) कार्ड का इस्तेमाल करने के बाद प्रदीप नरवाल यूपी योद्धा की ओर लौट आए।

ईरानी दिग्गज फ़ज़ल अतरचली ने पुनेरी पलटन में 1.38 करोड़ रुपये में शामिल होने के बाद अब तक के सबसे महंगे डिफेंडर और विदेशी खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह दोनों रिकॉर्ड पहले भी अतरचली के पास ही थे, जब उन्हें 2018 वीवो प्रो कबड्डी लीग में यू मुंबा ने एक करोड़ रुपये में चुना था।अतरचली के हमवतन, मोहम्मद एस्माइल नबीबक्श को पुनेरी पलटन ने 87 लाख रुपये में खरीदा।

यू मुंबा द्वारा 1.21 करोड़ रुपये में खरीदे गये गुमान सिंह श्रेणी बी में सबसे महंगे खिलाड़ी के रूप में उभरे। नीलामी के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स की ओर से पीकेएल के लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, खिलाड़ियों की नीलामी के पहले दिन सभी टीमों के लिए यह एक शानदार दिन था। सभी फ्रेंचाइजी ने अच्छी रणनीति बनाई और हमने देखा कि आज कुछ बेहतरीन बोलियां लगायी गयीं। कल हमारे पास बहुत सारी कार्रवाई होने वाली है और मुझे उम्मीद है कि सभी फ्रेंचाइज़ी अपनी वांछित टीम बनाने में सक्षम होंगी।

अंडर-20 विश्व चैम्पियनशिप : सेल्वा ने त्रिकूद में जीता रजत

कैली (कोलंबिया), 6 अगस्त। भारत के सेल्वा पी थिरुमारन ने विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में पुरुषों की त्रिकूद प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। सेल्वा शुक्रवार को 16.15 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ जमैका के जेडन हिबर्ट के पीछे रहे, जिन्होंने 17.27 मीटर की छलांग लगाई और स्वर्ण हासिल करने के साथ-साथ चैंपियनशिप रिकॉर्ड भी स्थापित किया। थिरुमन के छह प्रयासों में से सिर्फ शुरुआती तीन ही वैध करार दिये गये, जबकि बाकी तीन को फाउल घोषित किया गया। 17 वर्षीय भारतीय ने अपने दूसरे प्रयास में पदक जीतने वाली कूद लगायी। इससे पहले, भार ने 4400 मीटर मिश्रित रिले में कांस्य पदक और महिला 400 मीटर दौड़ में रूपल चौधरी की बदौलत रजत पदक जीता था। इस जीत के साथ रूपल विश्व चैंपियनशिप के एक आयोजन में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय भी बन गयी थीं।

हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण लिटन दास एक महीने के लिए बाहर

हरारे, 6 अगस्त। हरारे में बांग्लादेश और ज़िम्बाब्वे के बीच पहले वनडे में बल्लेबाज़ी करते हुए हैमस्ट्रिंग खिंचाव के चलते विकेटकीपर बल्लेबाज़ लिटन दास खेल से एक महीने के लिए बाहर हो गए हैं। लिटन उस वक़्त 81 पर खेल रहे थे जब एक तेज़ सिंगल लेने के बाद उन्होंने अपने पैर के पिछले हिस्से में दर्द का अनुभव किया। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाने के लिए स्ट्रेचर की ज़रूरत पड़ी।

टीम फ़िज़ियो मुज़द्दद ऐल्फ़ा सानी ने उनके चोट की पुष्टि बांग्लादेश के पांच विकेट से मैच हारने के बाद की। उन्होंने कहा, "लिटन दास पहले वनडे में बल्लेबाज़ी करते हुए अपनी हैमस्ट्रिंग पर चोटिल हुए हैं। हमने उन्हें तुरंत स्कैन के लिए भेजा और पाया कि उन्हें ग्रेड 2 मांसपेशियों में खिंचाव हुआ है। ऐसे इंजरी से उबरने में तीन से चार हफ़्ते लग जाते हैं और इसीलिए वह आगे इस सीरीज़ में नहीं खेलेंगे।"

लिटन की यह इंजरी उन्हें एशिया कप के मैचों के लिए भी संदेह में डाल सकती है। बांग्लादेश के शुरुआती मुक़ाबले 30 अगस्त को अफ़ग़ानिस्तान के विरुद्ध और 1 सितंबर को श्रीलंका के ख़िलाफ़ होंगे।

शुक्रवार को हुए मुक़ाबले में दो और बांग्लादेशी खिलाड़ी भी चोटिल हुए थे। मुशफ़ीक़ुर रहीम को बल्लेबाज़ी करते हुए उनके अंगूठे पर चोट लगी थी और वह फ़ील्डिंग करने नहीं उतरे थे। वहीं शोरिफ़ुल इस्लाम ने अपनी ही गेंद पर शतकवीर इनोसेंट काइया द्वारा लगाए हवाई शॉट को कैच करने के बजाय सीधा अपने घुटने से टकराने दिया था। शोरीफ़ुल मैदान छोड़ने के बाद वापस आए थे और उन्होंने एक ओवर करने का प्रयास भी किया लेकिन दर्द के चलते फिर उपचार के लिए ड्रेसिंग रूम चले गए थे।

सानी ने कहा, "मुशफ़िक़ भाई भी अपने अंगूठे पर चोटिल हुए लेकिन यह कुछ ख़ास नहीं है। शोरीफ़ुल को जब गेंद लगी तो उनका पैर सुन्न पड़ गया था। हमें उम्मीद है वह कल तक बेहतर होंगे और उनके बारे में हम ख़ुशख़बरी देंगे।" इससे पहले भी इस दौरे पर बांग्लादेश को झटका लगा था जब नुरुल हसन ऊंगली में चोट के चलते पिछले हफ़्ते दूसरे टी20 के बाद बाहर हो गए थे। नुरुल का एशिया कप के लिए फ़िट होना भी संदिग्ध है।

कोटपूतली में प्रशासन ने अवैध रूप से बनी 68 दुकानें व कई इमारतों को ध्वस्त किया।

कोटपूतली में प्रशासन ने अवैध निर्माण तोड़े

मास्टर प्लान के तहत हुई इस कार्यवाही के पहले चरण में 68 दुकानें व अन्य इमारतें तोड़ी गईं

- नगर परिषद प्रशासन ने भारी पुलिस जाप्ते के साथ सुबह 5 बजे से संरचनाएं तोड़ने की कार्यवाही की शुरू।
- कार्यवाही का विरोध करने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता मुकेश गोयल सहित आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया गया।
- आधे शहर में बिजली पानी व इंटरनैट सेवायें ठप्प हुईं।

कोटपूतली, 6 अगस्त (निसं)। नगर परिषद प्रशासन ने कोटपूतली में मास्टर प्लान 2011 के अनुरूप कस्बे के मुख्य चौराहे से लेकर नगरपालिका तिराहा तक 80 फीट व पूर्व सिनेमा से लेकर पूतली कट तक 60 फीट सड़कों को चौड़ा करने की कार्रवाई की। इसके लिए प्रशासन सुबह करीब 5 बजे एलएनटी, जेसीबी व पोपलैण्ड मशीनों व भारी मात्रा में स्टाफ कर्मियों सहित पुलिस का अमला निर्माण हटाने के लिए पहुंचा।

शनिवार को एलबीएस कॉलेज के छात्रावास की ओर 22 दुकानों समेत पुरानी नगर पालिका तिराहे पर अग्रसेन सर्किल के पास शेखावत भवन, भरगड़ प्लाजा, कौशिक मार्केट, पुस्तक मार्केट में करीब 68 दुकानें हटाई गई। प्रशासन द्वारा गठित चारों टीमों ने एक साथ कार्यवाही कर सुबह करीब 10 बजे तक अधिकांश संरचनाओं को ध्वस्थ कर दिया था। इस दौरान कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों के व्यापारी सामान तक नहीं उठा पाये थे कि प्रशासन की अतिक्रमण ध्वस्त मशीनें इमारतों को जमीरोंध करती नज़र आईं। कार्यवाही के दौरान पहले फेज में कुल 68 इमारतों को ध्वस्थ किया गया।

इसी बीच महालक्ष्मी मिष्ठान भण्डार के पास अमृत कैलेक्शन शोरूम पर कार्रवाई चल रही थी, उसी दौरान परिषद का एक कर्मचारी अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। जैसे ही कर्मचारी के बेहोश होने की भनक प्रशासन को लगी तो अधिकारियों में अफरा-तफरी मच गई और आनन-फानन में उक्त कर्मचारी को एम्बुलेंस की सहायता से राजकीय बीडीएम अस्पताल पहुंचाया गया। इस दौरान कार्यवाही यथावत जारी रही। देर रात तक प्रशासन की जेसीबी, हाईवा व ड्रिल मशीनें चलती रही। आनन-फानन में की गई कार्यवाही से जहां बिजली विभाग को भी भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है, वहीं दिनभर लोग बिजली, पानी व इन्टरनेट सेवाओं को तरसते रहे। इधर प्रशासन की कथित दमनात्मक कार्यवाही का विरोध करने पर वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश गोयल, एडवोकेट बजरंग लाल शर्मा, एडवोकेट मनोज नारायण शर्मा, भाजपा नेता सुभाष घोघड़, भाजपा नेता प्रवीण बंसल व संघर्ष समिति के पंडित किशोरलाल नेताजी को हिरास्त में ले लिया गया। इस दौरान विरोध करने आये लोगों से प्रशासनिक अधिकारियों की तीखी नोंक-झोंख भी हुई।

लोगों का आरोप था कि प्रशासन राजनैतिक दबाव में आकर व्यापारियों के खिलाफ दमनात्मक कार्यवाही कर रहा है, जो कोटपूतली की जनता की भावनाओं पर कुठाराघात है। प्रशासनिक कार्यवाही को आमजन दो नजरिए से देख रहा है। एक तो विकास के आईने से और दूसरा विकास की जगह विनाश के आईने से। कार्यवाही के दौरान एडीएम जगदीश आर्य, एसडीएम ऋषभ मण्डल, मौका मजिस्ट्रेट तहसीलदार सूर्यकान्त शर्मा, एएसपी विद्या प्रकाश, यातायात एएसपी सुमित गुप्ता, डीएसपी डॉ. संध्या यादव, शाहपुरा डीएसपी सुरेन्द्र कृष्णियां, एसएचओ सवाई सिंह सहित पनियाला, सरूण्ड, प्रागपुरा, चंदवाजी, शाहपुरा, भाबरू समेत 8 थानों का पुलिस जाप्ता एवं एसटीएफ जवानों की पूरी कम्पनी को मिलाकर करीब 500 जवान सहित बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तैनात रहे। नगर परिषद आयुक्त फतेह सिंह मीणा के नेतृत्व में निर्माण हटाने की समस्त कार्यवाही की गई।

उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में शनिवार को करीब 68 निर्माण हटाये गये है। साथ ही स्टे वाले निर्माणों को फिलहाल छोड़ दिया गया है। अगली कार्यवाही द्वितीय चरण में स्वतंत्रता दिवस के बाद की जायेगी, जिसके लिए अलग से नोटिस भी जारी किये जायेगें। जबकि तृतीय चरण में नीलाम की गई सम्पत्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। एडीएम जगदीश आर्य ने आमजन व व्यापारियों को प्रशासन का सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया है।

गौरतलब है कि नगर परिषद द्वारा मुख्य चौराहे से अग्रसेन सर्किल व आसपास के सम्पत्ति मालिकों को शुक्रवार को ही 24 घण्टों में निर्माण हटाने के निर्देश दिये गये थे। आयुक्त फतेह सिंह मीणा ने यह भी बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट के निर्देशानुसार ही समस्त कार्यवाही पूर्णतया: शांतिपूर्ण तरीके से की गई है, जिसमें स्थानीय व्यापारियों का भी प्रशासन को भरपूर सहयोग मिला है। व्यापारियों ने स्वयं ही अपनी दुकानों को पहले ही खाली कर लिया था। परिषद द्वारा दोनों मुख्य मार्गो को मास्टर प्लान के तहत क्रमश: 80 व 60 फिट चौड़ा किया जा रहा है। आपको बता दें कि विगत दिसम्बर 2021 में भी उक्त कवायद के चलते आम नोटिस व व्यक्तिगत नोटिस के माध्यम से दोनों मार्गो को चौड़ा करने की कार्यवाही शुरू की गई थी। इसके विरोध में एक ओर जहाँ धरना प्रदर्शन शुरू हो गया था। वहीं सम्पत्ति मालिकों ने उक्त कार्यवाही को विधि विरूद्ध बताते हुए राजस्थान हाईकोर्ट में याचिकायें दायर की थी, जिस पर न्यायालय ने नगर परिषद को व्यक्तिगत सुनवाई करते हुए 30 दिवस में विस्तृत एवं सकारण आदेश पारित करने व तब तक याचीगण के विरूद्ध कोई कार्यवाही ना करने के निर्देश दिये गये थे। साथ ही नगर परिषद को मौका एवं दस्तावेजों की जाँच कर भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही करते हुए प्रभावितों की मुआवजा राशि तय करने के लिए भी निर्देशित किया गया था।

बीठनोक में 250 मेगावाट का लिग्नाइट पावर प्लांट लगाने पर केन्द्र व राज्य सहमत

राज्य की मुख्य सचिव ऊषा शर्मा और केन्द्र के कोयला मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एम. नागाराजू के बीच जयपुर में इन परियोजनाओं पर चर्चा हुई

- इसके अतिरिक्त बीठनोक में ही 300 मेगावाट का एक और प्लांट व बरसिंगसर में 250 मेगावाट का पावर प्लांट लगाने पर भी सरकार विचार कर रही है।

बीकानेर, 6 अगस्त (कासं)। बीकानेर जिले के बीठनोक गांव में 250 मेगावाट का लिग्नाइट पावर प्लांट लगाने पर केन्द्र और राज्य सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं।एनएलसी इंडिया लिमिटेड इस प्रोजेक्ट के लिए डीपीआर बनाने में जुट गया है। जल्द एमओयू और इंस्टालेशन की प्रक्रिया शुरू होने का अनुमान है।

राज्य और केन्द्र के उच्चाधिकारियों के बीच हुई मीटिंग में इस प्रोजेक्ट पर सैद्धांतिक सहमति के साथ ही बीठनोक में ही 300 मेगावाट के सोलर प्लांट और बीकानेर के बरसिंगसर में 250 मेगावाट के लिग्नाइट पावर प्लांट के एक्सटेंशन पर भी बातचीत हुई है। ऐसे में ये दोनों प्लांट भी मंजूर हो जाते हैं तो जिले में 800 मेगावाट बिजली उत्पादन का रास्ता खुलेगा।

राज्य की मुख्य सचिव ऊषा शर्मा और केन्द्र के कोयला मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एम. नागाराजू के बीच जयपुर में इन परियोजनाओं पर चर्चा हुई है। लगभग 12 वर्ष पूर्व हुई यह प्रक्रिया कई कारणों से आगे नहीं बढ़ पाई। मीटिंग के बाद चीफ सैक्रेट्री ने बीठनोक में 250 मेगावाट प्लांट के लिए नए सिरे से डीपीआर बनाने का निर्देश दिया है। नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन के प्रोजेक्ट हैड जगदीश मजूमदार ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हम नए सिरे से पूरी योजना बनाकर सरकार को दे रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी का कहना है कि बीठनोक में लिग्नाइट पावर प्लांट का एमओयू हो चुका था। बिजली की लागत लगभग पांच रुपए यूनिट आ रही थी।

पूर्ववर्ती सरकार ने रेट ज्यादा बताकर एमओयू तोड़ दिया। एक बार फिर से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से यह प्लांट शुरू करवाने का आग्रह किया था। इस पर अब केन्द्र-राज्य दोनों मिलकर सकारात्मक तरीके से आगे बढ़े हैं। उम्मीद है जल्द उत्पादन शुरू होगा।

जगदीप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्रमश: ओम बिड़ला और जगदीप धनखड़। दिलचस्प बात ये है कि धनखड़ को कृष्णकांत, भैंरोसिंह शेखावत, हामिद अंसारी और वेंकैया नायडू से भी अधिक वोट मिले, जो भी एक रिकॉर्ड है। ऐसा लोकसभा में भाजपा के भारी बहुमत के कारण हुआ।

आर.सी.पी. सिंह का नीतीश की पार्टी से इस्तीफा

नई दिल्ली, 6 अगस्त। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राइड हैंड माने जाने वाले जे.डी.यू. के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आर.सी.पी. सिंह ने भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर जे.डी.यू. ने आर.सी.पी. सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। आर.सी.पी. सिंह पर साल 2013 से 2022 के बीच अकूत संपत्ति बनाने का आरोप है। जे.डी.यू. ने आर.सी.पी. सिंह को जारी कारण बताओ नोटिस में कहा गया है कि 9 सालों में आपको परिवार के नाम पर 58 प्लॉट की रजिस्ट्री हुई है। इस तरह कुल 800 कट्ठा जमीन की खरीद हुई है।

भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट ने बर्मिंघम कॉमनवैल्थ गेम्स में महिला 53 कि. ग्रा. वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। कॉमनवैल्थ गेम्स में यह भारत का ग्यारहवां गोल्ड है।

नीतीश कुमार व के.सी.आर. ने प्र.मंत्री मोदी की बैठक में शामिल होने से इन्कार किया

- प्र.मंत्री मोदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक के संबंध में मु.मंत्री के.सी.आर ने कहा, भेदभाव के कारण बैठक से हमारे राज्य को कोई फायदा होने वाला नहीं है।
- नीति आयोग की 7 अगस्त को होने वाली बैठक में फसल विविधीकरण और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने वाली है।

नई दिल्ली, 6 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 7 अगस्त को होने वाली नीति आयोग की बैठक से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बाद अब तेलंगाना के सी.एम. के चंद्रशेखर राव ने भी किनारा कर लिया है। बैठक में हिस्सा नहीं लेने के संबंध में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री राव ने कहा कि उन्हें नीति आयोग की बैठक से कोई फायदा नहीं दिख रहा है। रविवार को होने वाली नीति आयोग की बैठक में फसल विविधीकरण और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने वाली है।

के.चंद्रशेखर राव ने कहा, मैं विरोध के रूप में कल दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की 70वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक का हिस्सा नहीं बनूंगा। इसके साथ-साथ राव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भी लिखा है, जिसमें उन्होंने राज्यों को अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के लिए उनकी जरूरतों और शर्तों के आधार पर योजनाओं को डिजाइन और उसमें बदलाव किए जाने की व्यवस्था नहीं दिए जाने को लेकर केंद्र के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की है।

के.सी.आर. ने पी.एम. मोदी के लिखे पत्र में कहा है, भारत एक मजबूत राष्ट्र के रूप में तभी विकसित हो सकता है, जब राज्यें विकसित हों। उन्होंने कहा कि मजबूत और आर्थिक रूप से जीवंत राज्य ही भारत को एक मजबूत देश बना सकते हैं।

मैं भारत को एक मजबूत और विकसित देश बनाने के हमारे सामूहिक प्रयास में राज्यों के साथ भेदभाव करने और उन्हें समान भागीदार के रूप में नहीं मानने के केंद्र सरकार के वर्तमान रुख के खिलाफ इस बैठक से दूर रहूंगा।

धमोरा गांव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वॉलीबाल से जुड़ा हुआ है। कप्तान दुष्यंत के अलावा टीम में अमन कुमार, जोशनुर ढींडसा, संदीप, अजय कुमार, समीर चौधरी, तनिश चौधरी, हर्षित गिरी, जिबिन जॉश, सचिन डागरी, मन्नत चौधरी, कार्तिकेयन के (लिब्रो), अजीत शेखों, सूर्यप्रकाश बंजारा (लिब्रो) को जगह दी गई है।

टीम मैनेजर कुलदीप राज मगोत्रा, चीफ कोच जेई श्रीधरन, असिस्टेंट कोच राजेश कुमार, प्रवीन शर्मा, अंतराष्ट्रीय निर्णायक शेख एजाज सिकंदर होंगे।

झुंझुनूं जिले में जाखड़ों की ढाणी को वॉलीबाल खिलाड़ियों की खान कहा जाता है। जहाँ से कई अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी निकले हैं और 20 से 25 राष्ट्रीय खिलाड़ी हैं।

शुरू से लेकर वर्तमान तक 50 के लगभग राज्य स्तर के खिलाड़ी भी इसी ढाणी के हैं। इनमें से अधिकांश तो सरकारी सेवाओं में कार्यरत हैं।

प्र.मंत्री व गृह मंत्री के स्पष्ट निर्देश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा फिलहाल वरूण गांधी की उग्र आलोचनाओं को मित्रवत लेने का भाव प्रकट कर रही है। अभी हाल ही में, उन्होंने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर लगाये जा रहे उन आरोपों को लेकर निशाना साधा था, जो सरकारी कर्मचारियों की भर्ती के अभियान के दौरान, प्रश्न पत्र लीक होने के बारे में लगाये जा रहे हैं।

सरकार द्वारा उम्रदराज लोगों को रेल किराये में दी जा रही छूट को समाप्त कर देने, पैकेज्ड खाद्य पदार्थो पर जी.एस.टी. लगाये जाने तथा सशस्त्र सेनाओं में भर्ती की नई स्कीम "अग्निपथ" शुरू करने के लिये भी वरूण गांधी ने केन्द्र सरकार की कड़ी आलोचना की थी।

सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी तथा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से पार्टी को विशेष निर्देश दिये गये हैं कि वरूण गांधी की अठखेलियों अनदेखी की जानी चाहिए तथा तब तक पार्टी को प्रतिक्रिया देनी चाहिए जब तक कि वे सीमा पार न कर जाएं।

लेकिन अगर वरूण गांधी को पार्टी की कीमत पर मीडिया में जगह मिलने दी जाती है तो यह पार्टी और सरकार दोनों में से किसी के हित में नहीं होगा।

जहाँ वरूण गांधी यह चाहते हैं कि पार्टी उन्हें निष्कासित करे तथा उसके बाद वे अपनी सीट को बरकरार रखें, वहीं भाजपा यह सोचकर सुरक्षित खेल खेल रही है क्योंकि वरूण के खिलाफ कोई कदम उठाये जाने से बहुत बड़ी बहस छिड़ जायेगी, क्योंकि वरूण गांधी की माँ मेनका गांधी 1990 के दशक में उस समय भाजपा में आई थीं, जब भगवा दल एल.के.अडवाणी तथा अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में गैर-आर.एस.एस. नेताओं को आमन्त्रित कर रहा था ताकि जनता में इसका प्रसार अपेक्षाकृत अधिक व्यापक स्तर पर हो सके। 65 वर्षीय मेनका गांधी जनता दल टिकट पर पीलीभीत से जीतकर विश्वनाथ प्रताप सिंह सरकार में राज्य मंत्री बन गई थीं। वे वाजपेयी सरकार तथा मोदी सरकार में भी 2014 से 2019 तक मन्त्री रही, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनावों में मिली जीत के बाद, वे उपेक्षित कर गईं। वे 2019 लोकसभा चुनाव सुल्तानपुर से जीती थीं।

जहाँ मेनका गांधी ने लोकसभा में अपेक्षाकृत कम मुखर रहना उचित समझा तथा वे चर्चा में यदाकदा ही भाग लेती थीं, वहीं वरूण गांधी लोकसभा में भाजपा तथा नेतृत्व पर तंज करने वाले तथा उन्हें असुविधाजनक लगने वाले प्रश्न पूछना पंसद करते हैं।

प्रियंका गोस्वामी ने कॉमनवैल्थ गेम्स में शनिवार को महिला 10 किमी. रेस वॉक (स्टीपलचेज़) में ऐतिहासिक सिल्वर मैंडल हासिल किया। प्रियंका रेसवॉकिंग में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं। वे इस खेल में कॉमनवैल्थ मैंडल जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी भी हैं। इससे पहले, हरमिंदर सिंह ने दिल्ली 2010 कॉमनवैल्थ गेम्स की 20 किमी. रेसवॉकिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था। प्रियंका गोस्वामी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 10,000 मीटर की दूरी को 43:38 मिनटों में पूरा किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया की जेमीमा मॉनटाग ने 42:34.00 के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रियंका ने सीटी बजते ही ट्रैक पर बढ़त हासिल कर ली थी और 4,000 मीटर के बाद वो पहले स्थान पर थीं। इसके कुछ देर बाद ही वो जेमीमा और कीनिया की एमिली वामुस्यी एन्जी से पिछड़ गयीं। जब प्रतियोगिता में सिर्फ दो किमी की दूरी बची थी, तब प्रियंका ने शानदार वापसी करते हुए कीनिया की प्रतिद्वंदी को पछाड़ा और सिल्वर मैंडल हासिल किया।

पूर्व मु.मंत्री पलानीस्वामी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निकालने के लिए पलानिस्वामी ने जिस चाल का इस्तेमाल किया वह यह कि दो नेताओं द्वारा पार्टी का संचालन करने से पार्टी कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति रहती है और पार्टी के उद्देश्य और कार्यवाही में एकजुटता की कमी रहती है। पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी में चल रहे इस गुटीय संघर्ष के दो मतलब निकलते हैं- पहला तो इसने डी.एम.के. को अपना शासन अपेक्षाकृत सुचारू रूप से चलाना सुनिश्चित किया है और दूसरा, इससे विपक्ष की जगह भी खाली हो गई और भाजपा को इसे भरने का मौका मिल गया।

और तमिलनाडू में ऐसा ही कुछ धीमे-धीमे किन्तु सुनिश्चित रूप से हो रहा है। यानी भाजपा ने विपक्ष के इस रिक्त स्थान को भरना शुरू कर दिया है। उसने भारतीय पुलिस सेवा के कर्नाटक कैडर के एक पूर्व अधिकारी के. अन्नामलाई को तमिलनाडू में अपना प्रदेश अध्यक्ष बनाया है जो कि बहुत सजग और आक्रामक हैं। अन्नामलाई राज्य के एक मात्र ऐसे विपक्षी नेता हैं जो आम जनता के मुद्दे उठाकर सरकार की कलई खोलते हैं। सरकार और शासन पर उनके निरन्तर फोकस ने स्टालिन सरकार को एक तरह से बैकफुट पर ला दिया है।

केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी की स्थानीय ईकाई का प्रमुख होना, उन्हें स्थानीय राजनीति में कुछ हद तक संबल व तवज्जो प्रदान करता है, खासतौर पर जब बात छोटी पार्टियों से सौदेबाजी की हो। चूंकि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा के साउथ प्लान में तमिलनाडू को महत्वपूर्ण माना गया है, इसलिए पार्टी को देखना है कि इस राज्य में राजनीति कैसे होती है, बावजूद इसके कि भाजपा यह जानती है कि उसने तो एक ऐसे राज्य में शुरूआत भर की है जहां उसे बाहरी माना जाता है और यहां उसे एक लम्बा रास्ता तय करना है।

एक बाहरी पार्टी की धारणा को समाप्त करना भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और उसे वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में डी.एम.के. का मुकाबला करने के लिए डी.एम.डी.के., पी.एम.के. व अन्य छोटी पार्टियों के साथ एक सशक्त गठबंधन बनाने की कार्ययोजना तैयार करनी है। पिछले आम चुनावों में डी.एम.के. राज्य की कुल 39 लोकसभा सीटों में से 38 पर जीत हासिल की थी और कांग्रेस के बाद दूसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बन गई थी।

केन्द्रीय सरकार व तमिलनाडू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे भयभीत हुए बिना, तमिलनाडु के तेज तर्रार वित्त मंत्री पी. त्यागराजन ने पलटवार करते हुये कहा कि राज्य के प्रतिनिधि ने बहुत सी वस्तुओं पर जी.एस.टी. लगाने का मौखिक एवं लिखित विरोध किया था तथा उन्होंने स्वयं ने राज्य की आपत्तियों को भी लिख कर दिया था। पी.टी.आर., जिस नाम से वे जाने जाते हैं, के पास उसी समय से जी.एस.टी. का पूरा ब्यौरा है, जब पिछले वर्ष डी.एम.के. जोर-शोर से सत्ता में आई थी। उनका कहना है कि जी.एस.टी. काउंसिल की रूपरेखा में ही खामियाँ हैं तथा इसकी निर्णय प्रक्रिया में राज्यों को अपने अलग मत व्यक्त करने की कोई गुजांइश ही नहीं बची है।

जी.एस.टी. काउंसिल की वर्तमान मतदान पद्धति, जिसमें केन्द्र के 33 प्रतिशत वोट हैं, केवल केन्द्र का ही पक्ष लेती है। उन्होंने कहा कि अगर परिषद का कोई सदस्य कोई प्रस्ताव लाता है तथा केन्द्र सरकार उस पर नकारात्मक रुख अपना लेती है, तो वह प्रस्ताव वहीं समाप्त हो जाता है। जब हम केन्द्र से अनुरोध करते हैं कि पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत में जनता को राहत दो, तो जी.एस.टी.-व्यवस्था लागू होने के बाद, उस अनुरोध का यही हश्र होता है। राज्यों के पास टैक्स बढ़ाने का कोई रास्ता ही नहीं बचा है। ऐसा करने का अधिकार केवल केन्द्र के पास ही है। उन्होंने कहा कि आज केन्द्र जो एक्साइज वसूलता है, वह 2014 की अपेक्षा बहुत ज्यादा है। त्यागराजन ने एक ट्वीट में पूछा, "इसके अलावा, पेट्रोल एवं डीज़ल पर टैक्स कम किसको करना चाहिए? क्या यह काम केन्द्र सरकार को नहीं करना चाहिये, जिसने पिछले 7 वर्षों में ईंधन पर अनेक बार टैक्स बढ़ाया है? या यह काम डी.एम.के. को करना चाहिये, जिसने अब तक के इतिहास में एक बार भी ईंधन पर टैक्स नहीं बढ़ाया?

उनके पास इस बात का युक्तियुक्त कारण है कि केन्द्र प्राय: तमिलनाडु पर हमले क्यों करता है। उनके अनुसार, इसका कारण यह है कि आर्थिक मोर्चे पर तमिलनाडु का प्रदर्शन केन्द्र सरकार की अपेक्षा बेहतर है।

पी.टी.आर. ने कहा, "इस साल केन्द्रीय बजट में राजकोषीय घाटा 7 प्रतिशत है, हमारा करीब 3.5 प्रतिशत था। आज देश में महँगाई 8 प्रतिशत के आसपास है, हमारी 5 प्रतिशत के आसपास ही है। हमारी सरकार काम करने वाली सरकार है, हमारी सरकार करुणा तथा सामाजिक न्याय दर्शाती है, किन्तु उसकी बावजूद, बेहतर परिणाम देती है। और इससे दिल्ली में बैठी उपनिवेशवादी ताकतें चिढ़ती हैं। पी.टी.आर. ने अफसोस व्यक्त करते हुये कहा कि आज जब डी.एम.के. के उन्हीं सिद्धान्तों को अपना रही है, जो राज्यों के अधिकारों का समर्थन करने के लिये मोदी जी ने उस समय अपनाये थे, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तो हमारे इस काम को सीधे टकराव के रूप में देखा जा रहा है।

रिलायंस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुरूमूर्ति ने जनवरी 2002 में दायर की थी। याचिका में शिकायत की गई थी कि 1994 में 12 करोड़ इक्विटी शेयरों के आवंटन में चालबाजी हुई थी। ये शेयर कथित रूप से आर.आई.एल. के प्रमोटरों, आर.आई.एल. द्वारा वित्त पोषित ग्रुपों एवं कम्पनियों को आवंटित कर दिये गये थे। मुख्य न्यायाधीश एन.वी.रमना, न्यायमूर्ति जे. के. महेश्वरी तथा हिमा कोहली की बैंच ने कहा कि सेबी को इस प्रकार की सूचना के कुछ हिस्सों को भी उजागर करने का कोई विशेषाधिकार नहीं है। बैंच ने कहा कि कानून ऐसे चयनित बिन्दुओं के प्रकटीकरण का कभी भी समर्थन नहीं कर सकता, क्योंकि ये साफ तौर पर "चैरी पिंकिंग" के बराबर हैं। बैंच ने सेबी को निर्देश दिये कि आर.आई.एल. को न्यायमूर्ति श्रीकृष्ण की पहली तथा दूसरी राय के साथ ही, चार्टर्ड अकाउन्टेंट वाई. एच. मालेगाम, जो सेवानिवृत जज के आदेश से नियुक्त किये गये थे, की पूरी रिपोर्ट उपलब्ध कराये।

पानी निकासी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया है, ताकि नए सिरे से पाईप लाईन डालने का काम जल्द से जल्द करवाया जा सके। आयुक्त ने बताया कि गेनाणी के पास से गुजरने वाली हाईवे की सड़क के नीचे लीकेज हो गया, जिसको ठीक करने के लिए सड़क तोड़कर लीकेज निकालने का काम नगरपरिषद की टीमों द्वारा किया गया। आयुक्त ने बताया कि नया बास में ऐसे अनेक घर हैं, जिनके नीचे से पाईप लाईन गुजरती है। दरअसल 45 साल पहले जब ये पाईप लाईन गेनाणी से पानी निकासी के लिए डाली गई थी, तब इस क्षेत्र में कोई भी मकान नहीं थे। धीरे-धीरे लोग पाईप लाईन को भूल गए और बस्ती में अनेक मकान पाईप लाईन के ऊपर बन गए। नया बास स्थित घनश्याम स्वामी के घर में नींव से पानी की धार निकलने लगी और जब इस बात की शिकायत नगरपरिषद को की गई, तो पता चला कि मकान के नीचे गेनाणी से निकलने वाली पाईप लाईन है। सभापति प्रतिनिधि मोहम्मद ईदरीश गौरी, उप सभापति अमित मारोठिया ने बताया कि घरों के नीचे से पाईप लाईन के लीकेज निकालना संभव नहीं है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908